

PREVIEW QUESTION BANK(Dual)

Module Name : Punjabi
Exam Date : 21-Jun-2023 Batch : 15:00-18:00

Sr. No.	Client Question ID	Question Body and Alternatives	Marks	Negativ Marks																																													
Objective Question																																																	
1	2151	The table given below shows the distribution percentage of number of candidates qualifying a Common Entrance Test (CET) in six cities A-F during the year 2020 and 2021, along with the ratio of males (M) to females (F) among the qualified candidates. The total number of qualified candidates in all the six cities together during 2020 and 2021 are 3800 and 4600 respectively. Based on the data in the table, answer the question that follows: <u>City-wise Distribution of CET Qualified Candidates.</u> <table border="1"> <thead> <tr> <th>Years</th><th colspan="2">2020</th><th colspan="2">2021</th></tr> <tr> <th>City</th><th>(Distribution % of Qualified Candidates</th><th>Ratio</th><th>(Distribution % of Qualified Candidates</th><th>Ratio</th></tr> <tr> <th></th><th></th><th>M:F</th><th></th><th>M:F</th></tr> </thead> <tbody> <tr> <td>A</td><td>13%</td><td>8:5</td><td>24%</td><td>5:7</td></tr> <tr> <td>B</td><td>27%</td><td>11:8</td><td>15%</td><td>12:11</td></tr> <tr> <td>C</td><td>11%</td><td>7:4</td><td>23%</td><td>15:8</td></tr> <tr> <td>D</td><td>20%</td><td>2:3</td><td>17%</td><td>8:9</td></tr> <tr> <td>E</td><td>8%</td><td>5:3</td><td>8%</td><td>1:3</td></tr> <tr> <td>F</td><td>21%</td><td>13:8</td><td>13%</td><td>5:8</td></tr> </tbody> </table> The difference between the number of male candidates qualified from City-B in 2020 and City-A in 2021 is 134 144 168 182	Years	2020		2021		City	(Distribution % of Qualified Candidates	Ratio	(Distribution % of Qualified Candidates	Ratio			M:F		M:F	A	13%	8:5	24%	5:7	B	27%	11:8	15%	12:11	C	11%	7:4	23%	15:8	D	20%	2:3	17%	8:9	E	8%	5:3	8%	1:3	F	21%	13:8	13%	5:8		
Years	2020		2021																																														
City	(Distribution % of Qualified Candidates	Ratio	(Distribution % of Qualified Candidates	Ratio																																													
		M:F		M:F																																													
A	13%	8:5	24%	5:7																																													
B	27%	11:8	15%	12:11																																													
C	11%	7:4	23%	15:8																																													
D	20%	2:3	17%	8:9																																													
E	8%	5:3	8%	1:3																																													
F	21%	13:8	13%	5:8																																													

नीचे दी गई तालिका में वर्ष 2020 और 2021 के दौरान छह शहरों A से F में आयोजित सामान्य प्रवेश परीक्षा (सी ई टी) में अर्हता प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों की संख्या का बंटन प्रतिशत, अर्हक पाए गए विद्यार्थियों में पुरुष (M) और महिला (F) के अनुपात सहित दर्शायी गयी है। वर्ष 2020 और 2021 सभी छः शहरों में आयोजित प्रवेश परीक्षा में अर्हक पाए गए उम्मीदवारों की कुल संख्या क्रमशः 3800 और 4600 है। तालिका में दिए गए आंकड़ों के आधार पर प्रश्न का उत्तर दीजिए।

सी ई टी में अर्हक पाए गए उम्मीदवारों का शहर-वार बंटन

वर्ष	2020		2021	
शहर	अर्हक उम्मीदवारों का बंटन (प्रतिशत में)	अनुपात	अर्हक उम्मीदवारों का बंटन (प्रतिशत में)	अनुपात
		पुरुष : महिला		पुरुष : महिला
A	13%	8:5	24%	5:7
B	27%	11:8	15%	12:11
C	11%	7:4	23%	15:8
D	20%	2:3	17%	8:9
E	8%	5:3	8%	1:3
F	21%	13:8	13%	5:8

वर्ष 2020 में शहर -B से अर्हता प्राप्त पुरुष अभ्यर्थियों की संख्या और वर्ष 2021 में शहर -A से अर्हता प्राप्त पुरुष अभ्यर्थियों की संख्या में कितना अंतर है?

1. 134
2. 144
3. 168
4. 182

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

2 2152

The table given below shows the distribution percentage of number of candidates qualifying a Common Entrance Test (CET) in six cities A-F during the year 2020 and 2021, along with the ratio of males (M) to females (F) among the qualified candidates. The total number of qualified candidates in all the six cities together during 2020 and 2021 are 3800 and 4600 respectively. Based on the data in the table, answer the question that follows:

City-wise Distribution of CET Qualified Candidates.

Years	2020		2021	
City	(Distribution % of Qualified Candidates)	Ratio	(Distribution % of Qualified Candidates)	Ratio
		M:F		M:F
A	13%	8:5	24%	5:7
B	27%	11:8	15%	12:11
C	11%	7:4	23%	15:8
D	20%	2:3	17%	8:9
E	8%	5:3	8%	1:3
F	21%	13:8	13%	5:8

The ratio of number of females qualified from City-D in 2020 to that of City-E in 2021 is

1. 23:13
2. 31:27
3. 35:23
4. 38:23

नीचे दी गई तालिका में वर्ष 2020 और 2021 के दौरान छह शहरों A से F में आयोजित सामान्य प्रवेश परीक्षा (सी ई टी) में अर्हता प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों की संख्या का बंटन प्रतिशत, अर्हक पाए गए विद्यार्थियों में पुरुष (M) और महिला (F) के अनुपात सहित दर्शाया गया है। वर्ष 2020 और 2021 सभी छः शहरों में आयोजित प्रवेश परीक्षा में अर्हक पाए गए उम्मीदवारों की कुल संख्या क्रमशः 3800 और 4600 है। तालिका में दिए गए आंकड़ों के आधार पर प्रश्न का उत्तर दीजिए।

सी ई टी में अर्हक पाए गए उम्मीदवारों का शहर-वार बंटन

वर्ष	2020		2021	
शहर	अर्हक उम्मीदवारों का बंटन (प्रतिशत में)	अनुपात	अर्हक उम्मीदवारों का बंटन (प्रतिशत में)	अनुपात
		पुरुष : महिला		पुरुष : महिला
A	13%	8:5	24%	5:7
B	27%	11:8	15%	12:11
C	11%	7:4	23%	15:8
D	20%	2:3	17%	8:9
E	8%	5:3	8%	1:3
F	21%	13:8	13%	5:8

वर्ष 2020 में शहर -D से अर्हक पाई जानेवाली महिलाएं और वर्ष 2021 में शहर -E से अर्हक पाई जानेवाली महिलाओं की संख्या का अनुपात है:

1. 23:13
2. 31:27
3. 35:23
4. 38:23

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3
A4
:
4

Objective Question

3 2153

The table given below shows the distribution percentage of number of candidates qualifying a Common Entrance Test (CET) in six cities A-F during the year 2020 and 2021, along with the ratio of males (M) to females (F) among the qualified candidates. The total number of qualified candidates in all the six cities together during 2020 and 2021 are 3800 and 4600 respectively. Based on the data in the table, answer the question that follows:

City-wise Distribution of CET Qualified Candidates.

Years	2020		2021	
City	(Distribution % of Qualified Candidates)	Ratio	(Distribution % of Qualified Candidates)	Ratio
		M:F		M:F
A	13%	8:5	24%	5:7
B	27%	11:8	15%	12:11
C	11%	7:4	23%	15:8
D	20%	2:3	17%	8:9
E	8%	5:3	8%	1:3
F	21%	13:8	13%	5:8

The number of females qualified from City-F in 2020 is _____ % of the number of candidates qualified from City-E in the same year

1. 60
2. 75
3. 80
4. 100

नीचे दी गई तालिका में वर्ष 2020 और 2021 के दौरान छह शहरों A से F में आयोजित सामान्य प्रवेश परीक्षा (सी ई टी) में अर्हता प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों की संख्या का बंटन प्रतिशत, अर्हक पाए गए विद्यार्थियों में पुरुष (M) और महिला (F) के अनुपात सहित दर्शायी गयी है। वर्ष 2020 और 2021 सभी छः शहरों में आयोजित प्रवेश परीक्षा में अर्हक पाए गए उम्मीदवारों की कुल संख्या क्रमशः 3800 और 4600 है। तालिका में दिए गए आंकड़ों के आधार पर प्रश्न का उत्तर दीजिए।

सी ई टी में अर्हक पाए गए उम्मीदवारों का शहर-वार बंटन

वर्ष	2020		2021	
शहर	अर्हक उम्मीदवारों का बंटन (प्रतिशत में)	अनुपात	अर्हक उम्मीदवारों का बंटन (प्रतिशत में)	अनुपात
		पुरुष : महिला		पुरुष : महिला
A	13%	8:5	24%	5:7
B	27%	11:8	15%	12:11
C	11%	7:4	23%	15:8
D	20%	2:3	17%	8:9
E	8%	5:3	8%	1:3
F	21%	13:8	13%	5:8

वर्ष 2020 में शहर -F से अर्हक पायी गयी महिलाओं की संख्या उसी वर्ष शहर -E से अर्हक पाये गये उम्मीदवारों की संख्या का कितना प्रतिशत है?

1. 60
2. 75
3. 80
4. 100

A1
:
1

A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

4 2154

The table given below shows the distribution percentage of number of candidates qualifying a Common Entrance Test (CET) in six cities A-F during the year 2020 and 2021, along with the ratio of males (M) to females (F) among the qualified candidates. The total number of qualified candidates in all the six cities together during 2020 and 2021 are 3800 and 4600 respectively. Based on the data in the table, answer the question that follows:

City-wise Distribution of CET Qualified Candidates.

Years	2020		2021	
City	(Distribution % of Qualified Candidates)	Ratio	(Distribution % of Qualified Candidates)	Ratio
		M:F		M:F
A	13%	8:5	24%	5:7
B	27%	11:8	15%	12:11
C	11%	7:4	23%	15:8
D	20%	2:3	17%	8:9
E	8%	5:3	8%	1:3
F	21%	13:8	13%	5:8

The number of females qualified from City-B in 2021 is approximately _____% more than the number of males qualified from City-E in the year 2020

1. 71.42
2. 73.68
3. 75.13
4. 77.56

नीचे दी गई तालिका में वर्ष 2020 और 2021 के दौरान छह शहरों A से F में आयोजित सामान्य प्रवेश परीक्षा (सी ई टी) में अर्हता प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों की संख्या का बंटन प्रतिशत, अर्हक पाए गए विद्यार्थियों में पुरुष (M) और महिला (F) के अनुपात सहित दर्शायी गयी है। वर्ष 2020 और 2021 सभी छः शहरों में आयोजित प्रवेश परीक्षा में अर्हक पाए गए उम्मीदवारों की कुल संख्या क्रमशः 3800 और 4600 है। तालिका में दिए गए आंकड़ों के आधार पर प्रश्न का उत्तर दीजिए।

सी ई टी में अर्हक पाए गए उम्मीदवारों का शहर-वार बंटन

वर्ष	2020		2021	
शहर	अर्हक उम्मीदवारों का बंटन (प्रतिशत में)	अनुपात	अर्हक उम्मीदवारों का बंटन (प्रतिशत में)	अनुपात
		पुरुष : महिला		पुरुष : महिला
A	13%	8:5	24%	5:7
B	27%	11:8	15%	12:11
C	11%	7:4	23%	15:8
D	20%	2:3	17%	8:9
E	8%	5:3	8%	1:3
F	21%	13:8	13%	5:8

वर्ष 2021 में शहर -B से अर्हक पाई गई महिलाओं की संख्या वर्ष 2020 में शहर -E से अर्हक पाए गए पुरुषों की संख्या से लगभग कितने प्रतिशत अधिक है?

1. 71.42
2. 73.68
3. 75.13
4. 77.56

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

5 2155

The table given below shows the distribution percentage of number of candidates qualifying a Common Entrance Test (CET) in six cities A-F during the year 2020 and 2021, along with the ratio of males (M) to females (F) among the qualified candidates. The total number of qualified candidates in all the six cities together during 2020 and 2021 are 3800 and 4600 respectively. Based on the data in the table, answer the question that follows:

City-wise Distribution of CET Qualified Candidates.

Years	2020		2021	
City	(Distribution % of Qualified Candidates)	Ratio	(Distribution % of Qualified Candidates)	Ratio
		M:F		M:F
A	13%	8:5	24%	5:7
B	27%	11:8	15%	12:11
C	11%	7:4	23%	15:8
D	20%	2:3	17%	8:9
E	8%	5:3	8%	1:3
F	21%	13:8	13%	5:8

The average of the number of females qualified from all the six cities together in 2021 is

1. 320
2. 360
3. 400
4. 440

नीचे दी गई तालिका में वर्ष 2020 और 2021 के दौरान छह शहरों A से F में आयोजित सामान्य प्रवेश परीक्षा (सी ई टी) में अर्हता प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों की संख्या का बंटन प्रतिशत, अर्हक पाए गए विद्यार्थियों में पुरुष (M) और महिला (F) के अनुपात सहित दर्शाया गया है। वर्ष 2020 और 2021 सभी छः शहरों में आयोजित प्रवेश परीक्षा में अर्हक पाए गए उम्मीदवारों की कुल संख्या क्रमशः 3800 और 4600 है। तालिका में दिए गए आंकड़ों के आधार पर प्रश्न का उत्तर दीजिए।

सी ई टी में अर्हक पाए गए उम्मीदवारों का शहर-वार बंटन

वर्ष	2020		2021	
शहर	अर्हक उम्मीदवारों का बंटन (प्रतिशत में)	अनुपात	अर्हक उम्मीदवारों का बंटन (प्रतिशत में)	अनुपात
		पुरुष : महिला		पुरुष : महिला
A	13%	8:5	24%	5:7
B	27%	11:8	15%	12:11
C	11%	7:4	23%	15:8
D	20%	2:3	17%	8:9
E	8%	5:3	8%	1:3
F	21%	13:8	13%	5:8

वर्ष 2021 में सभी छह शहरों से अर्हक पायी गयी महिलाओं की संख्या का औसत क्या है?

1. 320
2. 360
3. 400
4. 440

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3
A4
:
4

Objective Question

6 2156

In MOOCs (Massive Open Online Courses), an initiative under NME-ICT Programme, the fourth quadrant is related to:

1. e- content
2. Self-Assessment
3. e-Tutorial
4. Web Resources

एन एम ई-आई सी टी (NME-ICT) प्रोग्राम के अंतर्गत एक पहल में मूक (मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज) में चतुर्थ चतुर्थांश निम्नांकित में से किससे संबंधित है?

1. ई- विषय वस्तु (कंटेंट)
2. स्व- मूल्यांकन
3. ई- ट्यूटोरियल
4. वेब संसाधन (रिसोर्स)

A1
:
1

A2
:
2

A3
:
3

A4
:
4

Objective Question

7 2157

Match List I with List II

LIST I (Type of learning theory)		LIST II (Theorist)	
A.	Behavioral theory of learning	I.	Albert Bandura
B.	Individual constructivist theory of learning	II.	Lev Vygotsky
C.	Social constructivist theory of learning	III.	J. Piaget
D.	Social cognitive theory of learning	IV.	B.F. Skinner

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-IV, B-II, C-I, D-III
2. A-IV, B-III, C-II, D-I
3. A-II, B-IV, C-III, D-I
4. A-I, B-IV, C-II, D-III

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I (अधिगम सिद्धांत का प्रकार)	सूची II (सिद्धांत के प्रतिपादक)
A. अधिगम का व्यवहारिक सिद्धांत	I. अल्बर्ट बंडुरा
B. अधिगम का वैयक्तिक रचनावादी सिद्धांत	II. लेव वाइगोत्स्की
C. अधिगम का सामाजिक रचनावादी सिद्धांत	III. जे. पियाजे
D. अधिगम का सामाजिक संज्ञानात्मक सिद्धांत	IV. बी. एफ. स्किनर

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-IV, B-II, C-I, D-III
2. A-IV, B-III, C-II, D-I
3. A-II, B-IV, C-III, D-I
4. A-I, B-IV, C-II, D-III

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

Objective Question

8 2158

Given below are two statements:

Statement I: In explicit long term memory bits of information may be stored and interrelated in terms of propositional networks.

Statement II: Implicit long term/ memories are out-of-awareness memories that can't affect thinking and behavior.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are correct
2. Both Statement I and Statement II are incorrect
3. Statement I is correct but Statement II is incorrect
4. Statement I is incorrect but Statement II is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं:

कथन I : साध्यात्मक नेटवर्क के संदर्भ में स्पष्ट दीर्घावधिक स्मृति में सूचनाओं के अंश संग्रहित किये जा सकते हैं और उन्हें परस्पर संबद्ध किया जा सकता है।

कथन II: अस्पष्ट दीर्घावधिक स्मृतियां सचेतता से बाहर की स्मृतियां होती हैं जो चिंतन और व्यवहार को प्रभावित नहीं कर सकती हैं।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. दोनों कथन I और कथन II सही हैं
2. दोनों कथन I और कथन II गलत हैं
3. कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है
4. कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है

A1 1

:

1

A2 2

:

2

		2
A3	:	3
		3
A4	:	4
		4

Objective Question

9	2159	A teacher is preparing a course of science. He/She wants to add an exercise that promotes collaboration and problem solving among learners. What kind of group should he/she form? 1. Independent student assignment 2. Teacher-centric groups 3. Student-centric groups 4. Social groups कोई अध्यापक/अध्यापिका विज्ञान का पाठ्यक्रम तैयार कर रहा/रही है। वह (अध्यापक/ अध्यापिका) कोई ऐसा अभ्यास जोड़ना चाहता है/चाहती है जिससे अधिगमार्ताओं में सहयोग और समस्या समाधान की भावना को बढ़ावा मिले तो इस दशा में संबंधित अध्यापक/अध्यापिका निम्नांकित में से किस प्रकार का समूह निर्माण करेगा/करेगी ? 1. स्वतंत्र विद्यार्थी समनुदेशन 2. अध्यापक-केन्द्रित समूह 3. विद्यार्थी-केन्द्रित समूह 4. सामाजिक समूह A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4
---	------	---

Objective Question

10	2160	A teacher divided the students of a class into four small groups and in each group three students are present. They have to complete a project in online mode by adding all the related material. Which tool is most appropriate according to you? 1. Padlet 2. Camera 3. Quizzes 4. Screen-castomatic किसी शिक्षक ने एक कक्षा के विद्यार्थियों को चार छोटे-छोटे समूहों में विभक्त किया और प्रत्येक समूह में तीन विद्यार्थी उपस्थित हैं। सभी संबंधित सामग्री को जोड़कर उन्हें ऑनलाइन मोड में एक परियोजना को पूरा करना है। तो इस दशा में आपके अनुसार सर्वाधिक उपयुक्त युक्ति क्या है? 1. पैडलेट 2. कैमरा 3. क्विजस 4. स्क्रीन कास्टोमैटिक A1 1 : 1
----	------	--

A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

11 2161 One of the characteristics of probability sampling is

1. Population bias
2. sampling bias
3. Random selection
4. Accidental selection

प्रायिकता प्रतिचयन की विशेषताओं में से एक है:

1. जनसंख्या पूर्वाग्रह
2. प्रतिचयन पूर्वाग्रह
3. यादृच्छिक चयन
4. अकस्मात चयन

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

12 2162 Covert research in ethnography is beset with

1. Personal issues
2. Ethical issues
3. Political issues
4. Historical issues

नृजाति वर्णन में प्रच्छन्न शोध निम्नांकित में से किससे परिपूर्ण है?

1. वैयक्तिक मुद्दे
2. नैतिक मुद्दे
3. राजनीतिक मुद्दे
4. ऐतिहासिक मुद्दे

A1 1
:
1
A2 2
:
2

A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

13 2163

Which of the following are characteristics of qualitative interview?

- A. It is less structured.
- B. It reflects researcher's concerns.
- C. The interview is allowed to ramble.
- D. The interview has standardized questions.
- E. It is flexible in approach.

Choose the most appropriate answer from the questions given below:

- 1. A, B, and C only
- 2. B, C, and D only
- 3. C, D, and E only
- 4. A, C, and E only

निम्नांकित में से क्या गुणात्मक साक्षात्कार की अभिलक्षणिक विशेषताएं हैं?

- A. यह अपेक्षाकृत कम संरचनाबद्ध होता है।
- B. इसमें शोधकर्ता के सरोकारों का प्रतिबिंब मिलता है।
- C. इस साक्षात्कार में बेसिर पैर की बातें करने की अनुमति होती है।
- D. इस साक्षात्कार में मानकीकृत प्रश्न होते हैं।
- E. यह दृष्टिकोण में नमनीय होता है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

- 1. केवल A, B, और C
- 2. केवल B, C, और D
- 3. केवल C, D, और E
- 4. केवल A, C, और E

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

14 2164

Which of the following factors must be taken into account in quantitative research?

- A. Measurement
- B. Causality
- C. Replication
- D. Exclusion of statistical analysis
- E. Less importance to standardisation

Choose the most appropriate answer from the questions given below:

- 1. A, B, and C only
- 2. B, C, and D only
- 3. C, D, and E only
- 4. A, C, and D only

परिमाणात्मक शोध में निम्नांकित में से किन कारकों पर अनिवार्यतः विचार किया जाना चाहिए?

- A. माप
- B. कारणता
- C. प्रतिकृति
- D. सांख्यिकीय विश्लेषण का अपवर्जन
- E. मानकीकरण को कम महत्व

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

- 1. केवल A, B, और C
- 2. केवल B, C, और D
- 3. केवल C, D, और E
- 4. केवल A, C, और D

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

A4 4
:

4

Objective Question

15 2165

Given below are two statements:

Statement I: Gaining access to a public or social setting is an important issue in ethnographic research.

Statement II: There is no distinction between overt and covert ethnography in terms of access and participation.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

- 1. Both Statement I and Statement II are true.
- 2. Both Statement I and Statement II are false.
- 3. Statement I is true but Statement II is false.
- 4. Statement I is false but Statement II is true.

नीचे दो कथन दिए गए हैं:

कथन I : किसी सार्वजनिक या सामाजिक स्थापना का अभिगम प्राप्त करना नृजातीय शोध में एक महत्त्वपूर्ण विषय है।

कथन II : अभिगम और सहभगिता के संदर्भ में प्रकट और प्रच्छन्न नृजाति वर्णन के मध्य कोई अंतर नहीं है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. दोनों कथन I और कथन II सत्य हैं।
2. दोनों कथन I और कथन II असत्य हैं।
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

16 2166

In Communication, metonyms reflect

1. Reality
2. Artificiality
3. Fantasy
4. Hidden secrets

संप्रेषण में चित्र परावृत्तियों (मेटानिमस) से प्रदर्शित होते/होती हैं:

1. वास्तविकता
2. कृत्रिमता
3. भ्रांति
4. गुप्त रहस्य

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

17 2167

Mass media mostly operate in

1. Personal Sphere
2. Bureaucratic Sphere
3. Public Sphere
4. Ethical Sphere

जनसंचार माध्यम अधिकांशतः संचालित होते हैं

1. वैयक्तिक क्षेत्र में
2. नौकरशाही क्षेत्र में
3. सार्वजनिक क्षेत्र में
4. नैतिक क्षेत्र में

A1 : 1

A2 : 2

A3 : 3

A4 : 4

4

Objective Question

18 2168

The criteria for good public service communication by media are:

- A. Limit on audience action and reaction
- B. Subjective slant
- C. Evenhandedness
- D. Avoidance of rancour
- E. Separating facts from opinion

Choose the most appropriate answer from the questions given below:

1. A, B and C
2. B, C and D
3. C, E and A
4. C, D and E

माडिया द्वारा उत्तम लोक सेवा संप्रेषण के मानदंड हैं:

- A. श्रोताओं की क्रिया और प्रतिक्रिया की सीमा
- B. व्यक्तिनिष्ठ झुकाव
- C. समान व्यवहार
- D. विद्वेष का परिहार
- E. तथ्यों को मत से पृथक करना

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और C
2. केवल B, C और D
3. केवल C, E और A
4. केवल C, D और E

A1 : 1

1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

19 2169

Given below are two statements:

Statement I: A large portion of mediated cultural transmission involves traditions, language, beliefs, attitudes and values from one generation to another.

Statement II: Such a process will contribute for the unconscious cultural development of individuals in the society.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are true
2. Both Statement I and Statement II are false
3. Statement I is true but Statement II is false
4. Statement I is false but Statement II is true

नीचे दो कथन दिए गए हैं:

कथन I : व्यवहित सांस्कृतिक पारंपरण के एक बड़े हिस्से में परंपराएं, भाषा, मान्यताएं अभिवृत्तियां और मूल्य का एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में अन्तरण शामिल होता है।

कथन II : इस तरह की प्रक्रिया का समाज में व्यक्तियों के अचेतन सांस्कृतिक विकास में योगदान होगा।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. दोनों कथन I और कथन II सत्य हैं
2. दोनों कथन I और कथन II असत्य हैं
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

20 2170

Given below are two statements:

Statement I: The circular model of communication does not favour feedback.

Statement II: The linear model of communication demands continuity of communication and enables immediate feedback.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are true
2. Both Statement I and Statement II are false
3. Statement I is true but Statement II is false
4. Statement I is false but Statement II is true

नीचे दो कथन दिए गए हैं:

कथन I : संप्रेषण का चक्रिय प्रतिरूप (मॉडल) प्रतिपुष्टि के पक्ष में नहीं होता है।

कथन II : संप्रेषण के रेखीय मॉडल में संप्रेषण की सातत्यता अपेक्षित होती है और इससे तत्काल प्रतिपुष्टि प्राप्त करने में सुविधा होती है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. दोनों कथन I और कथन II सत्य हैं
2. दोनों कथन I और कथन II असत्य हैं
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

21 2171

Find the next term in the series given below:

2, 6, 12, 20.....

1. 24
2. 28
3. 30
4. 36

नीचे दी गई श्रृंखला में अगला पद ज्ञात कीजिए:

2, 6, 12, 20.....

1. 24
2. 28
3. 30
4. 36

A1
:

1

A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

22 2172

12 Men are assigned a job to be finished in 30 days. After 10 days it is observed that only $\frac{1}{6}$ th of the job is completed. How many extra men are required to be deployed to do the rest of the job so that the job is completed within scheduled time?

1. 20
2. 22
3. 18
4. 16

किसी कार्य को 30 दिन में पूर्ण करने के लिए 12 व्यक्तियों को नियत किया जाता है। 10 दिन पश्चात यह पाया जाता है कि कार्य का केवल $\frac{1}{6}$ भाग ही पूर्ण हुआ है। निर्धारित समय में शेष कार्य को पूर्ण करने के लिए कितने अतिरिक्त व्यक्तियों को नियुक्त करने की आवश्यकता है?

1. 20
2. 22
3. 18
4. 16

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

23 2173

A batsman has a certain average of runs for 16 innings. In the 17th inning he makes a score of 85 runs, thus increasing his average by 3 runs. What is average of the batsman after 17th innings?

1. 35
2. 37
3. 45
4. 40

एक बल्लेबाज का 16 पारियों के रनों का कुछ औसत है। 17वीं पारी में उसने 85 रन बनाए, जिससे उसका औसत 3 रन बढ़ जाता है। 17वीं पारी के बाद बल्लेबाज का औसत कितना है?

1. 35
2. 37
3. 45
4. 40

A1 1
:
1

A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

24 2174 Find a single discount equivalent to a series discount of 20%, 10% and 5%

1. 30 %
2. 31.6%
3. 30.6%
4. 32%

20%, 10% और 5% की क्रमिक छूट के बराबर एकल छूट ज्ञात कीजिए:

1. 30 %
2. 31.6%
3. 30.6%
4. 32%

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

25 2175 A man walks 1km towards east and then turns southwards and walks 5 km. Again he turns to east and walks 2 kms. After this he turns to the north and walks 9 kms. How far is the man from his starting point?

1. 5 km
2. 6 km
3. 6.5 km
4. 7 km

एक व्यक्ति पूर्व की ओर 1 किमी चलता है और फिर दक्षिण की ओर मुड़ता है और 5 किमी चलता है। पुनः वह पूर्व की ओर मुड़ता है और 2 किमी चलत है। इसके पश्चात वह उत्तर की ओर मुड़ता है और 9 किमी चलता है। अपने आरंभिक बिन्दु से व्यक्ति कितनी दूर है?

1. 5 किमी
2. 6 किमी
3. 6.5 किमी
4. 7 किमी

A1 1
:
1
A2 2
:
2

		2
	A3	3
	:	
		3
	A4	4
	:	
		4
Objective Question		
26	2176	Which informal fallacy is committed in the following statements- " Your argument that I should stop stealing chocolates from the corner store is no good. You told me yourself just a month ago that you, too, stole chocolates when you were a kid". 1. Red Herring 2. Strawman 3. Missing the point (Ignoratio Elenchi) 4. Ad hominem निम्नलिखित कथन में कौन-सा अनाकारिक तर्कदोष है-"आपका तर्ककथन कि मुझे कोने पर स्थित दुकान (स्टोर) से चॉकलेट चुराना बंद कर देना चाहिए अच्छा नहीं है। आपने स्वयं मुझे ठीक एक माह पूर्व बताया था कि आपने भी चॉकलेट तब चुराए थे जब आप बच्चे थे।" 1. रेड हेरिंग 2. घास- पुतला तर्कदोष (स्ट्रॉमैन) 3. बिन्दु से भटक जाना (अर्थान्तर सिद्धिदोष) 4. व्यक्ति विशेष के लिए (एड होमिनेम)
	A1	1
	:	
		1
	A2	2
	:	
		2
	A3	3
	:	
		3
	A4	4
	:	
		4
Objective Question		
27	2177	Which of the following statements is contrapositive of "All whales are mammals"? 1. Some whales are mammals. 2. All non-mammals are non-whales. 3. Some mammals are whales. 4. All mammals are whales. निम्नलिखित कौन-सा कथन "सभी व्हेल मछलियाँ स्तनधारी होती है," का प्रतिपरिवर्ती है? 1. कुछ व्हेल मछली स्तनधारी होती हैं। 2. सभी गैर- स्तनधारी, गैर-व्हेल मछली होते हैं। 3. कुछ स्तनाधारी व्हेल मछली होते हैं। 4. सभी स्तनधारी व्हेल मछली होते हैं।
	A1	1
	:	
		1
	A2	2
	:	
		2

		A3 3 : 3 A4 4 : 4
Objective Question		
28	2178	Which of the following is contradictory to the statement- "No birds are mammals"? 1. Some birds are not mammals. 2. Some birds are mammals. 3. All birds are mammals. 4. All mammals are birds. "कोई भी पक्षी स्तनधारी नहीं है" कथन से निम्नलिखित कौन-सा व्याघाती है? 1. कुछ पक्षी स्तनधारी नहीं है। 2. कुछ पक्षी स्तनधारी हैं। 3. सभी पक्षी स्तनधारी हैं। 4. सभी स्तनधारी पक्षी हैं। A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4
Objective Question		
29	2179	If the statement "Some animals are birds" is given as true. Which of the following statements can be immediately inferred to be false? 1. No animals are birds. 2. All animals are birds. 3. Some animals are not birds. 4. All animals cannot fly. यदि कथन "कुछ जानवर पक्षी हैं" सत्य के रूप में दिया गया है। निम्नलिखित में से किस कथन के असत्य होने के बारे में तात्कालिक रूप से अनुमान लगाया जा सकता है? 1. कोई जानवर पक्षी नहीं है। 2. सभी जानवर पक्षी हैं। 3. कुछ जानवर पक्षी नहीं हैं। 4. सभी जानवर उड़ नहीं सकते। A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3

		3
	A4	4
	:	4
		4
Objective Question		
30	2180	Given below are two statements: Statement I: According to Classical Indian School of logic (Nyaya) the middle term must be present in the minor term. Statement II: According to Nyaya School the middle term must be absent in all negative instances in which the major term is absent. In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below: - Both Statement I and Statement II are correct. - Both Statement I and Statement II are incorrect. - Statement I is correct but Statement II is incorrect. - Statement I is incorrect but Statement II is correct. नीचे दो कथन दिए गए हैं: कथन I : तर्क (न्याय) के भारतीय शास्त्रीय मत के अनुसार मध्य पद, लघु पद में अनिवार्यतः रहना चाहिए। कथन II : न्याय मत के अनुसार मध्य पद उन सभी नकारात्मक उदाहरणों में अवश्य अनुपस्थित होना चाहिए जिनमें मुख्य पद अनुपस्थित होता है। उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए: - दोनों कथन I और कथन II सही हैं। - दोनों कथन I और कथन II गलत हैं। - कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है। - कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है। A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4
Objective Question		
31	2181	In 1965, Gordon Moore, Co-founder of Intel, made a prediction about the future of computer processing. What does his prediction, known as Moore's Law, say? - As technology continues to advance, computer chips will become obsolete. - Computer processing power will double every 18 months to two year. - There will eventually be no need for transistors in high tech electronics. - As the number of transistors increases, computer processing power will be reduced by half every two years.

इंटेल् के सह-संस्थापक गोर्डन मूर ने वर्ष 1965 में कंप्यूटर प्रसंस्करण के भविष्य के बारे में भविष्यवाणी की थी। उनके द्वारा की गई भविष्यवाणी, जो मूर नियम के नाम से विख्यात है, में क्या कहा गया है?

1. जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी उन्नत होगी कंप्यूटर के चिप प्रचलन से बाहर हो जायेंगे।
2. प्रत्येक 18 माह से दो वर्ष में कंप्यूटर प्रसंस्करण शक्ति दोगुनी हो जाएगी।
3. अंततः उच्च प्रौद्योगिकी इलेक्ट्रॉनिक्स में ट्रांजिस्टर्स की कोई आवश्यकता नहीं होगी।
4. ट्रांजिस्टर की संख्या बढ़ने की दशा में प्रत्येक दो वर्ष में कंप्यूटर प्रसंस्करण शक्ति घटकर आधी हो जाएगी।

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

32 2182

The action of illegally installing malicious code which redirects a person to a fraudulent website with the purpose of obtaining that person's bank details is called

1. Phishing
2. Pharming
3. Spamming
4. Smishing

किसी व्यक्ति के बैंककारी व्यौरे प्राप्त करने के प्रयोजनार्थ उस व्यक्ति को धोखाघड़ी वाली वेबसाइट पर पुनः निर्देशित करने के लिए अवैध रूप से दुर्भावपूर्ण कोड संस्थापित करने की क्रिया कहलाती है:

1. फिशिंग
2. फार्मिंग
3. स्पैमिंग
4. स्मिशिंग

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

33 2183

Both Wi-Fi and Bluetooth offer wireless communication between devices. Bluetooth is useful when

- A. Transferring data between two or more devices which are less than 30 meters apart.
- B. The speed of data transmission is not critical.
- C. Using high bandwidth applications (for example, sending music files from a mobile phone to a headset).

Choose the most appropriate answer from the questions given below

- 1. A and B only
- 2. A and C only
- 3. B and C only
- 4. A, B and C

वाई-फाई (Wi-Fi) और ब्लूटूथ दोनों के माध्यम से विभिन्न उपकरणों के मध्य बेतार का संचार होता है। ब्लूटूथ उस दशा में उपयोगी होता है जब

- A. 30 मीटर से कम दूरी पर रखे गए दो या दो से अधिक उपकरणों के मध्य डाटा अंतरित किया जाना हो
- B. डाटा संरचना की गति महत्वपूर्ण नहीं होती है
- C. उच्च बैंड विड्थ प्रयोग (यथा- किसी मोबाइल फोन से हैड सेट में म्यूजिक फाइल भेजना) का उपयोग करना हो

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

- 1. केवल A और B
- 2. केवल A और C
- 3. केवल B और C
- 4. A, B और C

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

34 2184

Match List I with List II

LIST I (Question)		LIST II (Value)	
A.	If the broadband data download rate is 40 megabits per second, then how many seconds will it takes to download a 60 megabytes file?	I.	64000
B.	Base -10 (denary) value of the binary number: 1000001	II.	12
C.	Number of 8 megabyte files that can be stored on a backup memory device having 500 gigabyte of storage.	III.	17
D.	What hexadecimal value is obtained when the two hexadecimal digits B and C are added together?	IV.	65

Choose the correct answer from the options given below:

- 1. A-III, B-IV, C-I, D-II
- 2. A-II, B-IV, C-I, D-III
- 3. A-IV, B-III, C-II, D-I
- 4. A-II, B-I, C-IV, D-III

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I (प्रश्न)		सूची II (मान)
A.	यदि ब्रॉड बैंड डाटा डाउनलोड की दर 40 मेगाबिट प्रति सेकेंड है तो 60 मेगाबाइट की फाइल डाउनलोड करने में कितना सेकेंड लगेगा	I. 64000
B.	द्विआधारी संख्या 1000001 का बेस 10- (दशाधारी) मान	II. 12
C.	500 गीगाबाइट संग्रह वाले उपकरण की बैकअप मेमोरी में संग्रहित की जाने के 8 मेगाबाइट वाले फाइलों की संख्या	III. 17
D.	दो षोडष आधारी अंक- B और C को एक साथ जोड़ने पर कौन सा षोडष आधारी मान प्राप्त होता है।	IV. 65

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-III, B-IV, C-I, D-II

2. A-II, B-IV, C-I, D-III

3. A-IV, B-III, C-II, D-I

4. A-II, B-I, C-IV, D-III

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

35 2185

Given below are two statements:

Statement I: .mp4 and .gif are two file extensions used with files containing moving images.

Statement II: .rar and .zip are two file extensions used with files containing compressed data.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

- Both Statement I and Statement II are true.
- Both Statement I and Statement II are false.
- Statement I is true but Statement II is false.
- Statement I is true but Statement II is false.

नीचे दो कथन दिए गए हैं:

कथन I : .mp4 और .gif चलायमान चित्र वाली फाइलों के साथ प्रयुक्त होने वाली दो फाइल विस्तार हैं।

कथन II : .rar और .zip संपीड़ित डाटा वाली फाइलों के साथ प्रयुक्त होने वाली दो फाइल विस्तार हैं।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

- दोनों कथन I और कथन II सत्य हैं।
- दोनों कथन I और कथन II असत्य हैं।
- कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
- कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

A1
:

1

A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

36 2186 Which of the following activities has contributed maximum to global warming?

1. Industrial processes
2. Deforestation
3. Agriculture
4. Fossil fuel combustion

वैश्विक तापन में निम्नांकित में से किसका सर्वाधिक योगदान है?

1. औद्योगिक प्रक्रम
2. निर्वनीकरण
3. कृषि कार्य
4. जीवश्म ईंधन का दहन

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

37 2187 A 30 dB increase in noise pollution level represents:

1. 30 -fold increase in sound intensity
2. 100- fold increase in sound intensity
3. 1000- fold increase in sound intensity
4. 15- fold increase in sound intensity

ध्वनि प्रदूषण के स्तर में 30 डेसिबल की वृद्धि निम्नांकित में से किसका द्योतक है:

1. ध्वनि की तीव्रता में 30 गुणा वृद्धि
2. ध्वनि की तीव्रता में 100 गुणा वृद्धि
3. ध्वनि की तीव्रता में 1000 गुणा वृद्धि
4. ध्वनि की तीव्रता में 15 गुणा वृद्धि

A1 1
:
1
A2 2
:
2

A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

38 2188

Turbidity, one of the important water quality parameters, is measured in

1. Color units
2. pH units
3. NTU
4. Microgram/m³

जल के महत्त्वपूर्ण गुणवत्ता प्राचलों में से एक, अविलता, का मापन किया जाता है:

1. कलर यूनिट में
2. पी एच यूनिट में
3. एन टी यू में
4. माइक्रोग्राम/ मीटर³ में

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

A4 4
:

4

Objective Question

39 2189

In case of nuclear energy, the objective of enrichment process is

1. Separation of Uranium from its ores
2. Increasing the concentration of fissile ²³⁵U
3. Increasing the concentration of ²³⁸U
4. Enhancing the quantity of moderator

नाभिकीय ऊर्जा के मामले में संवर्धन प्रक्रम का उद्देश्य है:

1. यूरेनियम का उसके अयस्क से पृथक्करण
2. विखण्डक ²³⁵U का सांद्रण बढ़ाना
3. ²³⁸U का सांद्रण बढ़ाना
4. मंदक की मात्रा बढ़ाना

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

		3
	A4	4
	:	4
		4
Objective Question		
40	2190	International Solar Alliance (ISA) was launched in the year
		1. 2015 2. 2016 3. 2017 4. 2018
		अन्तरराष्ट्रीय सौर संधि (आई एस ए) का शुभारंभ किस वर्ष हुआ:
		1. 2015 2. 2016 3. 2017 4. 2018
	A1	1
	:	1
	A2	2
	:	2
	A3	3
	:	3
	A4	4
	:	4
Objective Question		
41	2191	National Council for Vocational Education and Training (NCVET) is under:
		1. Ministry of Education 2. University Grants Commission (UGC) 3. Ministry of Skill Development and Entrepreneurship 4. All India Council for Technical Education
		राष्ट्रीय व्यवसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (एन सी वी ई टी) निम्नांकित में से किसके अधीन है:
		1. शिक्षा मंत्रालय 2. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू जी सी) 3. कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय 4. अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद
	A1	1
	:	1
	A2	2
	:	2
	A3	3
	:	3
	A4	4
	:	4

4

Objective Question

42 2192 A section of the Muslim Community opened a number of Azad schools in Uttar Pradesh and led by Maulana Mohammad Ali in 1920 established the Jamia Milia Islamia or Muslim National University in which of the following Indian Cities?

1. Delhi
2. Hyderabad
3. Lucknow
4. Aligarh

उत्तरप्रदेश में मुस्लिम समुदाय के एक वर्ग ने बहुत से आजाद स्कूल खोले और मौलाना मोहम्मद अली के नेतृत्व में वर्ष 1920 में जामिया मिलिया इस्लामिया या मुस्लिम राष्ट्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना भारत के किस शहर में हुई थी?

1. दिल्ली
2. हैदराबाद
3. लखनऊ
4. अलीगढ़

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

43 2193 Which of the following were considered as Vedangas in the ancient education system of India?

- A. Metrics
- B. Grammar
- C. Phonetics
- D. Ritual
- E. Astrology

Choose the most appropriate answer from the questions given below:

1. A, B and C only
2. A, B, C and E only
3. B and C only
4. A, B, C, D and E

भारत की प्राचीन शिक्षा प्रणाली में निम्नांकित में से किन्हें वेदांग माना जाता था?

- A. छंद शास्त्र (मेट्रिक्स)
- B. व्याकरण (ग्रामर)
- C. शिक्षा (फोनेटिक्स)
- D. कल्प (रिचुअल)
- E. ज्योतिष (एस्ट्रोलोजी)

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

- 1. केवल A, B और C
- 2. केवल A, B, C और E
- 3. केवल B और C
- 4. A, B, C, D और E

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

Objective Question

44 2194

National Skill Qualification Framework (NSQF) is a competency based framework related to

- 1. Knowledge, Skills and Attitude
- 2. Understanding, Application and Analysis
- 3. Knowledge, Skills and Aptitude
- 4. Understanding, Analysis and Synthesis

राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क (एन एस क्यू एफ) अभिक्षमता आधारित फ्रेमवर्क है, यह निम्नांकित में से किससे संबंधित है?

- 1. ज्ञान, कौशल और अभिवृत्ति
- 2. समझ, अनुप्रयोग और विश्लेषण
- 3. ज्ञान, कौशल और अभिरुचि
- 4. समझ, विश्लेषण और संश्लेषण

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

Objective Question

45 2195

According to NEP 2020, match the functions of independence verticals of HECI

Match List I with List II

LIST I (Verticals of HECI)	LIST II (Functions)
A. NHERC	I. Accreditation of institution
B. NAC	II. Academic standard setting
C. HEGC	III. Regulator for higher education
D. GEC	IV. Funding and financing of higher education

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-III, B-II, C-IV, D-I

2. A-III, B-IV, C-II, D-I

3. A-III, B-I, C-II, D-IV

4. A-III, B-I, C-IV, D-II

नई शिक्षा नीति, 2020 के अनुसार एच ई सी आई के स्वतंत्र अंगको के कार्यकरण को समेकित कीजिए

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I (एच ई सी आई के अंगक)	सूची II (कार्यकरण)
A. एन. एच. ई. आर. सी.	I. संस्थाओं का प्रत्यापन
B. एन. ए. सी.	II. अकादमिक स्तर निर्धारण
C. एच. ई. जी. सी.	III. उच्च शिक्षा का विनियामक
D. जी. ई. सी.	IV. उच्च शिक्षा का निधियन और वित्त पोषण

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-III, B-II, C-IV, D-I

2. A-III, B-IV, C-II, D-I

3. A-III, B-I, C-II, D-IV

4. A-III, B-I, C-IV, D-II

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

Objective Question

46 2196

Read the passage and answer the question given below:

Alternatives are not lacking in the world. What is indeed missing is an alternative thinking of alternatives, whenever it is said that there are very interesting things happening in Asia, Africa and Latin America, the Western answer is that developed countries do not have same problems. As such, the West does not need their kinds of solutions. There are two inferences from this: First, the understanding of the world is much broader than the western understanding of the world. This means that the progressive transformation of the world may also occur in ways not foreseen by western thinking. It includes critical western thinking. Second, the diversity of the world is infinite. It is a diversity that encompasses very distinct modes of being, thinking and feeling: ways of conceiving of time and the relations among human beings and between humans and non-humans, ways of facing the past and the future and of collectively organizing life, the production of goods and services, as well as leisure. This immensity of alternatives of life, comforts and interaction with the world is largely wasted because the theories and concepts developed in the global North and employed in the entire academic world do not identify such alternatives. When they do, they do not valorize them as being valid contributions towards constructing a better society. The knowledge of the south is dubbed as outmoded and considered as no knowledge at all.

What is the western reaction to the things happening in Asia, Africa and Latin America?

1. The West is yet to reach their stage.
2. The West has the same issues as theirs.
3. The West does not have the same problems.
4. The West has plenty of alternatives.

निम्नांकित गद्यांश को पढ़िए और प्रश्न का उत्तर दें:

विश्व में विकल्पों की कमी नहीं है। वस्तुतः कमी इस बात की है विकल्पों के बारे में वैकल्पिक चिंतन नहीं उपलब्ध है। जब कभी भी ऐसा कहा जाता है कि एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में बहुत रोचक घटनाएं घटित हो रही हैं, पश्चिमी देशों का प्रत्युत्तर है कि विकसित देशों में इस तरह की समस्या नहीं है। इस प्रकार, पश्चिमी देशों को इस प्रकार के समाधानों की आवश्यकता नहीं है। इससे दो निष्कर्ष निकलते हैं: प्रथमतः विश्व की समझ पश्चिमी देशों की विश्व के बारे में समझ की तुलना में बहुत अधिक व्यापक है। इसका अभिप्राय यह है कि विश्व का उत्तरोत्तर रुपांतर उन तरीकों से भी हो सकता है जिसके संबंध में पश्चिमी देशों के चिंतन में पूर्वानुमान नहीं किया गया है। इसमें पश्चिमी देशों का आलोचनात्मक चिंतन सम्मिलित है। द्वितीयतः विश्व की विविधता अपरिमित है। यह ऐसी विविधता है जिसमें अति विशिष्ट प्रकार के अस्तित्व, चिन्तन और अनुभव, काल की संकल्पना निर्माण और मानव के मध्य संबंध और मानव एवं मानव के अतिरिक्त अन्य जीवों के बीच संबंध की विधियां, भूत और भविष्य का सामना करने और सामूहिक रूप से जीवन को संगठित करने, माल उत्पादन और सेवाओं के साथ-साथ अवकाश की विधियां समाहित हैं। जीवन, सुख और विश्व के साथ अन्तः क्रिया के विकल्पों की व्यापकता अधिकार व्यर्थ हो जाती है क्योंकि विश्व के उत्तरी देशों में विकसित सिद्धांत और अवधारणाओं ने जो समग्र शैक्षिक जगत में भी प्रयुक्त होती हैं, इस तरह के विकल्पों को नहीं पहचाना है। जब वे ऐसा करती हैं तो वे बेहतर समाज के निर्माण की दिशा में वैध योगदान के रूप में इनका मूल्य-वर्धन नहीं करती हैं। दक्षिण के ज्ञान को अनद्यतन (पुराना) होने की संज्ञा दी जाती है और इसे तनिक भी ज्ञान नहीं माना जाता है।

एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में घटित होने वाली चीजों के बारे में पश्चिमी देशों की क्या प्रतिक्रिया है?

1. पश्चिमी देशों ने अब तक उनके स्तर को नहीं प्राप्त किया है।
2. पश्चिमी देश उन्हीं समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जैसा कि वे।
3. पश्चिमी देशों में समान समस्याएं नहीं हैं।
4. पश्चिमी देशों के पास पर्याप्त विकल्प उपलब्ध हैं।

A1

:

1

A2

:

2

A3

:

3

A4

:

4

Objective Question

47 2197

Read the passage and answer the question given below:

Alternatives are not lacking in the world. What is indeed missing is an alternative thinking of alternatives, whenever it is said that there are very interesting things happening in Asia, Africa and Latin America, the Western answer is that developed countries do not have same problems. As such, the West does not need their kinds of solutions. There are two inferences from this: First, the understanding of the world is much broader than the western understanding of the world. This means that the progressive transformation of the world may also occur in ways not foreseen by western thinking. It includes critical western thinking. Second, the diversity of the world is infinite. It is a diversity that encompasses very distinct modes of being, thinking and feeling: ways of conceiving of time and the relations among human beings and between humans and non-humans, ways of facing the past and the future and of collectively organizing life, the production of goods and services, as well as leisure. This immensity of alternatives of life, comforts and interaction with the world is largely wasted because the theories and concepts developed in the global North and employed in the entire academic world do not identify such alternatives. When they do, they do not valorize them as being valid contributions towards constructing a better society. The knowledge of the south is dubbed as outmoded and considered as no knowledge at all.

The West should know that

1. Developing nations need western solutions.
2. The world is more than what the West understands.
3. The West should not share knowledge with others.
4. It is always advisable to keep the world divided.

निम्नांकित गद्यांश को पढ़िए और प्रश्न का उत्तर दें:

विश्व में विकल्पों की कमी नहीं है। वस्तुतः कमी इस बात की है विकल्पों के बारे में वैकल्पिक चिंतन नहीं उपलब्ध है। जब कभी भी ऐसा कहा जाता है कि एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में बहुत रोचक घटनाएं घटित हो रही हैं, पश्चिमी देशों का प्रत्युत्तर है कि विकसित देशों में इस तरह की समस्या नहीं है। इस प्रकार, पश्चिमी देशों को इस प्रकार के समाधानों की आवश्यकता नहीं है। इससे दो निष्कर्ष निकलते हैं: प्रथमतः विश्व की समझ पश्चिमी देशों की विश्व के बारे में समझ की तुलना में बहुत अधिक व्यापक है। इसका अभिप्राय यह है कि विश्व का उत्तरोत्तर रुपांतर उन तरीकों से भी हो सकता है जिसके संबंध में पश्चिमी देशों के चिंतन में पूर्वानुमान नहीं किया गया है। इसमें पश्चिमी देशों का आलोचनात्मक चिंतन सम्मिलित है। द्वितीयतः विश्व की विविधता अपरिमित है। यह ऐसी विविधता है जिसमें अति विशिष्ट प्रकार के अस्तित्व, चिन्तन और अनुभव, काल की संकल्पना निर्माण और मानव के मध्य संबंध और मानव एवं मानव के अतिरिक्त अन्य जीवों के बीच संबंध की विधियां, भूत और भविष्य का सामना करने और सामूहिक रूप से जीवन को संगठित करने, माल उत्पादन और सेवाओं के साथ-साथ अवकाश की विधियां समाहित हैं। जीवन, सुख और विश्व के साथ अन्तः क्रिया के विकल्पों की व्यापकता अधिकार व्यर्थ हो जाती है क्योंकि विश्व के उत्तरी देशों में विकसित सिद्धांत और अवधारणाओं ने जो समग्र शैक्षिक जगत में भी प्रयुक्त होती हैं, इस तरह के विकल्पों को नहीं पहचाना है। जब वे ऐसा करती हैं तो वे बेहतर समाज के निर्माण की दिशा में वैध योगदान के रूप में इनका मूल्य-वर्धन नहीं करती हैं। दक्षिण के ज्ञान को अनद्यतन (पुराना) होने की संज्ञा दी जाती है और इसे तनिक भी ज्ञान नहीं माना जाता है।

पश्चिमी देशों को ज्ञात होना चाहिए कि

1. विकासशील राष्ट्रों को पश्चिमी देशों द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले समाधानों की आवश्यकता है।
2. विश्व पश्चिमी देशों की समझ से कहीं अधिक है।
3. पश्चिमी देशों को अन्य देशों के साथ ज्ञान साझा नहीं करना चाहिए।
4. विश्व को विभक्त रखना सदैव श्रेयस्कर है।

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

A4 4
:

4

Objective Question

48 2198

Read the passage and answer the question given below:

Alternatives are not lacking in the world. What is indeed missing is an alternative thinking of alternatives, whenever it is said that there are very interesting things happening in Asia, Africa and Latin America, the Western answer is that developed countries do not have same problems. As such, the West does not need their kinds of solutions. There are two inferences from this: First, the understanding of the world is much broader than the western understanding of the world. This means that the progressive transformation of the world may also occur in ways not foreseen by western thinking. It includes critical western thinking. Second, the diversity of the world is infinite. It is a diversity that encompasses very distinct modes of being, thinking and feeling: ways of conceiving of time and the relations among human beings and between humans and non-humans, ways of facing the past and the future and of collectively organizing life, the production of goods and services, as well as leisure. This immensity of alternatives of life, comforts and interaction with the world is largely wasted because the theories and concepts developed in the global North and employed in the entire academic world do not identify such alternatives. When they do, they do not valorize them as being valid contributions towards constructing a better society. The knowledge of the south is dubbed as outmoded and considered as no knowledge at all.

The diversity of the world is reflected in:

- A. Production of goods and leisure
- B. Collective organisation of life
- C. Conceiving time
- D. Relations among human beings

Choose the most appropriate answer from the questions given below:

- 1. A and B only
- 2. A, B and C only
- 3. A and C only
- 4. A, B, C and D

निम्नांकित गद्यांश को पढ़िए और प्रश्न का उत्तर दें:

विश्व में विकल्पों की कमी नहीं है। वस्तुतः कमी इस बात की है विकल्पों के बारे में वैकल्पिक चिंतन नहीं उपलब्ध है। जब कभी भी ऐसा कहा जाता है कि एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में बहुत रोचक घटनाएं घटित हो रही हैं, पश्चिमी देशों का प्रत्युत्तर है कि विकसित देशों में इस तरह की समस्या नहीं है। इस प्रकार, पश्चिमी देशों को इस प्रकार के समाधानों की आवश्यकता नहीं है। इससे दो निष्कर्ष निकलते हैं: प्रथमतः विश्व की समझ पश्चिमी देशों की विश्व के बारे में समझ की तुलना में बहुत अधिक व्यापक है। इसका अभिप्राय यह है कि विश्व का उत्तरोत्तर रुपांतर उन तरीकों से भी हो सकता है जिसके संबंध में पश्चिमी देशों के चिंतन में पूर्वानुमान नहीं किया गया है। इसमें पश्चिमी देशों का आलोचनात्मक चिंतन सम्मिलित है। द्वितीयतः विश्व की विविधता अपरिमित है। यह ऐसी विविधता है जिसमें अति विशिष्ट प्रकार के अस्तित्व, चिंतन और अनुभव, काल की संकल्पना निर्माण और मानव के मध्य संबंध और मानव एवं मानव के अतिरिक्त अन्य जीवों के बीच संबंध की विधियां, भूत और भविष्य का सामना करने और सामूहिक रूप से जीवन को संगठित करने, माल उत्पादन और सेवाओं के साथ-साथ अवकाश की विधियां समाहित हैं। जीवन, सुख और विश्व के साथ अन्तः क्रिया के विकल्पों की व्यापकता अधिकार व्यर्थ हो जाती है क्योंकि विश्व के उत्तरी देशों में विकसित सिद्धांत और अवधारणाओं ने जो समग्र शैक्षिक जगत में भी प्रयुक्त होती हैं, इस तरह के विकल्पों को नहीं पहचाना है। जब वे ऐसा करती हैं तो वे बेहतर समाज के निर्माण की दिशा में वैध योगदान के रूप में इनका मूल्य-वर्धन नहीं करती हैं। दक्षिण के ज्ञान को अनद्यतन (पुराना) होने की संज्ञा दी जाती है और इसे तनिक भी ज्ञान नहीं माना जाता है।

वैश्विक विविधता इनमें परिलक्षित होती है:

- A. माल उत्पादन और अवकाश
- B. जीवन का सामूहिक व्यवस्थापन
- C. काल का संकल्पना निर्माण
- D. मानव के मध्य संबंध

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

- 1. केवल A और B
- 2. केवल A, B और C
- 3. केवल A और C
- 4. A, B, C और D

A1 1
:
1

A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

49 2199

Read the passage and answer the question given below:

Alternatives are not lacking in the world. What is indeed missing is an alternative thinking of alternatives, whenever it is said that there are very interesting things happening in Asia, Africa and Latin America, the Western answer is that developed countries do not have same problems. As such, the West does not need their kinds of solutions. There are two inferences from this: First, the understanding of the world is much broader than the western understanding of the world. This means that the progressive transformation of the world may also occur in ways not foreseen by western thinking. It includes critical western thinking. Second, the diversity of the world is infinite. It is a diversity that encompasses very distinct modes of being, thinking and feeling: ways of conceiving of time and the relations among human beings and between humans and non-humans, ways of facing the past and the future and of collectively organizing life, the production of goods and services, as well as leisure. This immensity of alternatives of life, comforts and interaction with the world is largely wasted because the theories and concepts developed in the global North and employed in the entire academic world do not identify such alternatives. When they do, they do not valorize them as being valid contributions towards constructing a better society. The knowledge of the south is dubbed as outmoded and considered as no knowledge at all.

The Western theories and concepts

1. reject the alternative knowledge.
2. valorize the knowledge of the South.
3. support the creation of single knowledge world.
4. identify the immensity of alternative ways of life and interaction.

निम्नांकित गद्यांश को पढ़िए और प्रश्न का उत्तर दें:

विश्व में विकल्पों की कमी नहीं है। वस्तुतः कमी इस बात की है विकल्पों के बारे में वैकल्पिक चिंतन नहीं उपलब्ध है। जब कभी भी ऐसा कहा जाता है कि एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में बहुत रोचक घटनाएं घटित हो रही हैं, पश्चिमी देशों का प्रत्युत्तर है कि विकसित देशों में इस तरह की समस्या नहीं है। इस प्रकार, पश्चिमी देशों को इस प्रकार के समाधानों की आवश्यकता नहीं है। इससे दो निष्कर्ष निकलते हैं: प्रथमतः विश्व की समझ पश्चिमी देशों की विश्व के बारे में समझ की तुलना में बहुत अधिक व्यापक है। इसका अभिप्राय यह है कि विश्व का उत्तरोत्तर रुपांतर उन तरीकों से भी हो सकता है जिसके संबंध में पश्चिमी देशों के चिंतन में पूर्वानुमान नहीं किया गया है। इसमें पश्चिमी देशों का आलोचनात्मक चिंतन सम्मिलित है। द्वितीयतः विश्व की विविधता अपरिमित है। यह ऐसी विविधता है जिसमें अति विशिष्ट प्रकार के अस्तित्व, चिन्तन और अनुभव, काल की संकल्पना निर्माण और मानव के मध्य संबंध और मानव एवं मानव के अतिरिक्त अन्य जीवों के बीच संबंध की विधियां, भूत और भविष्य का सामना करने और सामूहिक रूप से जीवन को संगठित करने, माल उत्पादन और सेवाओं के साथ-साथ अवकाश की विधियां समाहित हैं। जीवन, सुख और विश्व के साथ अन्तः क्रिया के विकल्पों की व्यापकता अधिकार व्यर्थ हो जाती है क्योंकि विश्व के उत्तरी देशों में विकसित सिद्धांत और अवधारणाओं ने जो समग्र शैक्षिक जगत में भी प्रयुक्त होती हैं, इस तरह के विकल्पों को नहीं पहचाना है। जब वे ऐसा करती हैं तो वे बेहतर समाज के निर्माण की दिशा में वैध योगदान के रूप में इनका मूल्य-वर्धन नहीं करती हैं। दक्षिण के ज्ञान को अनद्यतन (पुराना) होने की संज्ञा दी जाती है और इसे तनिक भी ज्ञान नहीं माना जाता है।

पश्चिमी देशों के सिद्धांत और उनकी संकल्पनाओं ने

1. वैकल्पिक ज्ञान को अस्वीकृत कर दिया है।
2. दक्षिण के ज्ञान का मूल्यवर्धन किया है।
3. एकल ज्ञान आधारित विश्व के सृजन का समर्थन किया है।
4. जीवन और अन्तः क्रिया की वैकल्पिक विधियों की व्यापकता को पहचाना है।

A1 1
:
1
A2 2
:
2

A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

50 2200

Read the passage and answer the question given below:

Alternatives are not lacking in the world. What is indeed missing is an alternative thinking of alternatives, whenever it is said that there are very interesting things happening in Asia, Africa and Latin America, the Western answer is that developed countries do not have same problems. As such, the West does not need their kinds of solutions. There are two inferences from this: First, the understanding of the world is much broader than the western understanding of the world. This means that the progressive transformation of the world may also occur in ways not foreseen by western thinking. It includes critical western thinking. Second, the diversity of the world is infinite. It is a diversity that encompasses very distinct modes of being, thinking and feeling: ways of conceiving of time and the relations among human beings and between humans and non-humans, ways of facing the past and the future and of collectively organizing life, the production of goods and services, as well as leisure. This immensity of alternatives of life, comforts and interaction with the world is largely wasted because the theories and concepts developed in the global North and employed in the entire academic world do not identify such alternatives. When they do, they do not valorize them as being valid contributions towards constructing a better society. The knowledge of the south is dubbed as outmoded and considered as no knowledge at all.

The author of the passage

1. is critical of alternative thinking.
2. favors the recognition of alternative thinking and solution.
3. emphasizes the adoption of Western concepts.
4. suggests uniformity of problems and solutions.

निम्नांकित गद्यांश को पढ़िए और प्रश्न का उत्तर दें:

विश्व में विकल्पों की कमी नहीं है। वस्तुतः कमी इस बात की है विकल्पों के बारे में वैकल्पिक चिंतन नहीं उपलब्ध है। जब कभी भी ऐसा कहा जाता है कि एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में बहुत रोचक घटनाएं घटित हो रही हैं, पश्चिमी देशों का प्रत्युत्तर है कि विकसित देशों में इस तरह की समस्या नहीं है। इस प्रकार, पश्चिमी देशों को इस प्रकार के समाधानों की आवश्यकता नहीं है। इससे दो निष्कर्ष निकलते हैं: प्रथमतः विश्व की समझ पश्चिमी देशों की विश्व के बारे में समझ की तुलना में बहुत अधिक व्यापक है। इसका अभिप्राय यह है कि विश्व का उत्तरोत्तर रुपांतर उन तरीकों से भी हो सकता है जिसके संबंध में पश्चिमी देशों के चिंतन में पूर्वानुमान नहीं किया गया है। इसमें पश्चिमी देशों का आलोचनात्मक चिंतन सम्मिलित है। द्वितीयतः विश्व की विविधता अपरिमित है। यह ऐसी विविधता है जिसमें अति विशिष्ट प्रकार के अस्तित्व, चिन्तन और अनुभव, काल की संकल्पना निर्माण और मानव के मध्य संबंध और मानव एवं मानव के अतिरिक्त अन्य जीवों के बीच संबंध की विधियां, भूत और भविष्य का सामना करने और सामूहिक रूप से जीवन को संगठित करने, माल उत्पादन और सेवाओं के साथ-साथ अवकाश की विधियां समाहित हैं। जीवन, सुख और विश्व के साथ अन्तः क्रिया के विकल्पों की व्यापकता अधिकार व्यर्थ हो जाती है क्योंकि विश्व के उत्तरी देशों में विकसित सिद्धांत और अवधारणाओं ने जो समग्र शैक्षिक जगत में भी प्रयुक्त होती हैं, इस तरह के विकल्पों को नहीं पहचाना है। जब वे ऐसा करती हैं तो वे बेहतर समाज के निर्माण की दिशा में वैध योगदान के रूप में इनका मूल्य-वर्धन नहीं करती हैं। दक्षिण के ज्ञान को अनद्यतन (पुराना) होने की संज्ञा दी जाती है और इसे तनिक भी ज्ञान नहीं माना जाता है।

गद्यांश का लेखक

1. वैकल्पिक चिंतन की आलोचना करता है।
2. वैकल्पिक चिंतन और समाधान को मान्यता देने के पक्ष में है।
3. पश्चिमी संकल्पनाओं को अंगीकार करने पर बल देता है।
4. समस्याओं और उनके समाधान की एकरूपता की ओर संकेत करता है।

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3

		A4 4 : 4
Objective Question		
51	24001	ਪਤੰਜਲੀ ਦੇ ਸਫ਼ੋਟ ਸਿਧਾਂਤ ਦਾ ਸੰਬੰਧ ਹੈ : 1. ਵਿਅਕਤੀਗਤ ਉਚਾਰ ਨਾਲ 2. ਸ਼ਬਦ ਦੇ ਸਥਾਈ ਪੱਖ ਨਾਲ 3. ਸ਼ਬਦ ਦੇ ਅਭਿਧਾ ਪੱਖ ਨਾਲ 4. ਸ਼ਬਦ ਦੇ ਲਕਸ਼ਣਾ ਪੱਖ ਨਾਲ ਪਤੰਜਲੀ ਦੇ ਸਫ਼ੋਟ ਸਿਧਾਂਤ ਦਾ ਸੰਬੰਧ ਹੈ : 1. ਵਿਅਕਤੀਗਤ ਉਚਾਰ ਨਾਲ 2. ਸ਼ਬਦ ਦੇ ਸਥਾਈ ਪੱਖ ਨਾਲ 3. ਸ਼ਬਦ ਦੇ ਅਭਿਧਾ ਪੱਖ ਨਾਲ 4. ਸ਼ਬਦ ਦੇ ਲਕਸ਼ਣਾ ਪੱਖ ਨਾਲ A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4
Objective Question		
52	24002	ਭਾਰਤੀ ਕਾਵਿ-ਸ਼ਾਸਤਰ ਕੇਂਦਰਿਤ ਹੈ : 1. ਵਿਸ਼ਵ ਸਾਹਿਤ ਸੰਕਲਪਾਂ-ਸਿਧਾਂਤਾਂ ਨਾਲ ਸੰਵਾਦ ਉੱਪਰ 2. ਕਾਵਿ ਦੀ ਆਤਮਾ ਅਤੇ ਸਿਧਾਂਤ-ਸ਼ਾਸਤਰ ਉੱਪਰ 3. ਸਾਹਿਤ-ਪਰਿਵਰਤਨ ਦੀ ਸੂਤਰੀ-ਪਛਾਣ ਉੱਪਰ 4. ਸਾਹਿਤ ਦੇ ਆਤਮ-ਅਨਾਤਮ ਪੱਖਾਂ ਦੀ ਸਿਧਾਂਤਿਕ ਉਸਾਰੀ ਉੱਪਰ ਭਾਰਤੀ ਕਾਵਿ-ਸ਼ਾਸਤਰ ਕੇਂਦਰਿਤ ਹੈ : 1. ਵਿਸ਼ਵ ਸਾਹਿਤ ਸੰਕਲਪਾਂ-ਸਿਧਾਂਤਾਂ ਨਾਲ ਸੰਵਾਦ ਉੱਪਰ 2. ਕਾਵਿ ਦੀ ਆਤਮਾ ਅਤੇ ਸਿਧਾਂਤ-ਸ਼ਾਸਤਰ ਉੱਪਰ 3. ਸਾਹਿਤ-ਪਰਿਵਰਤਨ ਦੀ ਸੂਤਰੀ-ਪਛਾਣ ਉੱਪਰ 4. ਸਾਹਿਤ ਦੇ ਆਤਮ-ਅਨਾਤਮ ਪੱਖਾਂ ਦੀ ਸਿਧਾਂਤਿਕ ਉਸਾਰੀ ਉੱਪਰ A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3

		A4 : 4
Objective Question		
53	24003	ਸਵੈ-ਜੀਵਨੀ ਕੇਂਦਰਿਤ ਹੈ : 1. ਸਵੈ-ਮਹਿਮਾ, ਕਾਲਪਨਿਕਤਾ ਅਤੇ ਯਥਾਰਥ ਤੋਂ ਨਿਰਲੇਪਤਾ 2. ਜੀਵਨ-ਵਰਨਣ, ਬਿਰਤਾਂਤਕ-ਜੁਗਤਾਂ ਅਤੇ ਸਵੈ-ਮਹਿਮਾ 3. ਸਵੈ-ਬਿਆਨ, ਵਰਨਣ-ਬਿਰਤਾਂਤ ਅਤੇ ਤੱਥ-ਮੂਲਿਕਤਾ 4. ਘਟਨਾਵੀ-ਬਿਰਤਾਂਤ, ਸਵੈ-ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾਮਈ-ਜੁਗਤ ਅਤੇ ਕਾਲਪਨਿਕਤਾ ਸਵੈ-ਜੀਵਨੀ ਕੇਂਦਰਿਤ ਹੈ : 1. ਸਵੈ-ਮਹਿਮਾ, ਕਾਲਪਨਿਕਤਾ ਅਤੇ ਯਥਾਰਥ ਤੋਂ ਨਿਰਲੇਪਤਾ 2. ਜੀਵਨ-ਵਰਨਣ, ਬਿਰਤਾਂਤਕ-ਜੁਗਤਾਂ ਅਤੇ ਸਵੈ-ਮਹਿਮਾ 3. ਸਵੈ-ਬਿਆਨ, ਵਰਨਣ-ਬਿਰਤਾਂਤ ਅਤੇ ਤੱਥ-ਮੂਲਿਕਤਾ 4. ਘਟਨਾਵੀ-ਬਿਰਤਾਂਤ, ਸਵੈ-ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾਮਈ-ਜੁਗਤ ਅਤੇ ਕਾਲਪਨਿਕਤਾ A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4
Objective Question		
54	24004	ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਜੁੱਟਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਕਿਹੜਾ ਸਹੀ ਨਹੀਂ ਹੈ : 1. ਆਨੰਦ ਵਰਧਨ – ਧੂਨਯਾਲੋਕ – 9ਵੀਂ ਸਦੀ 2. ਕੁੰਤਕ – ਵਕ੍ਰੋਕਤੀ ਜੀਵਿਤਮ – 10ਵੀਂ ਸਦੀ 3. ਦੰਡੀ – ਕਾਵਯ ਆਦਰਸ਼ – 11ਵੀਂ ਸਦੀ 4. ਮੰਮਟ – ਕਾਵਯ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ – 11ਵੀਂ ਸਦੀ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਜੁੱਟਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਕਿਹੜਾ ਸਹੀ ਨਹੀਂ ਹੈ : 1. ਆਨੰਦ ਵਰਧਨ – ਧੂਨਯਾਲੋਕ – 9ਵੀਂ ਸਦੀ 2. ਕੁੰਤਕ – ਵਕ੍ਰੋਕਤੀ ਜੀਵਿਤਮ – 10ਵੀਂ ਸਦੀ 3. ਦੰਡੀ – ਕਾਵਯ ਆਦਰਸ਼ – 11ਵੀਂ ਸਦੀ 4. ਮੰਮਟ – ਕਾਵਯ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ – 11ਵੀਂ ਸਦੀ A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3

		A4 : 4
Objective Question		
55	24005	ਪਤਾਕਾ ਕਥਾ ਅਤੇ ਪ੍ਰਕਰੀ ਕਥਾ ਦਾ ਸੰਬੰਧ ਹੈ : 1. ਨਾਟਕਾਂ ਜਾਂ ਰੂਪਕਾਂ ਦੀਆਂ ਪ੍ਰਸੰਗ ਅਨੁਕੂਲ ਘਟਨਾਵਾਂ ਨਾਲ 2. ਨਾਟਕਾਂ ਜਾਂ ਰੂਪਕਾਂ ਦੀ ਮੂਲ ਵਸਤੂ ਜਾਂ ਅਧਿਕਾਰਕ ਨਾਲ 3. ਨਾਟਕਾਂ ਜਾਂ ਰੂਪਕਾਂ ਦੇ ਰਸ ਭੇਦਾਂ ਨਾਲ 4. ਨਾਟਕਾਂ ਜਾਂ ਰੂਪਕਾਂ ਦੇ ਅਭਿਨੈ ਪੱਖ ਨਾਲ ਪਤਾਕਾ ਕਥਾ ਅਤੇ ਪ੍ਰਕਰੀ ਕਥਾ ਦਾ ਸੰਬੰਧ ਹੈ : 1. ਨਾਟਕਾਂ ਜਾਂ ਰੂਪਕਾਂ ਦੀਆਂ ਪ੍ਰਸੰਗ ਅਨੁਕੂਲ ਘਟਨਾਵਾਂ ਨਾਲ 2. ਨਾਟਕਾਂ ਜਾਂ ਰੂਪਕਾਂ ਦੀ ਮੂਲ ਵਸਤੂ ਜਾਂ ਅਧਿਕਾਰਕ ਨਾਲ 3. ਨਾਟਕਾਂ ਜਾਂ ਰੂਪਕਾਂ ਦੇ ਰਸ ਭੇਦਾਂ ਨਾਲ 4. ਨਾਟਕਾਂ ਜਾਂ ਰੂਪਕਾਂ ਦੇ ਅਭਿਨੈ ਪੱਖ ਨਾਲ A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4
Objective Question		
56	24006	ਭਰਤ ਮੁਨੀ ਦੇ ਨਾਟਕ-ਸ਼ਾਸਤਰ ਵਿਚ ਪ੍ਰਗਟਾਈਆਂ ਰੰਗਮੰਚ ਦੀਆਂ ਤਿੰਨ ਸ਼੍ਰੇਣੀਆਂ ਵਿੱਚੋਂ 'ਜਯੇਸ਼ਠ' ਸ਼੍ਰੇਣੀ ਦੇ ਰੰਗਮੰਚ ਦਾ ਸੰਬੰਧ ਹੈ : 1. ਆਵਾਮ ਜਾਂ ਆਮ ਖ਼ਲਕਤ ਨਾਲ 2. ਰਾਜਿਆਂ ਨਾਲ 3. ਦੇਵਤਿਆਂ ਨਾਲ 4. ਯੋਧਿਆਂ ਨਾਲ ਭਰਤ ਮੁਨੀ ਦੇ ਨਾਟਕ-ਸ਼ਾਸਤਰ ਵਿਚ ਪ੍ਰਗਟਾਈਆਂ ਰੰਗਮੰਚ ਦੀਆਂ ਤਿੰਨ ਸ਼੍ਰੇਣੀਆਂ ਵਿੱਚੋਂ 'ਜਯੇਸ਼ਠ' ਸ਼੍ਰੇਣੀ ਦੇ ਰੰਗਮੰਚ ਦਾ ਸੰਬੰਧ ਹੈ : 1. ਆਵਾਮ ਜਾਂ ਆਮ ਖ਼ਲਕਤ ਨਾਲ 2. ਰਾਜਿਆਂ ਨਾਲ 3. ਦੇਵਤਿਆਂ ਨਾਲ 4. ਯੋਧਿਆਂ ਨਾਲ A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3

		A4 4 : 4
Objective Question		
57	24007	ਨਾਮਾ ਮਾਇਆ ਮੋਹਿਆ ਕਹੈ ਤਿਲੋਚਨੁ ਮੀਤ॥ ਕਾਹੇ ਛੀਪਹੁ ਛਾਇਲੇ ਰਾਮ ਨ ਲਾਵਹੁ ਚੀਤੁ॥ ਉਪਰੋਕਤ ਸਤਰਾਂ ਕਿਸ ਭਗਤ ਦੀ ਬਾਣੀ ਵਿੱਚੋਂ ਹਨ ? 1. ਭਗਤ ਰਾਮਾਨੰਦ 2. ਭਗਤ ਕਬੀਰ 3. ਭਗਤ ਨਾਮਦੇਵ 4. ਭਗਤ ਤਿਲੋਚਨ ਨਾਮਾ ਮਾਇਆ ਮੋਹਿਆ ਕਹੈ ਤਿਲੋਚਨੁ ਮੀਤ॥ ਕਾਹੇ ਛੀਪਹੁ ਛਾਇਲੇ ਰਾਮ ਨ ਲਾਵਹੁ ਚੀਤੁ॥ ਉਪਰੋਕਤ ਸਤਰਾਂ ਕਿਸ ਭਗਤ ਦੀ ਬਾਣੀ ਵਿੱਚੋਂ ਹਨ ? 1. ਭਗਤ ਰਾਮਾਨੰਦ 2. ਭਗਤ ਕਬੀਰ 3. ਭਗਤ ਨਾਮਦੇਵ 4. ਭਗਤ ਤਿਲੋਚਨ A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4
Objective Question		
58	24008	ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਵਿਚ ਭਗਤ ਕਬੀਰ ਜੀ ਦੀ ਬਾਣੀ ਕਿਹੜੇ ਕਾਵਿ-ਰੂਪ ਵਿਚ ਦਰਜ ਨਹੀਂ ਹੈ ? 1. ਬਾਵਨ ਅਖਰੀ 2. ਥਿਤੀ 3. ਸਲੋਕ 4. ਛੰਤ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਵਿਚ ਭਗਤ ਕਬੀਰ ਜੀ ਦੀ ਬਾਣੀ ਕਿਹੜੇ ਕਾਵਿ-ਰੂਪ ਵਿਚ ਦਰਜ ਨਹੀਂ ਹੈ ? 1. ਬਾਵਨ ਅਖਰੀ 2. ਥਿਤੀ 3. ਸਲੋਕ 4. ਛੰਤ A1 1 : 1 A2 2 : 2

		2
	A3	3
	:	
		3
	A4	4
	:	
		4
Objective Question		
59	24009	“ਬੁਲ੍ਹੇ ਸ਼ਾਹ ਸੂਫੀ ਨਾਲੋਂ ਵਧੇਰੇ ਕਵੀ ਹੈ ਅਤੇ ਕਵੀ ਨਾਲੋਂ ਵਧੇਰੇ ਕਲਾਕਾਰ ਹੈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਸ ਦੀ ਕਵਿਤਾ ਤਾਂ ਚਮਕ ਪਈ ਪਰ ਸੂਫੀਪਨ ਤੇ ਫ਼ਕੀਰੀ ਅੰਸ਼ ਦਬ ਗਿਆ, ਉਸ ਨੇ ਵਾਹ-ਵਾਹ ਤਾਂ ਖੱਟ ਲਈ ਪਰ ‘ਰੂਹਾਨੀ ਕਮਾਲ’ ਦੀ ਗੰਭੀਰਤਾ ਗੁਆ ਲਈ।” ਕਲਾਮ ਬੁਲ੍ਹੇ ਸ਼ਾਹ ਬਾਰੇ ਉਪਰੋਕਤ ਧਾਰਨਾ ਕਿਸ ਵਿਦਵਾਨ ਦੀ ਹੈ ? 1. ਹਰਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਢਿੱਲੋਂ 2. ਹਿਰਦੇਜੀਤ ਸਿੰਘ ਭੋਗਲ 3. ਅਨਵਰ ਚਿਰਾਗ 4. ਦੀਵਾਨ ਸਿੰਘ “ਬੁਲ੍ਹੇ ਸ਼ਾਹ ਸੂਫੀ ਨਾਲੋਂ ਵਧੇਰੇ ਕਵੀ ਹੈ ਅਤੇ ਕਵੀ ਨਾਲੋਂ ਵਧੇਰੇ ਕਲਾਕਾਰ ਹੈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਸ ਦੀ ਕਵਿਤਾ ਤਾਂ ਚਮਕ ਪਈ ਪਰ ਸੂਫੀਪਨ ਤੇ ਫ਼ਕੀਰੀ ਅੰਸ਼ ਦਬ ਗਿਆ, ਉਸ ਨੇ ਵਾਹ-ਵਾਹ ਤਾਂ ਖੱਟ ਲਈ ਪਰ ‘ਰੂਹਾਨੀ ਕਮਾਲ’ ਦੀ ਗੰਭੀਰਤਾ ਗੁਆ ਲਈ।” ਕਲਾਮ ਬੁਲ੍ਹੇ ਸ਼ਾਹ ਬਾਰੇ ਉਪਰੋਕਤ ਧਾਰਨਾ ਕਿਸ ਵਿਦਵਾਨ ਦੀ ਹੈ ? 1. ਹਰਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਢਿੱਲੋਂ 2. ਹਿਰਦੇਜੀਤ ਸਿੰਘ ਭੋਗਲ 3. ਅਨਵਰ ਚਿਰਾਗ 4. ਦੀਵਾਨ ਸਿੰਘ A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4
Objective Question		
60	24010	ਇਸ਼ਕ ਹੈ ਦੁਖੜੇ ਦਿਲ ਦੀ ਸ਼ਾਦੀ ਇਸ਼ਕ ਹੈ ਰਹਬਰ ,ਮੁਰਸ਼ਦ ਹਾਦੀ ਇਸ਼ਕ ਹੈ ਸਾਡਾ ਪੀਰ ਉਪਰੋਕਤ ਸਤਰਾਂ ਕਿਸ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਫੀ ਕਵੀ ਦੀਆਂ ਹਨ ? 1. ਅਲੀ ਹੈਦਰ 2. ਬੁਲ੍ਹੇ ਸ਼ਾਹ 3. ਗੁਲਾਮ ਫ਼ਰੀਦ 4. ਫ਼ਰਦ ਫ਼ਕੀਰ

ਇਸ਼ਕ ਹੈ ਦੁਖੜੇ ਦਿਲ ਦੀ ਸ਼ਾਦੀ।
ਇਸ਼ਕ ਹੈ ਰਹਬਰ, ਮੁਰਸ਼ਦ ਹਾਦੀ।
ਇਸ਼ਕ ਹੈ ਸਾਡਾ ਪੀਰ।

ਓਪਰੇਕਤ ਸਤਰਾਂ ਕਿਸ ਪੰਜਾਬੀ ਸੁਫੀ ਕਵੀ ਦੀਆਂ ਹਨ ?

1. ਅਲੀ ਹੈਦਰ
2. ਬੁਲ੍ਹੇ ਸ਼ਾਹ
3. ਗੁਲਾਮ ਫ਼ਰੀਦ
4. ਫ਼ਰਦ ਫ਼ਕੀਰ

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

A4 4
:

4

Objective Question

61 24011

'ਫ਼ਵਾਇਦ ਉਲ ਫ਼ੁਆਦ' ਪੁਸਤਕ ਦਾ ਪੰਜਾਬੀ ਅਨੁਵਾਦ 'ਦਿਲਾਂ ਲਈ ਰਾਹਤ' ਸਿਰਲੇਖ ਹੇਠ ਕਿਸ ਨੇ ਕੀਤਾ ਹੈ ?

1. ਗੁਰਦੇਵ ਸਿੰਘ
2. ਗੁਲਵੰਤ ਸਿੰਘ
3. ਪ੍ਰੀਤਮ ਸਿੰਘ
4. ਪਿਆਰ ਸਿੰਘ

'ਫ਼ਵਾਇਦ ਉਲ ਫ਼ੁਆਦ' ਪੁਸਤਕ ਦਾ ਪੰਜਾਬੀ ਅਨੁਵਾਦ 'ਦਿਲਾਂ ਲਈ ਰਾਹਤ' ਸਿਰਲੇਖ ਹੇਠ ਕਿਸ ਨੇ ਕੀਤਾ ਹੈ ?

1. ਗੁਰਦੇਵ ਸਿੰਘ
2. ਗੁਲਵੰਤ ਸਿੰਘ
3. ਪ੍ਰੀਤਮ ਸਿੰਘ
4. ਪਿਆਰ ਸਿੰਘ

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

A4 4
:

4

Objective Question

62 24012

“ ਸੁਲਤਾਨ ਪੇਰੇ ਸ਼ਾਹ ਸ਼ੇਖੇ ਖੋਖਰ ਕੀ ਵਾਰ ਕੀ ਧੁਨ ਉਤੇ ਗਾਵਣੀ ”
ਗਾਇਨ ਸੰਬੰਧੀ ਉਪਰੋਕਤ ਸੰਕੇਤ ਕਿਹੜੀ ਵਾਰ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਹੈ :

1. ਸੋਢੀਆਂ ਦੀ ਵਾਰ
2. ਪੀਰਾਂ ਦੀ ਵਾਰ
3. ਚੂੜ੍ਹ ਸਿੰਘ ਭਦੌੜੀਏ ਦੀ ਵਾਰ
4. ਸਿੰਘਾਂ ਦੀ ਵਾਰ

“ ਸੁਲਤਾਨ ਪੇਰੇ ਸ਼ਾਹ ਸ਼ੇਖੇ ਖੋਖਰ ਕੀ ਵਾਰ ਕੀ ਧੁਨ ਉਤੇ ਗਾਵਣੀ ”
ਗਾਇਨ ਸੰਬੰਧੀ ਉਪਰੋਕਤ ਸੰਕੇਤ ਕਿਹੜੀ ਵਾਰ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਹੈ :

1. ਸੋਢੀਆਂ ਦੀ ਵਾਰ
2. ਪੀਰਾਂ ਦੀ ਵਾਰ
3. ਚੂੜ੍ਹ ਸਿੰਘ ਭਦੌੜੀਏ ਦੀ ਵਾਰ
4. ਸਿੰਘਾਂ ਦੀ ਵਾਰ

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

63 24013

ਪੰਜਾਬੀ ਕਿੱਸਾ ਕਾਵਿ ਦੀ ਤੁਲਨਾ ਜੇ ਰੂਪਾਕਾਰ ਦੀ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਤੋਂ ਹਿੰਦੀ ਪ੍ਰੇਮਾਖਿਆਨ ਤੇ ਫ਼ਾਰਸੀ/ਉਰਦੂ ਮਸਨਵੀ ਦੇ ਨਾਲ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਇਹ ਮਨੋਹਰ ਤੱਥ ਉਘੜਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਥੇ ਮਸਨਵੀ ਤੇ ਪ੍ਰੇਮਾਖਿਆਨ ਸਥਾਪਤੀ ਦੀ ਪ੍ਰੋੜਤਾ ਦੀ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਵਿਚੋਂ ਉਚ ਰਾਜਾ ਵਰਗ ਦੇ ਜੀਵਨ ਦੀ ਪਰੀਸਤਾਨੀ ਲੀਲਾ ਨੂੰ ਚਿਤਰਦੇ ਹਨ ਤੇ ਰਾਜਾ ਸ਼੍ਰੇਣੀ ਨੂੰ ਸਾਰਥਕ ਦਰਸਾਉਂਦੇ ਹਨ, ਉੱਥੇ ਪੰਜਾਬੀ ਕਿੱਸਾ ਕਾਵਿ ਸਥਾਪਤੀ ਦੇ ਅਰਥ ਗੁਆਚਣ ਤੋਂ ਉਤਪਤ ਹੋਏ ਵਿਅਕਤੀ ਦੇ ਸੰਕਟ ਤੇ ਸੰਤਾਪ ਨੂੰ ਚਿਤਰਦਾ ਤੇ ਨਵੇਂ ਅਰਥ ਤੇ ਨਵੀਂ ਵਿਵਸਥਾ ਲਈ ਮਨੁੱਖੀ ਸੰਘਰਸ਼ ਨੂੰ ਰੂਪਮਾਨ ਕਰਦਾ ਹੈ ।

ਉਪਰੋਕਤ ਕਥਨ ਕਿਸ ਵਿਦਵਾਨ ਦਾ ਹੈ :

1. ਕਿਸ਼ਨ ਸਿੰਘ
2. ਅਤਰ ਸਿੰਘ
3. ਟੀ. ਆਰ. ਵਿਨੋਦ
4. ਅਮਰਜੀਤ ਸਿੰਘ

ਪੰਜਾਬੀ ਕਿੱਸਾ ਕਾਵਿ ਦੀ ਤੁਲਨਾ ਜੇ ਰੂਪਾਕਾਰ ਦੀ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਤੋਂ ਹਿੰਦੀ ਪ੍ਰੇਮਾਖਿਆਨ ਤੇ ਫ਼ਾਰਸੀ/ਉਰਦੂ ਮਸਨਵੀ ਦੇ ਨਾਲ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਇਹ ਮਨੋਹਰ ਤੱਥ ਉਘੜਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਥੇ ਮਸਨਵੀ ਤੇ ਪ੍ਰੇਮਾਖਿਆਨ ਸਥਾਪਤੀ ਦੀ ਪ੍ਰੋੜਤਾ ਦੀ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਵਿਚੋਂ ਉਚ ਰਾਜਾ ਵਰਗ ਦੇ ਜੀਵਨ ਦੀ ਪਰੀਸਤਾਨੀ ਲੀਲਾ ਨੂੰ ਚਿਤਰਦੇ ਹਨ ਤੇ ਰਾਜਾ ਸ਼੍ਰੇਣੀ ਨੂੰ ਸਾਰਥਕ ਦਰਸਾਉਂਦੇ ਹਨ, ਉੱਥੇ ਪੰਜਾਬੀ ਕਿੱਸਾ ਕਾਵਿ ਸਥਾਪਤੀ ਦੇ ਅਰਥ ਗੁਆਚਣ ਤੋਂ ਉਤਪਤ ਹੋਏ ਵਿਅਕਤੀ ਦੇ ਸੰਕਟ ਤੇ ਸੰਤਾਪ ਨੂੰ ਚਿਤਰਦਾ ਤੇ ਨਵੇਂ ਅਰਥ ਤੇ ਨਵੀਂ ਵਿਵਸਥਾ ਲਈ ਮਨੁੱਖੀ ਸੰਘਰਸ਼ ਨੂੰ ਰੂਪਮਾਨ ਕਰਦਾ ਹੈ ।

ਉਪਰੋਕਤ ਕਥਨ ਕਿਸ ਵਿਦਵਾਨ ਦਾ ਹੈ :

1. ਕਿਸ਼ਨ ਸਿੰਘ
2. ਅਤਰ ਸਿੰਘ
3. ਟੀ. ਆਰ. ਵਿਨੋਦ
4. ਅਮਰਜੀਤ ਸਿੰਘ

A1
:

1

A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

64 24014

‘ਕੁੱਝ ਭਾਸ਼ਾ ਵਿਗਿਆਨੀਆਂ ਦਾ ਮੱਤ ਹੈ ਕਿ ਕਈ ਵਾਰ ਕਿਸੇ ਦੇ ਮੂੰਹੋਂ ਉਚਾਰੀ ਉਕਤੀ ਇਉਂ ਜਾਪਦੀ ਹੈ ਜਿਵੇਂ ਉਹ ਖੁਦ ਭਾਸ਼ਾ ਦੇ ਮੂੰਹੋਂ ਉਚਾਰੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਅਜਿਹੀ ਉਕਤੀ ਉਸ ਸਮਾਜ ਦਾ ਧੁਰ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਉਦੋਂ ਹੀ ਮਨੁੱਖ ਕਹਿੰਦਾ ਹੈ : ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਬੋਲਦਾ ਮੇਰੇ ਵਿਚੋਂ ‘ਧੁਰ’ ਬੋਲਦਾ ਹੈ। ਅਸੀਂ ਚਾਹੀਏ ਤਾਂ ਕਹਿ ਸਕਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਸ਼ਾਹ ਮੁਹੰਮਦ ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਦਾ, ਪੰਜਾਬੀ ਸਭਿਆਚਾਰ ਦਾ, ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਹਿਤਕਤਾ ਦਾ, ਪੰਜਾਬੀ ਧੁਰ ਦਾ ਬੁਲਾਇਆ ਬੋਲਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਧੁਰ ਵਿਚ ਇਕ ਬਹੁਤ ਵੱਡਾ ਅੰਸ਼ ਮਹਾਰਾਜਾ ਰਣਜੀਤ ਸਿੰਘ ਦਾ ਹੈ।’

ਉਪਰੋਕਤ ਕਥਨ ਕਿਸ ਵਿਦਵਾਨ ਦਾ ਹੈ :

1. ਤਰਲੋਕ ਸਿੰਘ ਕੰਵਰ
2. ਸਤਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਨੂਰ
3. ਜਗਬੀਰ ਸਿੰਘ
4. ਹਰਿਭਜਨ ਸਿੰਘ

‘ਕੁੱਝ ਭਾਸ਼ਾ ਵਿਗਿਆਨੀਆਂ ਦਾ ਮੱਤ ਹੈ ਕਿ ਕਈ ਵਾਰ ਕਿਸੇ ਦੇ ਮੂੰਹੋਂ ਉਚਾਰੀ ਉਕਤੀ ਇਉਂ ਜਾਪਦੀ ਹੈ ਜਿਵੇਂ ਉਹ ਖੁਦ ਭਾਸ਼ਾ ਦੇ ਮੂੰਹੋਂ ਉਚਾਰੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਅਜਿਹੀ ਉਕਤੀ ਉਸ ਸਮਾਜ ਦਾ ਧੁਰ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਉਦੋਂ ਹੀ ਮਨੁੱਖ ਕਹਿੰਦਾ ਹੈ : ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਬੋਲਦਾ ਮੇਰੇ ਵਿਚੋਂ ‘ਧੁਰ’ ਬੋਲਦਾ ਹੈ। ਅਸੀਂ ਚਾਹੀਏ ਤਾਂ ਕਹਿ ਸਕਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਸ਼ਾਹ ਮੁਹੰਮਦ ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਦਾ, ਪੰਜਾਬੀ ਸਭਿਆਚਾਰ ਦਾ, ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਹਿਤਕਤਾ ਦਾ, ਪੰਜਾਬੀ ਧੁਰ ਦਾ ਬੁਲਾਇਆ ਬੋਲਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਧੁਰ ਵਿਚ ਇਕ ਬਹੁਤ ਵੱਡਾ ਅੰਸ਼ ਮਹਾਰਾਜਾ ਰਣਜੀਤ ਸਿੰਘ ਦਾ ਹੈ।’

ਉਪਰੋਕਤ ਕਥਨ ਕਿਸ ਵਿਦਵਾਨ ਦਾ ਹੈ :

1. ਤਰਲੋਕ ਸਿੰਘ ਕੰਵਰ
2. ਸਤਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਨੂਰ
3. ਜਗਬੀਰ ਸਿੰਘ
4. ਹਰਿਭਜਨ ਸਿੰਘ

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

65 24015

‘ਜਨਮ-ਪੱਤਰੀ ਬਾਬੇ ਨਾਨਕ ਜੀ ਕੀ’ ਨੂੰ ‘ਆਦਿ ਸਾਖੀਆਂ’ ਦਾ ਨਾਮ ਕਿਸ ਵਿਦਵਾਨ ਨੇ ਦਿੱਤਾ ?

1. ਮੋਹਨ ਸਿੰਘ ਦੀਵਾਨਾ
2. ਭਾਈ ਵੀਰ ਸਿੰਘ
3. ਪ੍ਰੀਤਮ ਸਿੰਘ
4. ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ

ਜਨਮ-ਪੱਤਰੀ ਬਾਬੇ ਨਾਨਕ ਜੀ ਕੀ ਨੂੰ ਆਦਿ ਸਾਖੀਆਂ ਦਾ ਨਾਮ ਕਿਸ ਵਿਦਵਾਨ ਨੇ ਦਿੱਤਾ ?

1. ਮੋਹਨ ਸਿੰਘ ਦੀਵਾਨਾ
2. ਭਾਈ ਵੀਰ ਸਿੰਘ
3. ਪ੍ਰੀਤਮ ਸਿੰਘ
4. ਕਿਰਪਾਲ ਸਿੰਘ

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

A4 4
:

4

Objective Question

66 24016

ਬਰ ਬਿਮਲ ਬਿਬੇਕ ਬਾਰਿਧ ਗ੍ਰੰਥ ਕਿਸ ਵਾਰਤਕ ਵੰਨਗੀ ਦਾ ਸੰਗ੍ਰਹਿ ਹੈ ?

1. ਸਾਖੀਆਂ
2. ਰਹਿਤਨਾਮਿਆਂ
3. ਗੋਸ਼ਟਾਂ
4. ਪਰਚੀਆਂ

ਬਰ ਬਿਮਲ ਬਿਬੇਕ ਬਾਰਿਧ ਗ੍ਰੰਥ ਕਿਸ ਵਾਰਤਕ ਵੰਨਗੀ ਦਾ ਸੰਗ੍ਰਹਿ ਹੈ ?

1. ਸਾਖੀਆਂ
2. ਰਹਿਤਨਾਮਿਆਂ
3. ਗੋਸ਼ਟਾਂ
4. ਪਰਚੀਆਂ

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

A4 4
:

4

Objective Question

67 24017

ਪਾਰਸ ਭਾਗ ਕਿਸ ਫ਼ਾਰਸੀ ਰਚਨਾ ਦਾ ਪੰਜਾਬੀ ਅਨੁਵਾਦ ਹੈ :

1. ਕਸ਼ਫ਼ੁਲ ਮਹਿਜੂਬ
2. ਤਜਕਰਾਤੁਲ ਅਲੀਆ
3. ਮਜਮਾ-ਉਲ-ਬਹਿਰੀਨ
4. ਕੀਮੀਆ-ਏ-ਸਆਦਤ

ਪਾਰਸ ਭਾਗਾ ਕਿਸ ਫ਼ਾਰਸੀ ਰਚਨਾ ਦਾ ਪੰਜਾਬੀ ਅਨੁਵਾਦ ਹੈ :

1. ਕਸ਼ਫ਼ੁਲ ਮਹਿਜੂਬ
2. ਤਜ਼ਕਰਾਤੁਲ ਅਲੀਆ
3. ਮਜਮਾ-ਉਲ-ਬਹਿਰੀਨ
4. ਕੀਸੀਆ-ਏ-ਸਆਦਤ

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

A4 4
:

4

Objective Question

68 24018

‘ਯਾਦਾਂ ਗੰਜੀ ਬਾਰ ਦੀਆਂ’ ਕਿਤਾਬ ਦਾ ਕਰਤਾ ਹੈ :

1. ਬੂਟੇ ਸ਼ਾਹ
2. ਭਗਵੰਤ ਸਿੰਘ ਆਜ਼ਾਦ
3. ਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਸ਼ੇਰ
4. ਹਰਕੀਰਤ ਸਿੰਘ

‘ਯਾਦਾਂ ਗੰਜੀ ਬਾਰ ਦੀਆਂ’ ਕਿਤਾਬ ਦਾ ਕਰਤਾ ਹੈ :

1. ਬੂਟੇ ਸ਼ਾਹ
2. ਭਗਵੰਤ ਸਿੰਘ ਆਜ਼ਾਦ
3. ਸ਼ੇਰ ਸਿੰਘ ਸ਼ੇਰ
4. ਹਰਕੀਰਤ ਸਿੰਘ

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

A4 4
:

4

Objective Question

69 24019

ਪੂਰਨ ਸਿੰਘ ਕਾਵਿ ਵਿਚਲਾ ਤਣਾਓ ਮੋੜ ਉਪਰ ਥਿੜਕੇ ਸਭਿਆਚਾਰ ਦਾ ਤਣਾਓ ਹੈ। ਤਣਾਉ ਦੀ ਬਜਾਏ ਇਸ ਨੂੰ ਥਿੜਕਾਉ ਕਹਿਣਾ ਵਧੇਰੇ ਮੁਨਾਸਿਬ ਹੈ। ਇਕ ਨਵੀਂ ਜੀਵਨ ਜਾਚ ਦਾ ਉਦੇ ਹੈ ਜਿਸਨੇ ਪੁਰਾਣੀ ਟਿਕੀ ਹੋਈ ਜੀਵਨ-ਜਾਚ ਨੂੰ ਥਿੜਕਾ ਦਿੱਤਾ।

ਪੂਰਨ ਸਿੰਘ ਦੀ ਕਵਿਤਾ ਬਾਰੇ ਇਹ ਕਥਨ ਕਿਸ ਵਿਦਵਾਨ ਦਾ ਹੈ ?

1. ਰਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਰਵੀ
2. ਮੋਹਨਜੀਤ
3. ਜਗਜੀਤ ਸਿੰਘ
4. ਹਰਿਭਜਨ ਸਿੰਘ

ਪੂਰਨ ਸਿੰਘ ਕਾਵਿ ਵਿਚਲਾ ਤਣਾਓ ਮੋੜ ਉਪਰ ਥਿੜਕੇ ਸਭਿਆਚਾਰ ਦਾ ਤਣਾਓ ਹੈ। ਤਣਾਉ ਦੀ ਬਜਾਏ ਇਸ ਨੂੰ ਥਿੜਕਾਉ ਕਹਿਣਾ ਵਧੇਰੇ ਮੁਨਾਸਿਬ ਹੈ। ਇਕ ਨਵੀਂ ਜੀਵਨ ਜਾਚ ਦਾ ਉਦੇ ਹੈ ਜਿਸਨੇ ਪੁਰਾਣੀ ਟਿਕੀ ਹੋਈ ਜੀਵਨ-ਜਾਚ ਨੂੰ ਥਿੜਕਾ ਦਿੱਤਾ।

ਪੂਰਨ ਸਿੰਘ ਦੀ ਕਵਿਤਾ ਬਾਰੇ ਇਹ ਕਥਨ ਕਿਸ ਵਿਦਵਾਨ ਦਾ ਹੈ ?

1. ਰਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਰਵੀ
2. ਮੋਹਨਜੀਤ
3. ਜਗਜੀਤ ਸਿੰਘ
4. ਹਰਿਭਜਨ ਸਿੰਘ

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

A4 4
:

4

Objective Question

70 24020

ਨਕਸਲਵਾਦੀ ਕਾਵਿ-ਧਾਰਾ ਨੂੰ ਨਵ-ਪ੍ਰਗਤੀਵਾਦੀ ਧਾਰਾ ਕਿਸ ਪੰਜਾਬੀ ਆਲੋਚਕ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ?

1. ਕਰਮਜੀਤ ਸਿੰਘ
2. ਹਰਿਭਜਨ ਸਿੰਘ
3. ਸਤਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਠੂਰ
4. ਸਤਿੰਦਰ ਸਿੰਘ

ਨਕਸਲਵਾਦੀ ਕਾਵਿ-ਧਾਰਾ ਨੂੰ ਨਵ-ਪ੍ਰਗਤੀਵਾਦੀ ਧਾਰਾ ਕਿਸ ਪੰਜਾਬੀ ਆਲੋਚਕ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ ?

1. ਕਰਮਜੀਤ ਸਿੰਘ
2. ਹਰਿਭਜਨ ਸਿੰਘ
3. ਸਤਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਠੂਰ
4. ਸਤਿੰਦਰ ਸਿੰਘ

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

		A4 4 : 4
Objective Question		
71	24021	ਜੁਝਾਰ-ਵਿਦਰੋਹੀ ਕਵੀਆਂ ਵਲੋਂ ਦੇਸ਼-ਭਗਤ ਇਨਕਲਾਬੀ ਨਾਇਕਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਆਪਣੇ ਆਦਰਸ਼ ਤਲਾਸ਼ਣ ਦੀ ਚੋਸ਼ਟਾ ਅਤੇ ਰੁਚੀ ਨੂੰ ਕਿਸ ਚਿੰਤਕ ਨੇ 'ਪ੍ਰਚੰਡ ਹਉਮੈਵਾਦ' ਦਾ ਨਾਂ ਦਿੱਤਾ ? 1. ਰਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਰਵੀ 2. ਅਤਰ ਸਿੰਘ 3. ਜਸਬੀਰ ਸਿੰਘ ਆਹਲੂਵਾਲੀਆ 4. ਸਤਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਠੂਰ ਜੁਝਾਰ-ਵਿਦਰੋਹੀ ਕਵੀਆਂ ਵਲੋਂ ਦੇਸ਼-ਭਗਤ ਇਨਕਲਾਬੀ ਨਾਇਕਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਆਪਣੇ ਆਦਰਸ਼ ਤਲਾਸ਼ਣ ਦੀ ਚੋਸ਼ਟਾ ਅਤੇ ਰੁਚੀ ਨੂੰ ਕਿਸ ਚਿੰਤਕ ਨੇ 'ਪ੍ਰਚੰਡ ਹਉਮੈਵਾਦ' ਦਾ ਨਾਂ ਦਿੱਤਾ ? 1. ਰਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਰਵੀ 2. ਅਤਰ ਸਿੰਘ 3. ਜਸਬੀਰ ਸਿੰਘ ਆਹਲੂਵਾਲੀਆ 4. ਸਤਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਠੂਰ A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4
Objective Question		
72	24022	” ਅੱਧੀ ਸਦੀ ਦਾ ਸਫ਼ਰ ” ਸਵੈ-ਜੀਵਨੀ ਦਾ ਲੇਖਕ ਹੈ : 1. ਨਿਰਜਨ ਸਿੰਘ ਠੂਰ 2. ਅਜੀਤ ਰਾਹੀ 3. ਹਰਚਰਨ ਸਿੰਘ 4. ਅਮਰਜੀਤ ਚੰਦਨ ” ਅੱਧੀ ਸਦੀ ਦਾ ਸਫ਼ਰ ” ਸਵੈ-ਜੀਵਨੀ ਦਾ ਲੇਖਕ ਹੈ : 1. ਨਿਰਜਨ ਸਿੰਘ ਠੂਰ 2. ਅਜੀਤ ਰਾਹੀ 3. ਹਰਚਰਨ ਸਿੰਘ 4. ਅਮਰਜੀਤ ਚੰਦਨ A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3

		3
	A4	4
	:	4
		4
Objective Question		
73	24023	ਪੰਜਾਬੀ ਸਟੇਜੀ ਕਾਵਿਧਾਰਾ ਦੇ ਕਵੀਆਂ ਦਾ ਸਹੀ ਵਰਗ ਦੱਸੋ :
		- ਫ਼ਿਰੋਜ਼ਦੀਨ ਸ਼ਰਫ਼, ਵਿਧਾਤਾ ਸਿੰਘ ਤੀਰ, ਨੰਦ ਲਾਲ ਨੂਰਪੁਰੀ, ਹੀਰਾ ਸਿੰਘ ਦਰਦ - ਮੋਹਨ ਸਿੰਘ, ਨੰਦ ਲਾਲ ਨੂਰਪੁਰੀ, ਵਿਧਾਤਾ ਸਿੰਘ ਤੀਰ, ਧਨੀ ਰਾਮ ਚਾਤ੍ਰਕ - ਧਨੀ ਰਾਮ ਚਾਤ੍ਰਕ, ਵਿਧਾਤਾ ਸਿੰਘ ਤੀਰ, ਫ਼ਿਰੋਜ਼ਦੀਨ ਸ਼ਰਫ਼, ਪ੍ਰੀਤਮ ਸਿੰਘ ਸਫ਼ੀਰ - ਲਾਲਾ ਕਿਰਪਾ ਸਾਗਰ, ਨੰਦ ਲਾਲ ਨੂਰਪੁਰੀ, ਮੋਹਨ ਸਿੰਘ, ਵਿਧਾਤਾ ਸਿੰਘ ਤੀਰ
		ਪੰਜਾਬੀ ਸਟੇਜੀ ਕਾਵਿਧਾਰਾ ਦੇ ਕਵੀਆਂ ਦਾ ਸਹੀ ਵਰਗ ਦੱਸੋ :
		- ਫ਼ਿਰੋਜ਼ਦੀਨ ਸ਼ਰਫ਼, ਵਿਧਾਤਾ ਸਿੰਘ ਤੀਰ, ਨੰਦ ਲਾਲ ਨੂਰਪੁਰੀ, ਹੀਰਾ ਸਿੰਘ ਦਰਦ - ਮੋਹਨ ਸਿੰਘ, ਨੰਦ ਲਾਲ ਨੂਰਪੁਰੀ, ਵਿਧਾਤਾ ਸਿੰਘ ਤੀਰ, ਧਨੀ ਰਾਮ ਚਾਤ੍ਰਕ - ਧਨੀ ਰਾਮ ਚਾਤ੍ਰਕ, ਵਿਧਾਤਾ ਸਿੰਘ ਤੀਰ, ਫ਼ਿਰੋਜ਼ਦੀਨ ਸ਼ਰਫ਼, ਪ੍ਰੀਤਮ ਸਿੰਘ ਸਫ਼ੀਰ - ਲਾਲਾ ਕਿਰਪਾ ਸਾਗਰ, ਨੰਦ ਲਾਲ ਨੂਰਪੁਰੀ, ਮੋਹਨ ਸਿੰਘ, ਵਿਧਾਤਾ ਸਿੰਘ ਤੀਰ
	A1	1
	:	1
	A2	2
	:	2
	A3	3
	:	3
	A4	4
	:	4
Objective Question		
74	24024	‘ ਜੰਗ ਜਾਂ ਅਮਨ ’ ਨਾਵਲ ਕਿਸ ਨਾਵਲਕਾਰ ਦੀ ਰਚਨਾ ਹੈ ?
		- ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ ਦੁੱਗਲ - ਨਾਨਕ ਸਿੰਘ - ਸੋਹਣ ਸਿੰਘ ਸੀਤਲ - ਸੁਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਨਰੂਲਾ
		‘ ਜੰਗ ਜਾਂ ਅਮਨ ’ ਨਾਵਲ ਕਿਸ ਨਾਵਲਕਾਰ ਦੀ ਰਚਨਾ ਹੈ ?
		- ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ ਦੁੱਗਲ - ਨਾਨਕ ਸਿੰਘ - ਸੋਹਣ ਸਿੰਘ ਸੀਤਲ - ਸੁਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਨਰੂਲਾ
	A1	1
	:	1
	A2	2
	:	2
	A3	3
	:	3
		3

A4 4
:
4

Objective Question

75 24025

ਨਾਵਲ ਦੀ ਸ਼ੈਲੀ ਦਾ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਵੀ ਸੰਰਚਨਾ ਦੇ ਤੱਤਾਂ ਨਾਲ ਹੀ ਸੰਬੰਧਿਤ ਹੈ, ਕੋਈ ਸੁਤੰਤਰ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਨਹੀਂ। ਸ਼ੈਲੀ ਦੇ ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਤੱਤ ਬੋਲੀ ਨੂੰ ਹੀ ਜੇ ਲੈ ਲਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਇਕ ਨਾਵਲ ਵਿਚ ਸਾਰੀ ਭਾਸ਼ਾ ਤੇ ਸਾਰੀ ਬੋਲੀ ਦਾ ਪ੍ਰਯੋਗ ਤਾਂ ਸੰਭਵ ਹੀ ਨਹੀਂ। ਇਸ ਲਈ ਸ਼ੈਲੀ ਦੇ ਸਮੁੱਚੇ ਨਿਯਮਾਂ ਨੂੰ ਨਾਵਲ ਦੀ ਸ਼ੈਲੀ ਉੱਤੇ ਲਾਗੂ ਕਰਨਾ ਗਲਤ ਹੋਵੇਗਾ।

ਉਪਰੋਕਤ ਕਥਨ ਕਿਸ ਸਾਹਿਤ ਚਿੰਤਕ ਦਾ ਹੈ :

1. ਹਰਿਭਜਨ ਸਿੰਘ
2. ਸਤਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਠੂਰ
3. ਟੀ. ਆਰ. ਵਿਨੋਦ
4. ਨਿਰੰਜਨ ਤਸਨੀਮ

ਨਾਵਲ ਦੀ ਸ਼ੈਲੀ ਦਾ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਵੀ ਸੰਰਚਨਾ ਦੇ ਤੱਤਾਂ ਨਾਲ ਹੀ ਸੰਬੰਧਿਤ ਹੈ, ਕੋਈ ਸੁਤੰਤਰ ਪ੍ਰਸ਼ਨ ਨਹੀਂ। ਸ਼ੈਲੀ ਦੇ ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਤੱਤ ਬੋਲੀ ਨੂੰ ਹੀ ਜੇ ਲੈ ਲਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਇਕ ਨਾਵਲ ਵਿਚ ਸਾਰੀ ਭਾਸ਼ਾ ਤੇ ਸਾਰੀ ਬੋਲੀ ਦਾ ਪ੍ਰਯੋਗ ਤਾਂ ਸੰਭਵ ਹੀ ਨਹੀਂ। ਇਸ ਲਈ ਸ਼ੈਲੀ ਦੇ ਸਮੁੱਚੇ ਨਿਯਮਾਂ ਨੂੰ ਨਾਵਲ ਦੀ ਸ਼ੈਲੀ ਉੱਤੇ ਲਾਗੂ ਕਰਨਾ ਗਲਤ ਹੋਵੇਗਾ।

ਉਪਰੋਕਤ ਕਥਨ ਕਿਸ ਸਾਹਿਤ ਚਿੰਤਕ ਦਾ ਹੈ :

1. ਹਰਿਭਜਨ ਸਿੰਘ
2. ਸਤਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਠੂਰ
3. ਟੀ. ਆਰ. ਵਿਨੋਦ
4. ਨਿਰੰਜਨ ਤਸਨੀਮ

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

A4 4
:

4

Objective Question

76 24026

ਕਿਸ ਪ੍ਰਸਿੱਧ ਸਾਹਿਤ ਸਿਧਾਂਤਕਾਰ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਅਰਸਤੂ ਨੇ ਨਾਵਲ ਪੜ੍ਹੇ ਹੀ ਨਹੀਂ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਉਸ ਕੋਲ ਨਾਵਲ ਦਾ ਸੰਕਲਪ ਹੋ ਸਕਦਾ ਸੀ ?

1. ਐਡਵਿਨ ਮਿਊਰ
2. ਜਾਰਜ ਲੂਕਾਚ
3. ਈ. ਐੱਮ. ਫ਼ਾਰਸਟਰ
4. ਰੋਲਾਂ ਬਾਰਤ

ਕਿਸ ਪ੍ਰਸਿੱਧ ਸਾਹਿਤ ਸਿਧਾਂਤਕਾਰ ਨੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਅਰਸਤੂ ਨੇ ਨਾਵਲ ਪੜ੍ਹੇ ਹੀ ਨਹੀਂ ਅਤੇ ਨਾ ਹੀ ਉਸ ਕੋਲ ਨਾਵਲ ਦਾ ਸੰਕਲਪ ਹੋ ਸਕਦਾ ਸੀ ?

1. ਐਡਵਿਨ ਮਿਊਰ
2. ਜਾਰਜ ਲੂਕਾਚ
3. ਈ. ਐੱਮ. ਫ਼ਾਰਸਟਰ
4. ਰੋਲਾਂ ਬਾਰਤ

A1 1
:

1

A2 2
:

2

		2
	A3	3
	:	
		3
	A4	4
	:	
		4

Objective Question

77 24027 “ ਨਿੱਕੀ ਕਹਾਣੀ ਦਾ ਸਿਧਾਂਤ ” ਪੁਸਤਕ ਦਾ ਸੰਪਾਦਕ ਹੈ :

1. ਧਨਵੰਤ ਕੌਰ
2. ਗੁਰਲਾਲ ਸਿੰਘ
3. ਜੀਤ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼ੀ
4. ਟੀ. ਆਰ. ਵਿਨੋਦ

“ ਨਿੱਕੀ ਕਹਾਣੀ ਦਾ ਸਿਧਾਂਤ ” ਪੁਸਤਕ ਦਾ ਸੰਪਾਦਕ ਹੈ :

1. ਧਨਵੰਤ ਕੌਰ
2. ਗੁਰਲਾਲ ਸਿੰਘ
3. ਜੀਤ ਸਿੰਘ ਜੋਸ਼ੀ
4. ਟੀ. ਆਰ. ਵਿਨੋਦ

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

A4 4
:

4

Objective Question

78 24028 ਗਿਆਨੀ ਗੁਰਦਿੱਤ ਸਿੰਘ ਨੇ ਮੇਰਾ ਪਿੰਡ ਅਤੇ ਸੋਹਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਵਣਜਾਰਾ ਬੇਦੀ ਨੇ ਮੇਰਾ ਨਾਨਕਾ ਪਿੰਡ ਵਿਚ ਲੋਕਯਾਨਕ ਸਮਗਰੀ ਨੂੰ ਨਵੇਂ ਢੰਗ ਨਾਲ ਪੇਸ਼ ਕਰਨ ਦਾ ਯਤਨ ਕੀਤਾ ਹੈ ,ਜੋ ਕਿ ਵਧੇਰੇ ਰੋਚਕ ਹੈ , ਵਧੇਰੇ ਵਿਗਿਆਨਿਕ ਨਹੀਂ।

ਇਹ ਕਥਨ ਕਿਸ ਦਾ ਹੈ :

1. ਨਾਹਰ ਸਿੰਘ
2. ਭੁਪਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਖਹਿਰਾ
3. ਗੁਰਬਖਸ਼ ਸਿੰਘ ਫਰੈਂਕ
4. ਕਰਮਜੀਤ ਸਿੰਘ

ਗਿਆਨੀ ਗੁਰਦਿੱਤ ਸਿੰਘ ਨੇ ਮੇਰਾ ਪਿੰਡ ਅਤੇ ਸੋਹਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਵਣਜਾਰਾ ਬੇਦੀ ਨੇ ਮੇਰਾ ਨਾਨਕਾ ਪਿੰਡ ਵਿਚ ਲੋਕਯਾਨਕ ਸਮਗਰੀ ਨੂੰ ਨਵੇਂ ਢੰਗ ਨਾਲ ਪੇਸ਼ ਕਰਨ ਦਾ ਯਤਨ ਕੀਤਾ ਹੈ ,ਜੋ ਕਿ ਵਧੇਰੇ ਰੋਚਕ ਹੈ , ਵਧੇਰੇ ਵਿਗਿਆਨਿਕ ਨਹੀਂ।

ਇਹ ਕਥਨ ਕਿਸ ਦਾ ਹੈ :

1. ਨਾਹਰ ਸਿੰਘ
2. ਭੁਪਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਖਹਿਰਾ
3. ਗੁਰਬਖਸ਼ ਸਿੰਘ ਫਰੈਂਕ
4. ਕਰਮਜੀਤ ਸਿੰਘ

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

79 24029

ਸ਼ਿਵ ਕੁਮਾਰ ਬਟਾਲਵੀ ਦੀ ਕਾਵਿਕਾਰੀ ਦੇ ਮੁਖ ਸਰੋਕਾਰ ਹਨ :

1. ਬਿਰਹਾ ਅਤੇ ਪ੍ਰਗੀਤ
2. ਪ੍ਰਯੋਗ ਅਤੇ ਪ੍ਰਗੀਤ
3. ਰਹੱਸ ਅਤੇ ਪ੍ਰਯੋਗ
4. ਪ੍ਰਗਤੀ ਅਤੇ ਸੁਹਜ

ਸ਼ਿਵ ਕੁਮਾਰ ਬਟਾਲਵੀ ਦੀ ਕਾਵਿਕਾਰੀ ਦੇ ਮੁਖ ਸਰੋਕਾਰ ਹਨ :

1. ਬਿਰਹਾ ਅਤੇ ਪ੍ਰਗੀਤ
2. ਪ੍ਰਯੋਗ ਅਤੇ ਪ੍ਰਗੀਤ
3. ਰਹੱਸ ਅਤੇ ਪ੍ਰਯੋਗ
4. ਪ੍ਰਗਤੀ ਅਤੇ ਸੁਹਜ

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

80 24030

‘ਗੀਟੀਆਂ ਗਾਲਣਾ’ ਮੁਹਾਵਰੇ ਦਾ ਅਰਥ ਹੈ :

1. ਕੰਮ ਲਮਕਾਈ ਜਾਣਾ
2. ਵਿਅਰਥ ਸੋਚਾਂ ਸੋਚਦੇ ਰਹਿਣਾ
3. ਆਪਣਾ ਆਪ ਭੁੱਲ ਜਾਣਾ
4. ਜਾਇਆ ਹੋ ਜਾਣਾ

‘ਗੀਟੀਆਂ ਗਾਲਣਾ’ ਮੁਹਾਵਰੇ ਦਾ ਅਰਥ ਹੈ :

1. ਕੰਮ ਲਮਕਾਈ ਜਾਣਾ
2. ਵਿਅਰਥ ਸੋਚਾਂ ਸੋਚਦੇ ਰਹਿਣਾ
3. ਆਪਣਾ ਆਪ ਭੁੱਲ ਜਾਣਾ
4. ਜਾਇਆ ਹੋ ਜਾਣਾ

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

81 24031

“ ਘਿਉ ਵਿਚ ਰੰਬਾ, ਬੜਾ ਅਚੰਭਾ ” ਅਖਾਣ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਦੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ :

1. ਜਦੋਂ ਕੋਈ ਸਾਂਝੇ ਖਾਤੇ ਵਿੱਚੋਂ ਖਰਚ ਕਰ ਕੇ ਕੋਈ ਚੰਗੀ ਚੀਜ਼ ਬਣਾਏ ਤੇ ਮੁਫਤ ਦੀ ਸ਼ੋਭਾ ਲੈ ਜਾਵੇ।
2. ਚੰਗੀ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਖੁੱਲ੍ਹੇ ਦਿਲ ਨਾਲ ਦੇਣਾ ਤੇ ਫਜ਼ੂਲ ਚੀਜ਼ ਤੋਂ ਕੰਜੂਸੀ ਕਰਨੀ।
3. ਕਿਸੇ ਚੰਗੀ ਚੀਜ਼ ਦੀ ਹੱਦੋਂ ਵੱਧ ਵਰਤੋਂ ਕਰਨੀ।
4. ਜਦੋਂ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਕਰੜੀ ਮਿਹਨਤ ਪਿੱਛੋਂ ਵੀ ਉਹੀ ਕੁੱਝ ਪੱਲੇ ਪਵੇ ਜੋ ਪਹਿਲਾਂ ਪੈਂਦਾ ਸੀ।

“ ਘਿਉ ਵਿਚ ਰੰਬਾ, ਬੜਾ ਅਚੰਭਾ ” ਅਖਾਣ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਦੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ :

1. ਜਦੋਂ ਕੋਈ ਸਾਂਝੇ ਖਾਤੇ ਵਿੱਚੋਂ ਖਰਚ ਕਰ ਕੇ ਕੋਈ ਚੰਗੀ ਚੀਜ਼ ਬਣਾਏ ਤੇ ਮੁਫਤ ਦੀ ਸ਼ੋਭਾ ਲੈ ਜਾਵੇ।
2. ਚੰਗੀ ਚੀਜ਼ ਨੂੰ ਖੁੱਲ੍ਹੇ ਦਿਲ ਨਾਲ ਦੇਣਾ ਤੇ ਫਜ਼ੂਲ ਚੀਜ਼ ਤੋਂ ਕੰਜੂਸੀ ਕਰਨੀ।
3. ਕਿਸੇ ਚੰਗੀ ਚੀਜ਼ ਦੀ ਹੱਦੋਂ ਵੱਧ ਵਰਤੋਂ ਕਰਨੀ।
4. ਜਦੋਂ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਕਰੜੀ ਮਿਹਨਤ ਪਿੱਛੋਂ ਵੀ ਉਹੀ ਕੁੱਝ ਪੱਲੇ ਪਵੇ ਜੋ ਪਹਿਲਾਂ ਪੈਂਦਾ ਸੀ।

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

82 24032

ਭਾਸ਼ਾ ਵਿਭਾਗ ਵੱਲੋਂ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ ‘ਹਿੰਦੂ ਮਿਥਿਹਾਸ ਕੋਸ਼’ ਕਿਸ ਲੇਖਕ ਦੀ ਰਚਨਾ ਹੈ ?

1. ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਸ਼ਾਸਤਰੀ
2. ਰੈਲਫ ਫਾਕਸ
3. ਜੌਨ ਡੌਸਨ
4. ਰਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਭਸੀਨ

ਭਾਸ਼ਾ ਵਿਭਾਗ ਵੱਲੋਂ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ ‘ਹਿੰਦੂ ਮਿਥਿਹਾਸ ਕੋਸ਼’ ਕਿਸ ਲੇਖਕ ਦੀ ਰਚਨਾ ਹੈ ?

1. ਰਾਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਸ਼ਾਸਤਰੀ
2. ਰੈਲਫ ਫਾਕਸ
3. ਜੌਨ ਡੌਸਨ
4. ਰਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਭਸੀਨ

		A1 :	1
			1
		A2 :	2
			2
		A3 :	3
			3
		A4 :	4
			4

Objective Question

83 24033 ਸੱਤਾ ਅਤੇ ਬਲਵੰਡ ਦੁਆਰਾ ਰਚਿਤ ਬਾਣੀ 'ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ' ਵਿਚ ਕਿਸ ਕਾਵਿ-ਰੂਪ ਵਿਚ ਦਰਜ ਹੈ ?

1. ਛੰਤ
2. ਸਲੋਕ
3. ਵਾਰ
4. ਚਉਪਦਾ

ਸੱਤਾ ਅਤੇ ਬਲਵੰਡ ਦੁਆਰਾ ਰਚਿਤ ਬਾਣੀ 'ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ' ਵਿਚ ਕਿਸ ਕਾਵਿ-ਰੂਪ ਵਿਚ ਦਰਜ ਹੈ ?

1. ਛੰਤ
2. ਸਲੋਕ
3. ਵਾਰ
4. ਚਉਪਦਾ

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

84 24034 ਸੋਸਿਊਰ ਅਨੁਸਾਰ ਭਾਸ਼ਾਈ ਚਿੰਨ੍ਹ ਆਪਹੁਦਰੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਪਰ ਕੁਝ ਸਥਿਤੀਆਂ ਵਿਚ ਚਿੰਨ੍ਹ ਦੀ ਇਹ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾ ਘੱਟ ਆਪਹੁਦਰੇ ਹੋਣ ਦੀ ਸੰਭਾਵਨਾ ਰੱਖਦੀ ਹੈ। ਇਥੇ ਸੋਸਿਊਰ ਦਾ ਇਸ਼ਾਰਾ ਕਿਸ ਭਾਸ਼ਾਈ ਸਥਿਤੀ ਵੱਲ ਹੈ:

1. ਅਨੁਕਰਣਮੂਲਕ
2. ਪੰਛੀਆਂ ਦੀਆਂ ਆਵਾਜ਼ਾਂ
3. ਭਾਸ਼ਾਈ ਚਿੰਨ੍ਹ ਦਾ ਦੋ ਪਾਸੜ ਵਜੂਦ
4. ਚਿੰਨ੍ਹ ਤੇ ਚਿੰਨ੍ਹਤ ਵਿਚਕਾਰ ਰਿਸ਼ਤਾ

ਸੋਸਿਊਰ ਅਨੁਸਾਰ ਭਾਸ਼ਾਈ ਚਿੰਨ੍ਹ ਆਪਹੁਦਰੇ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਪਰ ਕੁਝ ਸਥਿਤੀਆਂ ਵਿਚ ਚਿੰਨ੍ਹ ਦੀ ਇਹ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾ ਘੱਟ ਆਪਹੁਦਰੇ ਹੋਣ ਦੀ ਸੰਭਾਵਨਾ ਰੱਖਦੀ ਹੈ। ਇਥੇ ਸੋਸਿਊਰ ਦਾ ਇਸ਼ਾਰਾ ਕਿਸ ਭਾਸ਼ਾਈ ਸਥਿਤੀ ਵੱਲ ਹੈ:

1. ਅਨੁਕਰਣਮੂਲਕ
2. ਪੰਛੀਆਂ ਦੀਆਂ ਆਵਾਜ਼ਾਂ
3. ਭਾਸ਼ਾਈ ਚਿੰਨ੍ਹ ਦਾ ਦੋ ਪਾਸੜ ਵਜੂਦ
4. ਚਿੰਨ੍ਹ ਤੇ ਚਿੰਨ੍ਹਤ ਵਿਚਕਾਰ ਰਿਸ਼ਤਾ

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

85 24035

ਧੁਨੀ ਵਿਗਿਆਨ ਦੀ ਮੁੱਖ ਇਕਾਈ ਹੈ :

1. ਧੁਨੀ (Phone)
2. ਧੁਨੀਮ (Phoneme)
3. ਆਵਾਜ਼ (Sound)
4. ਧੁਨੀ ਅਤੇ ਧੁਨੀਮ (Phone and Phoneme)

ਧੁਨੀ ਵਿਗਿਆਨ ਦੀ ਮੁੱਖ ਇਕਾਈ ਹੈ :

1. ਧੁਨੀ (Phone)
2. ਧੁਨੀਮ (Phoneme)
3. ਆਵਾਜ਼ (Sound)
4. ਧੁਨੀ ਅਤੇ ਧੁਨੀਮ (Phone and Phoneme)

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

86 24036

ਕੋਈ ਵੀ ਨਵੀਂ ਥਿਊਰੀ ਪਰੰਪਰਾਈ ਵਿਆਕਰਨ ਨੂੰ ਪੈਰਾਂ ਤੋਂ ਕੱਢ ਨਹੀਂ ਸਕੀ ਸਗੋਂ ਕੋਈ ਵੀ ਹੋਰ ਥਿਊਰੀ ਪਰੰਪਰਾਈ ਥਿਊਰੀ ਦੇ ਸਹਾਰੇ ਤੋਂ ਬਿਨਾਂ ਆਪਣੇ ਪੈਰਾਂ 'ਤੇ ਖਲੋ ਹੀ ਨਹੀਂ ਸਕਦੀ। ਇਹ ਕਥਨ ਕਿਸ ਭਾਸ਼ਾ ਵਿਗਿਆਨੀ ਦਾ ਹੈ ?

1. ਪ੍ਰੋਮ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ
2. ਪਰਮਜੀਤ ਸਿੰਘ ਸਿੱਧੂ
3. ਹਰਕੀਰਤ ਸਿੰਘ
4. ਜੋਗਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਪੁਆਰ

ਕੋਈ ਵੀ ਨਵੀਂ ਥਿਊਰੀ ਪਰੰਪਰਾਈ ਵਿਆਕਰਨ ਨੂੰ ਪੈਰਾਂ ਤੋਂ ਕੱਢ ਨਹੀਂ ਸਕੀ ਸਗੋਂ ਕੋਈ ਵੀ ਹੋਰ ਥਿਊਰੀ ਪਰੰਪਰਾਈ ਥਿਊਰੀ ਦੇ ਸਹਾਰੇ ਤੋਂ ਬਿਨਾਂ ਆਪਣੇ ਪੈਰਾਂ 'ਤੇ ਖਲੋ ਗੀ ਨਹੀਂ ਸਕਦੀ। ਇਹ ਕਥਨ ਕਿਸ ਭਾਸ਼ਾ ਵਿਗਿਆਨੀ ਦਾ ਹੈ ?

1. ਪ੍ਰੇਮ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਸਿੰਘ
2. ਪਰਮਜੀਤ ਸਿੰਘ ਸਿੱਧੂ
3. ਹਰਕੀਰਤ ਸਿੰਘ
4. ਜੋਗਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਪੁਆਰ

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

87 24037

‘ਇਸ ਸਮੇਂ ਤੁਹਾਡਾ ਉੱਥੇ ਜਾਣਾ ਠੀਕ ਨਹੀਂ’ ਵਾਕ ਵਿਚ ‘ਜਾਣਾ’ ਕੀ ਹੈ :

1. ਭਾਵਵਾਚੀ ਕਿਰਦੰਤ
2. ਅਪੂਰਨ ਕਾਰਜ ਕਿਰਦੰਤ
3. ਅਮਿਤ ਕਿਰਿਆ
4. ਕਰਤਰੀ ਕਿਰਦੰਤ

‘ਇਸ ਸਮੇਂ ਤੁਹਾਡਾ ਉੱਥੇ ਜਾਣਾ ਠੀਕ ਨਹੀਂ’ ਵਾਕ ਵਿਚ ‘ਜਾਣਾ’ ਕੀ ਹੈ :

1. ਭਾਵਵਾਚੀ ਕਿਰਦੰਤ
2. ਅਪੂਰਨ ਕਾਰਜ ਕਿਰਦੰਤ
3. ਅਮਿਤ ਕਿਰਿਆ
4. ਕਰਤਰੀ ਕਿਰਦੰਤ

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

88 24038

‘ਕੇ’ ਕਿਸ ਸ਼ਬਦ ਸ਼੍ਰੇਣੀ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਹੈ :

1. ਕਿਰਿਆ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਣ
2. ਯੋਜਕ
3. ਸੰਬੰਧਕ
4. ਨਿਪਾਤ

‘ਕੇ’ ਕਿਸ ਸ਼ਬਦ ਸ਼੍ਰੇਣੀ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਹੈ :

1. ਕਿਰਿਆ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਣ
2. ਯੋਜਕ
3. ਸੰਬੰਧਕ
4. ਨਿਪਾਤ

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

A4 4
:

4

Objective Question

89 24039 ‘ਚੋਰ ਛਾਲ ਮਾਰ ਕੇ, ਕੰਧ ਟੱਪ ਗਿਆ।’ ਵਾਕ ਵਿਚ ਅਧੀਨ ਉਪਵਾਕ ਦੀ ਪਛਾਣ ਕਰੋ :

1. ਚੋਰ ਛਾਲ ਮਾਰ ਕੇ
2. ਕੰਧ ਟੱਪ ਗਿਆ
3. ਛਾਲ ਮਾਰ ਕੇ
4. ਚੋਰ ਕੰਧ ਟੱਪ ਗਿਆ।

‘ਚੋਰ ਛਾਲ ਮਾਰ ਕੇ, ਕੰਧ ਟੱਪ ਗਿਆ।’ ਵਾਕ ਵਿਚ ਅਧੀਨ ਉਪਵਾਕ ਦੀ ਪਛਾਣ ਕਰੋ :

1. ਚੋਰ ਛਾਲ ਮਾਰ ਕੇ
2. ਕੰਧ ਟੱਪ ਗਿਆ
3. ਛਾਲ ਮਾਰ ਕੇ
4. ਚੋਰ ਕੰਧ ਟੱਪ ਗਿਆ।

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

A4 4
:

4

Objective Question

90 24040 ਕਾਰਕ ਇੱਕ ਸੰਬੰਧਵਾਚੀ ਵਿਆਕਰਨਿਕ ਸੰਕਲਪ ਹੈ ਅਤੇ ਕਾਰਕੀ ਸੰਬੰਧਾਂ ਨੂੰ ਪ੍ਰਗਟ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਇਸ ਸੰਕਲਪ ਦੀ ਹੋਂਦ ਭਾਸ਼ਾ ਦੀ ਭਾਵ ਬਣਤਰ ਵਿਚ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਫਿਰ ਬਾਹਰੀ ਬਣਤਰ ਵਿਚ ਇਸ ਨੂੰ ਪ੍ਰਗਟ ਕਿਵੇਂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ?

1. ਕੇਵਲ ਵਿਭਕਤੀਆਂ ਰਾਹੀਂ
2. ਕੇਵਲ ਸੰਬੰਧਕਾਂ ਰਾਹੀਂ
3. ਕੇਵਲ ਪਦ-ਕ੍ਰਮ ਰਾਹੀਂ
4. ਵਿਭਕਤੀਆਂ, ਸੰਬੰਧਕਾਂ ਅਤੇ ਪਦ-ਕ੍ਰਮ ਰਾਹੀਂ

ਕਾਰਕ ਇੱਕ ਸੰਬੰਧਵਾਚੀ ਵਿਆਕਰਨਿਕ ਸੰਕਲਪ ਹੈ ਅਤੇ ਕਾਰਕੀ ਸੰਬੰਧਾਂ ਨੂੰ ਪ੍ਰਗਟ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਇਸ ਸੰਕਲਪ ਦੀ ਹੋਂਦ ਭਾਸ਼ਾ ਦੀ ਭਾਵ ਬਣਤਰ ਵਿਚ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਫਿਰ ਬਾਹਰੀ ਬਣਤਰ ਵਿਚ ਇਸ ਨੂੰ ਪ੍ਰਗਟ ਕਿਵੇਂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ?

1. ਕੇਵਲ ਵਿਭਕਤੀਆਂ ਰਾਹੀਂ
2. ਕੇਵਲ ਸੰਬੰਧਕਾਂ ਰਾਹੀਂ
3. ਕੇਵਲ ਪਦ-ਕ੍ਰਮ ਰਾਹੀਂ
4. ਵਿਭਕਤੀਆਂ, ਸੰਬੰਧਕਾਂ ਅਤੇ ਪਦ-ਕ੍ਰਮ ਰਾਹੀਂ

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

91 24041

ਰਘੁਬੀਰ ਢੰਡ ਨੂੰ ਨਸਲੀ ਵਿਤਕਰੇ ਤੋਂ ਮੁਕਤ ਜੀਵਨ ਦਾ ਸੁਪਨੇਸਾਜ਼ ਕਿਸ ਆਲੋਚਕ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ :

1. ਹਰਬਖਸ਼ ਮਕਸੂਦਪੁਰੀ
2. ਹਰਚੰਦ ਸਿੰਘ ਬੇਦੀ
3. ਸਵਰਨ ਚੰਦਨ
4. ਪ੍ਰੀਤਮ ਸਿੰਘ ਕੋਥੇ

ਰਘੁਬੀਰ ਢੰਡ ਨੂੰ ਨਸਲੀ ਵਿਤਕਰੇ ਤੋਂ ਮੁਕਤ ਜੀਵਨ ਦਾ ਸੁਪਨੇਸਾਜ਼ ਕਿਸ ਆਲੋਚਕ ਨੇ ਕਿਹਾ ਹੈ :

1. ਹਰਬਖਸ਼ ਮਕਸੂਦਪੁਰੀ
2. ਹਰਚੰਦ ਸਿੰਘ ਬੇਦੀ
3. ਸਵਰਨ ਚੰਦਨ
4. ਪ੍ਰੀਤਮ ਸਿੰਘ ਕੋਥੇ

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

92 24042

'ਰਾਵੀ ਵਿਰਸਾ' ਕਿਤਾਬ ਦੇ ਲੇਖਕ ਅਤੇ ਅਨੁਵਾਦਕ ਦਾ ਸਹੀ ਜੁੱਟ ਚੁਣੋ :

a. ਅਸਰਾਰ ਵਜ਼ਾਹਦ	i. ਤੇਜਵੰਤ ਗਿੱਲ
b. ਨੈਨ ਸੁੱਖ	ii. ਮਹਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਬੇਦੀ
c. ਫ਼ਖਰ ਜ਼ਮਾਨ	iii. ਤਰਲੋਚਨ ਸਿੰਘ ਬੇਦੀ
d. ਅਸਰਾਰ ਅਫਗਾਨ	iv. ਬਲਰਾਮ

ਉਪਰੋਕਤ ਦਾ ਸਹੀ ਮਿਲਾਨ ਹੈ :

1. a-ii
2. b-i
3. c-iv
4. d-iii

'ਰਾਵੀ ਵਿਰਸਾ' ਕਿਤਾਬ ਦੇ ਲੇਖਕ ਅਤੇ ਅਨੁਵਾਦਕ ਦਾ ਸਹੀ ਜੁੱਟ ਚੁਣੋ :

a. ਅਸਰਾਰ ਵਜ਼ਾਹਦ	i. ਤੇਜਵੰਤ ਗਿੱਲ
b. ਨੈਨ ਸੁੱਖ	ii. ਮਹਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਬੇਦੀ
c. ਫ਼ਖਰ ਜ਼ਮਾਨ	iii. ਤਰਲੋਚਨ ਸਿੰਘ ਬੇਦੀ
d. ਅਸਰਾਰ ਅਫਗਾਨ	iv. ਬਲਰਾਮ

ਉਪਰੋਕਤ ਦਾ ਸਹੀ ਮਿਲਾਨ ਹੈ :

1. a-ii
2. b-i
3. c-iv
4. d-iii

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

93 24043

M.L.A. ਸਟਾਈਲ ਸ਼ੀਟ ਤੋਂ ਕੀ ਭਾਵ ਹੈ ?

1. Modern Language Association of America
2. Linguistic Society of America
3. Modern Linguistic Association
4. Modern Language Association

M.L.A. ਸਟਾਈਲ ਸ਼ੀਟ ਤੋਂ ਕੀ ਭਾਵ ਹੈ ?

1. Modern Language Association of America
2. Linguistic Society of America
3. Modern Linguistic Association
4. Modern Language Association

A1
:

1

		A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4
Objective Question		
94	24044	ਸਾਹਿਤ ਖੋਜ ਲਈ ਵਿਗਿਆਨਕ ਬਿਰਤੀ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ, ਪਰ ਇਹ ਵਿਗਿਆਨ ਨਹੀਂ। ਵਿਗਿਆਨ ਵਾਂਗ ਹੀ ਸਾਹਿਤਕ ਖੋਜ ਤੱਥ-ਆਧਾਰਿਤ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਦੀ ਵਿਆਖਿਆ ਵੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਸਾਮਗਰੀ ਅਤੇ ਗਵਾਹੀ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਪਰ ਸਾਹਿਤਕ ਖੋਜ ਦੀ ਆਪਣੇ ਸਭਿਆਚਾਰਕ ਅਤੀਤ ਪ੍ਰਤੀ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਇਤਨੀ ਪੱਕੀ ਤੇ ਵੱਡੀ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਨਿਰੋਲ ਵਿਗਿਆਨ ਬਣਨ ਦਾ ਤਾਂ ਸੁਪਨਾ ਵੀ ਨਹੀਂ ਲੈ ਸਕਦੀ। ਉਪਰੋਕਤ ਕਥਨ ਕਿਸ ਵਿਦਵਾਨ ਦਾ ਹੈ : 1. ਪਿਆਰ ਸਿੰਘ 2. ਕੇਸਰ ਸਿੰਘ 3. ਹਰਿਭਜਨ ਸਿੰਘ 4. ਅਤਰ ਸਿੰਘ ਸਾਹਿਤ ਖੋਜ ਲਈ ਵਿਗਿਆਨਕ ਬਿਰਤੀ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ, ਪਰ ਇਹ ਵਿਗਿਆਨ ਨਹੀਂ। ਵਿਗਿਆਨ ਵਾਂਗ ਹੀ ਸਾਹਿਤਕ ਖੋਜ ਤੱਥ-ਆਧਾਰਿਤ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਦੀ ਵਿਆਖਿਆ ਵੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਸਾਮਗਰੀ ਅਤੇ ਗਵਾਹੀ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਪਰ ਸਾਹਿਤਕ ਖੋਜ ਦੀ ਆਪਣੇ ਸਭਿਆਚਾਰਕ ਅਤੀਤ ਪ੍ਰਤੀ ਜ਼ਿੰਮੇਵਾਰੀ ਇਤਨੀ ਪੱਕੀ ਤੇ ਵੱਡੀ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਨਿਰੋਲ ਵਿਗਿਆਨ ਬਣਨ ਦਾ ਤਾਂ ਸੁਪਨਾ ਵੀ ਨਹੀਂ ਲੈ ਸਕਦੀ। ਉਪਰੋਕਤ ਕਥਨ ਕਿਸ ਵਿਦਵਾਨ ਦਾ ਹੈ : 1. ਪਿਆਰ ਸਿੰਘ 2. ਕੇਸਰ ਸਿੰਘ 3. ਹਰਿਭਜਨ ਸਿੰਘ 4. ਅਤਰ ਸਿੰਘ A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4
Objective Question		
95	24045	ਭਾਈ ਕਾਨ੍ਹ ਸਿੰਘ ਨਾਭਾ ਦੇ ' ਗੁਰ ਸ਼ਬਦ ਰਤਨਾਕਰ ਮਹਾਨ ਕੋਸ਼ ' ਦਾ ਰਚਨਾ ਕਾਲ ਅਤੇ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨਾ ਵਰ੍ਹੇ ਦਾ ਸਹੀ ਜੁੱਟ ਹੈ : 1. 1900 ਤੋਂ 1925 ਤੱਕ ਲਿਖਿਆ ਗਿਆ ਅਤੇ 1926 ਵਿਚ ਪਹਿਲੀ ਵਾਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ ਹੋਇਆ। 2. 1912 ਤੋਂ 1926 ਤੱਕ ਲਿਖਿਆ ਗਿਆ ਅਤੇ 1930 ਵਿਚ ਪਹਿਲੀ ਵਾਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ ਹੋਇਆ। 3. 1925 ਤੋਂ 1930 ਤੱਕ ਲਿਖਿਆ ਗਿਆ ਅਤੇ 1930 ਵਿਚ ਹੀ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ ਹੋਇਆ। 4. 1912 ਤੋਂ 1930 ਤੱਕ ਲਿਖਿਆ ਗਿਆ ਅਤੇ 1930 ਵਿਚ ਹੀ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ ਹੋਇਆ।

ਭਾਈ ਕਾਨ੍ਹ ਸਿੰਘ ਨਾਭਾ ਦੇ ' ਗੁਰ ਸ਼ਬਦ ਰਤਨਾਕਰ ਮਹਾਨ ਕੋਸ਼ ' ਦਾ ਰਚਨਾ ਕਾਲ ਅਤੇ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨਾ ਵਰ੍ਹੇ ਦਾ ਸਹੀ ਜੁੱਟ ਹੈ :

1. 1900 ਤੋਂ 1925 ਤੱਕ ਲਿਖਿਆ ਗਿਆ ਅਤੇ 1926 ਵਿਚ ਪਹਿਲੀ ਵਾਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ ਹੋਇਆ।
2. 1912 ਤੋਂ 1926 ਤੱਕ ਲਿਖਿਆ ਗਿਆ ਅਤੇ 1930 ਵਿਚ ਪਹਿਲੀ ਵਾਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ ਹੋਇਆ।
3. 1925 ਤੋਂ 1930 ਤੱਕ ਲਿਖਿਆ ਗਿਆ ਅਤੇ 1930 ਵਿਚ ਹੀ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ ਹੋਇਆ।
4. 1912 ਤੋਂ 1930 ਤੱਕ ਲਿਖਿਆ ਗਿਆ ਅਤੇ 1930 ਵਿਚ ਹੀ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ ਹੋਇਆ।

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

96 24046

‘ਧਰਤੀ ਪੰਜ ਦਰਿਆਈ’ ਕਿਤਾਬ ਦਾ ਮੂਲ ਲੇਖਕ ਹੈ :

1. ਫ਼ਖ਼ਰ ਜ਼ਮਾਨ
2. ਨਜ਼ਮ ਹੁਸੈਨ ਸਈਅਦ
3. ਨੈਨ ਸੁਖ
4. ਪਰਮਜੀਤ ਸਿੰਘ ਮੀਸ਼ਾ

‘ਧਰਤੀ ਪੰਜ ਦਰਿਆਈ’ ਕਿਤਾਬ ਦਾ ਮੂਲ ਲੇਖਕ ਹੈ :

1. ਫ਼ਖ਼ਰ ਜ਼ਮਾਨ
2. ਨਜ਼ਮ ਹੁਸੈਨ ਸਈਅਦ
3. ਨੈਨ ਸੁਖ
4. ਪਰਮਜੀਤ ਸਿੰਘ ਮੀਸ਼ਾ

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

97 24047

ਟੈਰੀ ਈਗਲਟਨ ਨੇ ਕਿਸ ਨਵ-ਮਾਰਕਸਵਾਦੀ ਚਿੰਤਕ ਦੇ ਸਿਧਾਂਤ ਨੂੰ ਰਾਜਨੀਤੀ ਦੇ ਪੱਖ ਤੋਂ ਕਮਜ਼ੋਰ ਕਿਹਾ ਹੈ :

1. ਲੂਈ ਅਲਬੁਸਰ
2. ਫਰੈਡਰਿਕ ਜੇਮਸਨ
3. ਰੋਲਾਂ ਬਾਰਤ
4. ਮਿਸ਼ੇਲ ਫੂਕੋ

ਟੈਰੀ ਈਗਲਟਨ ਨੇ ਕਿਸ ਨਵ-ਮਾਰਕਸਵਾਦੀ ਚਿੰਤਕ ਦੇ ਸਿਧਾਂਤ ਨੂੰ ਰਾਜਨੀਤੀ ਦੇ ਪੱਖ ਤੋਂ ਕਮਜ਼ੋਰ ਕਿਹਾ ਹੈ :

1. ਲੂਈ ਅਲਬੁਸਰ
2. ਫਰੈਡਰਿਕ ਜੇਮਸਨ
3. ਰੋਲਾਂ ਬਾਰਤ
4. ਮਿਸ਼ੇਲ ਫੂਕੋ

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

98 24048

ਸੰਯੁਕਤ ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਹਿਤ ਦੀ ਇਤਿਹਾਸਕਾਰੀ ਦੇ ਕਿਹੜੇ ਮਸਲੇ ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਹਨ ?

- a. ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਹਿਤ ਦੇ ਪ੍ਰਾਚੀਨ, ਮੱਧਕਾਲੀਨ ਅਤੇ ਆਧੁਨਿਕ ਇਤਿਹਾਸ ਦੀ ਇਕਸਾਰ ਕਾਲ-ਵੰਡ ਅਤੇ ਵਰਗੀਕਰਨ
- b. ਧਾਰਮਿਕ ਤੇ ਫਿਰਕੂ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀਆਂ ਨੂੰ ਨਕਾਰਨਾ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਉਤਪੰਨ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਇਤਿਹਾਸਕ ਪ੍ਰਸਥਿਤੀਆਂ ਨਾਲ ਨਜਿੱਠ ਕੇ, ਵਿਸ਼ਾਲ ਅਤੇ ਜੀਵੰਤ ਪੰਜਾਬੀਅਤ ਦੀ ਭਾਵਨਾ ਨੂੰ ਸਵੀਕਾਰਨਾ
- c. ਪਰਵਾਸੀ ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਹਿਤ ਦੇ ਪਾਰ-ਸਭਿਆਚਾਰਿਕ ਸਰੋਕਾਰਾਂ ਤੇ ਸੰਚਾਰ ਵੱਖਰਤਾਵਾਂ ਦੀ ਨਿਸ਼ਾਨਦੇਹੀ ਕਰਨੀ
- d. ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਦੀ ਕੌਮਾਂਤਰੀ ਲਿਪੀ ਦੀ ਸਿਰਜਣਾ

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ:

1. a, b, d
2. b, c, d
3. a, c, d
4. a, b, c

ਸੰਯੁਕਤ ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਹਿਤ ਦੀ ਇਤਿਹਾਸਕਾਰੀ ਦੇ ਕਿਹੜੇ ਮਸਲੇ ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਹਨ ?

- a. ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਹਿਤ ਦੇ ਪ੍ਰਾਚੀਨ, ਮੱਧਕਾਲੀਨ ਅਤੇ ਆਧੁਨਿਕ ਇਤਿਹਾਸ ਦੀ ਇਕਸਾਰ ਕਾਲ-ਵੰਡ ਅਤੇ ਵਰਗੀਕਰਨ
- b. ਧਾਰਮਿਕ ਤੇ ਫਿਰਕੂ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀਆਂ ਨੂੰ ਨਕਾਰਨਾ ਅਤੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਉਤਪੰਨ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਇਤਿਹਾਸਕ ਪ੍ਰਸਥਿਤੀਆਂ ਨਾਲ ਨਜਿੱਠ ਕੇ, ਵਿਸ਼ਾਲ ਅਤੇ ਜੀਵੰਤ ਪੰਜਾਬੀਅਤ ਦੀ ਭਾਵਨਾ ਨੂੰ ਸਵੀਕਾਰਨਾ
- c. ਪਰਵਾਸੀ ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਹਿਤ ਦੇ ਪਾਰ-ਸਭਿਆਚਾਰਿਕ ਸਰੋਕਾਰਾਂ ਤੇ ਸੰਚਾਰ ਵੱਖਰਤਾਵਾਂ ਦੀ ਨਿਸ਼ਾਨਦੇਹੀ ਕਰਨੀ
- d. ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਦੀ ਕੌਮਾਂਤਰੀ ਲਿਪੀ ਦੀ ਸਿਰਜਣਾ

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ:

1. a, b, d
2. b, c, d
3. a, c, d
4. a, b, c

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

		3
	A4	4
	:	4
		4
Objective Question		
99	24049	ਕਬਿੱਤ ਛੰਦ ਲਈ ਹੋਰ ਨਾਉਂ ਕਿਹੜੇ ਵਰਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ? a. ਕਾਵਿਤ੍ਰ b. ਮਨਹਰ c. ਮਨਹਰਣ d. ਸਮਪਦ ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ: 1. a ਅਤੇ b 2. b ਅਤੇ c 3. c ਅਤੇ d 4. a ਅਤੇ d ਕਬਿੱਤ ਛੰਦ ਲਈ ਹੋਰ ਨਾਉਂ ਕਿਹੜੇ ਵਰਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ? a. ਕਾਵਿਤ੍ਰ b. ਮਨਹਰ c. ਮਨਹਰਣ d. ਸਮਪਦ ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ: 1. a ਅਤੇ b 2. b ਅਤੇ c 3. c ਅਤੇ d 4. a ਅਤੇ d A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4
Objective Question		
100	24050	

ਰੂਸੀ ਰੂਪਵਾਦੀ ਆਲੋਚਨਾ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਦੇ ਸਰੂਪ ਅਤੇ ਸੁਭਾਅ ਬਾਰੇ ਕਿਹੜੇ ਕਥਨ ਸਹੀ ਹਨ ?

- ਇਸ ਆਲੋਚਨਾ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਨੇ ਸਾਹਿਤਕ ਭਾਸ਼ਾ ਦੀ ਵਿਲੱਖਣਤਾ ਨੂੰ ਪਛਾਨਣ ਉੱਤੇ ਜ਼ੋਰ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ।
- ਇਹ ਆਲੋਚਨਾ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਸਾਹਿਤ ਦੇ ਅਧਿਐਨ ਲਈ ਵਸਤੂ ਨਾਲੋਂ ਰੂਪ ਨੂੰ ਵਧੇਰੇ ਮਹੱਤਵ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਦੀ ਹੈ।
- ਇਸ ਨੇ ਸਾਹਿਤ ਦੀ ਹੋਂਦ ਵਿਧੀ ਦਾ ਰਹੱਸ ਤਕਨੀਕ ਜਾਂ ਸ਼ਿਲਪ ਵਿੱਚੋਂ ਤਲਾਸ਼ ਕਰਨ ਦਾ ਉਪਰਾਲਾ ਕੀਤਾ।
- ਇਸ ਅਨੁਸਾਰ ਸਾਹਿਤਕ ਭਾਸ਼ਾ ਪਾਰਦਰਸ਼ੀ ਨਹੀਂ ਸਗੋਂ ਅਪਾਰਦਰਸ਼ੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ:

- b, c, d
- a, b, d
- a, c, d
- a, b, c

ਰੂਸੀ ਰੂਪਵਾਦੀ ਆਲੋਚਨਾ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਦੇ ਸਰੂਪ ਅਤੇ ਸੁਭਾਅ ਬਾਰੇ ਕਿਹੜੇ ਕਥਨ ਸਹੀ ਹਨ ?

- ਇਸ ਆਲੋਚਨਾ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਨੇ ਸਾਹਿਤਕ ਭਾਸ਼ਾ ਦੀ ਵਿਲੱਖਣਤਾ ਨੂੰ ਪਛਾਨਣ ਉੱਤੇ ਜ਼ੋਰ ਨਹੀਂ ਦਿੱਤਾ।
- ਇਹ ਆਲੋਚਨਾ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਸਾਹਿਤ ਦੇ ਅਧਿਐਨ ਲਈ ਵਸਤੂ ਨਾਲੋਂ ਰੂਪ ਨੂੰ ਵਧੇਰੇ ਮਹੱਤਵ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਦੀ ਹੈ।
- ਇਸ ਨੇ ਸਾਹਿਤ ਦੀ ਹੋਂਦ ਵਿਧੀ ਦਾ ਰਹੱਸ ਤਕਨੀਕ ਜਾਂ ਸ਼ਿਲਪ ਵਿੱਚੋਂ ਤਲਾਸ਼ ਕਰਨ ਦਾ ਉਪਰਾਲਾ ਕੀਤਾ।
- ਇਸ ਅਨੁਸਾਰ ਸਾਹਿਤਕ ਭਾਸ਼ਾ ਪਾਰਦਰਸ਼ੀ ਨਹੀਂ ਸਗੋਂ ਅਪਾਰਦਰਸ਼ੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ:

- b, c, d
- a, b, d
- a, c, d
- a, b, c

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

Objective Question

101 24051

ਵਿਅੰਗ ਅਰਥ ਦੇ ਮਹੱਤਵ ਅਨੁਸਾਰ ਆਨੰਦ ਵਰਧਨ ਨੇ ਕਾਵਿ ਦੇ ਕਿਹੜੇ ਭੇਦ ਪਛਾਣੇ ਹਨ ?

- ਉੱਤਮ-ਕਾਵਿ
- ਮੱਧਮ-ਕਾਵਿ
- ਅਗਮ-ਕਾਵਿ
- ਅਧਮ-ਕਾਵਿ

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ:

- a, b, c
- a, b, d
- b, c, d
- a, c, d

ਵਿਅੰਗ ਅਰਥ ਦੇ ਮਹੱਤਵ ਅਨੁਸਾਰ ਆਨੰਦ ਵਰਧਨ ਨੇ ਕਾਵਿ ਦੇ ਕਿਹੜੇ ਭੇਦ ਪਛਾਣੇ ਹਨ ?

- a. ਉੱਤਮ-ਕਾਵਿ
- b. ਮੱਧਮ-ਕਾਵਿ
- c. ਅਗਮ-ਕਾਵਿ
- d. ਅਧਮ-ਕਾਵਿ

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ:

- 1. a, b, c
- 2. a, b, d
- 3. b, c, d
- 4. a, c, d

A1

:

1

A2

:

2

A3

:

3

A4

:

4

Objective Question

102 24052

ਹਰਕੀਰਤ ਸਿੰਘ ਅਨੁਸਾਰ ਪੀਲੂ ਰਚਿਤ ਕਿੱਸਾ ਮਿਰਜ਼ਾ-ਸਾਹਿਬਾਂ ਦੀ ਭਾਸ਼ਾ ਹੈ :

- a. ਮਾਝੀ
- b. ਝਾਂਗੀ
- c. ਮੁਲਤਾਨੀ
- d. ਲਹਿੰਦੀ

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ:

- 1. a ਅਤੇ d
- 2. c ਅਤੇ d
- 3. b ਅਤੇ d
- 4. a ਅਤੇ c

ਹਰਕੀਰਤ ਸਿੰਘ ਅਨੁਸਾਰ ਪੀਲੂ ਰਚਿਤ ਕਿੱਸਾ ਮਿਰਜ਼ਾ-ਸਾਹਿਬਾਂ ਦੀ ਭਾਸ਼ਾ ਹੈ :

- a. ਮਾਝੀ
- b. ਝਾਂਗੀ
- c. ਮੁਲਤਾਨੀ
- d. ਲਹਿੰਦੀ

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ:

- 1. a ਅਤੇ d
- 2. c ਅਤੇ d
- 3. b ਅਤੇ d
- 4. a ਅਤੇ c

A1

:

1

A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

103 24053

ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਕਥਨਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਕਿਹੜਾ ਸਹੀ ਹੈ :

- ਯੁੱਧ ਸੰਬੰਧੀ ਲਿਖੀਆਂ ਵਾਰਾਂ ਵਿਚ ਟੱਕਰ ਸੁਖਮ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਅਧਿਆਤਮਕ ਵਾਰਾਂ ਵਿਚ ਟੱਕਰ ਦਾ ਸਰੂਪ ਸਥੂਲ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।
- ਵਾਰ ਸਦਾ ਪਉੜੀਆਂ ਵਿਚ ਲਿਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।
- ਵਾਰ ਦਾ ਵਿਸ਼ਾ ਹਮੇਸ਼ਾ ਇਤਿਹਾਸਕ ਘਟਨਾ 'ਤੇ ਆਧਾਰਿਤ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।
- ਟੱਕਰ ਜਾਂ ਸੰਘਰਸ਼ ਦੀ ਪ੍ਰਬਲਤਾ ਵਾਰ ਦਾ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਅੰਗ ਹੈ।

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ:

- a ਅਤੇ b
- b ਅਤੇ d
- a ਅਤੇ c
- c ਅਤੇ d

ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਕਥਨਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਕਿਹੜਾ ਸਹੀ ਹੈ :

- ਯੁੱਧ ਸੰਬੰਧੀ ਲਿਖੀਆਂ ਵਾਰਾਂ ਵਿਚ ਟੱਕਰ ਸੁਖਮ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਅਧਿਆਤਮਕ ਵਾਰਾਂ ਵਿਚ ਟੱਕਰ ਦਾ ਸਰੂਪ ਸਥੂਲ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।
- ਵਾਰ ਸਦਾ ਪਉੜੀਆਂ ਵਿਚ ਲਿਖੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।
- ਵਾਰ ਦਾ ਵਿਸ਼ਾ ਹਮੇਸ਼ਾ ਇਤਿਹਾਸਕ ਘਟਨਾ 'ਤੇ ਆਧਾਰਿਤ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।
- ਟੱਕਰ ਜਾਂ ਸੰਘਰਸ਼ ਦੀ ਪ੍ਰਬਲਤਾ ਵਾਰ ਦਾ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਅੰਗ ਹੈ।

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ:

- a ਅਤੇ b
- b ਅਤੇ d
- a ਅਤੇ c
- c ਅਤੇ d

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

104 24054

ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਵਿਚ ਭਗਤ ਜੈਦੇਵ ਦੀ ਬਾਣੀ ਕਿਹੜੇ ਰਾਗਾਂ ਵਿਚ ਮਿਲਦੀ ਹੈ :

- a. ਗੁਜਰੀ
- b. ਮਾਰੂ
- c. ਆਸਾ
- d. ਧਨਾਸਰੀ

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ:

- 1. a ਅਤੇ c
- 2. c ਅਤੇ d
- 3. a ਅਤੇ b
- 4. a ਅਤੇ d

ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਵਿਚ ਭਗਤ ਜੈਦੇਵ ਦੀ ਬਾਣੀ ਕਿਹੜੇ ਰਾਗਾਂ ਵਿਚ ਮਿਲਦੀ ਹੈ :

- a. ਗੁਜਰੀ
- b. ਮਾਰੂ
- c. ਆਸਾ
- d. ਧਨਾਸਰੀ

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ:

- 1. a ਅਤੇ c
- 2. c ਅਤੇ d
- 3. a ਅਤੇ b
- 4. a ਅਤੇ d

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

105 24055

ਸਵਰਾਜਬੀਰ ਦੇ ਨਾਟਕਾਂ ਦਾ ਸਹੀ ਜੁੱਟ ਹੈ :

- a. ਮੇਦਨੀ, ਸ਼ਾਇਰੀ
- b. ਧਰਮ ਗੁਰੂ, ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ
- c. ਬੁੱਲ੍ਹਾ, ਦਾਇਰੇ
- d. ਮਸੀਹਾ, ਸਾਰਾਗੜ੍ਹੀ

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ :

- 1. a ਅਤੇ b
- 2. b ਅਤੇ c
- 3. a ਅਤੇ d
- 4. c ਅਤੇ d

ਸਵਰਾਜਬੀਰ ਦੇ ਨਾਟਕਾਂ ਦਾ ਸਹੀ ਜੁੱਟ ਹੈ :

- ਮੇਦਨੀ, ਸ਼ਾਇਰੀ
- ਧਰਮ ਗੁਰੂ, ਕ੍ਰਿਸ਼ਨ
- ਬੁੱਲ੍ਹਾ, ਦਾਇਰੇ
- ਮਸੀਹਾ, ਸਾਰਾਗੜ੍ਹੀ

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ :

- a ਅਤੇ b
- b ਅਤੇ c
- a ਅਤੇ d
- c ਅਤੇ d

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

106 24056

ਪੰਜਾਬੀ ਨਾਟਕ ਸੰਬੰਧੀ ਉਪਾਧੀ ਸਾਪੇਖ ਖੋਜ ਕਾਰਜ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਵਿਦਵਾਨ ਹਨ :

- ਕੁਲਦੀਪ ਸਿੰਘ ਧੀਰ
- ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ ਫੁੱਲ
- ਬਖ਼ਸ਼ੀਸ਼ ਸਿੰਘ ਜੌਹਲ
- ਸਤੀਸ਼ ਕੁਮਾਰ ਵਰਮਾ

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ :

- a, b, c
- a, b, d
- b, c, d
- a, c, d

ਪੰਜਾਬੀ ਨਾਟਕ ਸੰਬੰਧੀ ਉਪਾਧੀ ਸਾਪੇਖ ਖੋਜ ਕਾਰਜ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਵਿਦਵਾਨ ਹਨ :

- ਕੁਲਦੀਪ ਸਿੰਘ ਧੀਰ
- ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ ਫੁੱਲ
- ਬਖ਼ਸ਼ੀਸ਼ ਸਿੰਘ ਜੌਹਲ
- ਸਤੀਸ਼ ਕੁਮਾਰ ਵਰਮਾ

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ :

- a, b, c
- a, b, d
- b, c, d
- a, c, d

A1
:

1

A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

107 24057

ਇਕਾਂਗੀ ਤੇ ਇਕਾਂਗੀਕਾਰ ਦਾ ਸਹੀ ਜੁੱਟ ਹੈ :

- ਬੰਬ ਕੇਸ - ਬਲਵੰਤ ਗਾਰਗੀ
- ਕੱਚ ਦਾ ਗਜਰਾ - ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ ਖੋਸਲਾ
- ਪਰਵਾਨਾ-ਏ-ਆਜ਼ਾਦੀ - ਰੋਸ਼ਨ ਲਾਲ ਅਹੂਜਾ
- ਇੱਕ ਐਤਵਾਰ - ਹਰਚਰਨ ਸਿੰਘ

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ:

- b ਅਤੇ c
- c ਅਤੇ d
- a ਅਤੇ c
- a ਅਤੇ b

ਇਕਾਂਗੀ ਤੇ ਇਕਾਂਗੀਕਾਰ ਦਾ ਸਹੀ ਜੁੱਟ ਹੈ :

- ਬੰਬ ਕੇਸ - ਬਲਵੰਤ ਗਾਰਗੀ
- ਕੱਚ ਦਾ ਗਜਰਾ - ਗੁਰਦਿਆਲ ਸਿੰਘ ਖੋਸਲਾ
- ਪਰਵਾਨਾ-ਏ-ਆਜ਼ਾਦੀ - ਰੋਸ਼ਨ ਲਾਲ ਅਹੂਜਾ
- ਇੱਕ ਐਤਵਾਰ - ਹਰਚਰਨ ਸਿੰਘ

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ:

- b ਅਤੇ c
- c ਅਤੇ d
- a ਅਤੇ c
- a ਅਤੇ b

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

108 24058

ਸੰਸਕ੍ਰਿਤ ਤੋਂ ਪੰਜਾਬੀ ਵਿਚ ਅਨੁਵਾਦ ਨਾਟਕਾਂ ਦਾ ਕਿਹੜਾ ਜੁੱਟ ਸਹੀ ਹੈ ?

- ਸਕੁੰਤਲਾ
- ਉਥੈਲੇ
- ਵਿਕ੍ਰਮੋਰਵਸ਼ੀ
- ਮੁੰਦਰੀ ਛਲ

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ :

1. a ਅਤੇ d
2. b ਅਤੇ c
3. b ਅਤੇ d
4. a ਅਤੇ c

ਸੰਸਕ੍ਰਿਤ ਤੋਂ ਪੰਜਾਬੀ ਵਿਚ ਅਨੁਵਾਦ ਨਾਟਕਾਂ ਦਾ ਕਿਹੜਾ ਜੁੱਟ ਸਹੀ ਹੈ ?

- ਸਕੁੰਤਲਾ
- ਉਥੈਲੇ
- ਵਿਕ੍ਰਮੋਰਵਸ਼ੀ
- ਮੁੰਦਰੀ ਛਲ

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ :

1. a ਅਤੇ d
2. b ਅਤੇ c
3. b ਅਤੇ d
4. a ਅਤੇ c

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

109 24059

ਨਾਹਰ ਸਿੰਘ ਅਨੁਸਾਰ ਬੰਦ ਰੂਪ-ਵਿਧਾਨ ਵਾਲੇ ਕਾਵਿ-ਰੂਪ ਹਨ :

- ਮੁਹਾਵਰਾ
- ਬੁਝਾਰਤ
- ਅਖਾਣ
- ਹੇਅਰਾ

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ :

1. a, c, d
2. a, b, c
3. b, c, d
4. a, b, d

ਨਾਹਰ ਸਿੰਘ ਅਨੁਸਾਰ ਬੰਦ ਰੂਪ-ਵਿਧਾਨ ਵਾਲੇ ਕਾਵਿ-ਰੂਪ ਹਨ :

- a. ਮੁਹਾਵਰਾ
- b. ਬੁਝਾਰਤ
- c. ਅਖਾਣ
- d. ਹੇਅਰਾ

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ :

- 1. a, c, d
- 2. a, b, c
- 3. b, c, d
- 4. a, b, d

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

Objective Question

110 24060

ਜਸਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਅਨੁਸਾਰ ਸਭਿਆਚਾਰ ਦੇ ਸੰਗਠਨਮੂਲਕ ਅੰਗ ਹਨ :

- a. ਭੂਗੋਲਿਕ ਖਿੱਤਾ
- b. ਕੀਮਤਾਂ ਤੇ ਪ੍ਰਤੀਮਾਨ
- c. ਸਭਿਆਚਾਰਕ ਸੰਸਥਾਵਾਂ
- d. ਪੈਟਰਨ

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ :

- 1. a, b, c
- 2. a, c, d
- 3. a, b, d
- 4. b, c, d

ਜਸਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਅਨੁਸਾਰ ਸਭਿਆਚਾਰ ਦੇ ਸੰਗਠਨਮੂਲਕ ਅੰਗ ਹਨ :

- a. ਭੂਗੋਲਿਕ ਖਿੱਤਾ
- b. ਕੀਮਤਾਂ ਤੇ ਪ੍ਰਤੀਮਾਨ
- c. ਸਭਿਆਚਾਰਕ ਸੰਸਥਾਵਾਂ
- d. ਪੈਟਰਨ

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ :

- 1. a, b, c
- 2. a, c, d
- 3. a, b, d
- 4. b, c, d

A1 1

:

1

A2 2

:

2

2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

111 24061

ਕਿਹੜਾ ਜੁੱਟ ਸਹੀ ਹੈ :

- a. Allan Dundes - The study of Folklore
- b. R. M. Dorson - Folklore in Context
- c. V. Prop - Theory and History of Folklore
- d. William Bascom - Folklore and Folklife

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ:

- 1. a ਅਤੇ c
- 2. a ਅਤੇ b
- 3. c ਅਤੇ d
- 4. b ਅਤੇ c

ਕਿਹੜਾ ਜੁੱਟ ਸਹੀ ਹੈ :

- a. Allan Dundes - The study of Folklore
- b. R. M. Dorson - Folklore in Context
- c. V. Prop - Theory and History of Folklore
- d. William Bascom - Folklore and Folklife

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ:

- 1. a ਅਤੇ c
- 2. a ਅਤੇ b
- 3. c ਅਤੇ d
- 4. b ਅਤੇ c

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

A4 4
:

4

Objective Question

112 24062

ਪਿਆਰ ਸਿੰਘ ਅਨੁਸਾਰ ਖੋਜ ਦੇ ਪੜਾਵਾਂ ਦਾ ਸਹੀ ਕ੍ਰਮ ਹੈ :

- ਸੁਤਰੀਕਰਨ
- ਤੱਥ-ਅਵਲੋਕਣ
- ਇਕੱਤਰੀਕਰਨ
- ਤੱਥ-ਮੀਮਾਸਾਂ

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ :

- b, c, d, a
- a, b, c, d
- d, c, b, a
- c, b, a, d

ਪਿਆਰ ਸਿੰਘ ਅਨੁਸਾਰ ਖੋਜ ਦੇ ਪੜਾਵਾਂ ਦਾ ਸਹੀ ਕ੍ਰਮ ਹੈ :

- ਸੁਤਰੀਕਰਨ
- ਤੱਥ-ਅਵਲੋਕਣ
- ਇਕੱਤਰੀਕਰਨ
- ਤੱਥ-ਮੀਮਾਸਾਂ

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ :

- b, c, d, a
- a, b, c, d
- d, c, b, a
- c, b, a, d

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

113 24063

ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਫ਼ੀ-ਕਾਵਿ ਦੇ ਖੇਤਰ ਵਿਚ ਉਪਾਧੀ ਸਾਪੇਖ ਖੋਜ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਦਾ ਸਹੀ ਜੁੱਟ ਹੈ :

- ਸਰਵਨ ਸਿੰਘ ਪਰਦੇਸੀ, ਕੁਲਜੀਤ ਕੌਰ
- ਉਧਮ ਸਿੰਘ ਸ਼ਾਹੀ, ਹਰਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਢਿੱਲੋਂ
- ਉਜਾਗਰ ਸਿੰਘ ਸਹਿਗਲ, ਕੁਲਦੀਪ ਕੌਰ ਦੁਸਾਂਝ
- ਉਧਮ ਸਿੰਘ ਸ਼ਾਹੀ, ਉਜਾਗਰ ਸਿੰਘ ਸਹਿਗਲ

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ:

- a ਅਤੇ d
- a ਅਤੇ b
- c ਅਤੇ d
- b ਅਤੇ d

ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਫੀ-ਕਾਵਿ ਦੇ ਖੇਤਰ ਵਿਚ ਉਪਾਧੀ ਸਾਪੇਖ ਖੋਜ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਦਾ ਸਹੀ ਜੁੱਟ ਹੈ :

- ਸਰਵਨ ਸਿੰਘ ਪਰਦੇਸੀ, ਕੁਲਜੀਤ ਕੌਰ
- ਉਧਮ ਸਿੰਘ ਸ਼ਾਹੀ, ਹਰਜਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਢਿੱਲੋਂ
- ਉਜਾਗਰ ਸਿੰਘ ਸਹਿਗਲ, ਕੁਲਦੀਪ ਕੌਰ ਦੁਸਾਂਝ
- ਉਧਮ ਸਿੰਘ ਸ਼ਾਹੀ, ਉਜਾਗਰ ਸਿੰਘ ਸਹਿਗਲ

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ:

- a ਅਤੇ d
- a ਅਤੇ b
- c ਅਤੇ d
- b ਅਤੇ d

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

Objective Question

114 24064

ਪਿਆਰ ਸਿੰਘ ਅਨੁਸਾਰ ਸਿੱਖਿਆ ਦੇ ਖੇਤਰ ਵਿਚ ਵਿਧੀ-ਆਧਾਰਿਤ ਖੋਜ-ਵੰਡ ਦੀਆਂ ਕਿਸਮਾਂ ਹਨ :

- ਇਤਿਹਾਸਕ
- ਸਮੱਸਿਆ ਮੂਲਕ
- ਵਰਣਾਤਮਕ
- ਪ੍ਰਯੋਗਾਤਮਕ

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ :

- a, c, d
- a, b, d
- b, c, d
- a, b, c

ਪਿਆਰ ਸਿੰਘ ਅਨੁਸਾਰ ਸਿੱਖਿਆ ਦੇ ਖੇਤਰ ਵਿਚ ਵਿਧੀ-ਆਧਾਰਿਤ ਖੋਜ-ਵੰਡ ਦੀਆਂ ਕਿਸਮਾਂ ਹਨ :

- ਇਤਿਹਾਸਕ
- ਸਮੱਸਿਆ ਮੂਲਕ
- ਵਰਣਾਤਮਕ
- ਪ੍ਰਯੋਗਾਤਮਕ

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ :

- a, c, d
- a, b, d
- b, c, d
- a, b, c

A1 1

:

1

A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

115 24065

ਪੀਲੂ ਰਚਿਤ ਕਿੱਸਾ ਮਿਰਜ਼ਾ ਸਾਹਿਬਾਂ ਦੇ ਕਿੱਸੇ ਬਾਰੇ ਕਿਹੜੇ ਕਥਨ ਵੇਧੇਰੇ ਸਹੀ ਹਨ :

- ਪੀਲੂ, ਮਿਰਜ਼ਾ ਸਾਹਿਬਾਂ ਦਾ ਕਿੱਸਾ ਰਚਨ ਵਾਲਾ ਪਹਿਲਾ ਕਿੱਸਾਕਾਰ ਨਹੀਂ ਹੈ।
- ਪੀਲੂ ਨੇ ਮਿਰਜ਼ੇ ਦਾ ਜੋ ਬਿੰਬ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਉਹ ਉਸ ਸਮੇਂ ਦੇ ਕਬੀਲਾਦਾਰੀ ਜੁੱਗ ਦੀ ਪ੍ਰਤੀਨਿਧਤਾ ਕਰਦਾ ਹੈ।
- ਪੀਲੂ ਨੇ ਕਿੱਸੇ ਨੂੰ ਰੌਚਿਕ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਵਾਰਤਾਲਾਪੀ ਸ਼ੈਲੀ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਉਹ ਬਹੁਤੇ ਵਿਸਤਾਰ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਜਾਂਦਾ ਬਲਕਿ ਸੰਖੇਪਤਾ ਤੇ ਸੰਜਮ ਤੋਂ ਕੰਮ ਲੈਂਦਾ ਹੈ।
- ਪੀਲੂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਕਿੱਸੇ ਵਿਚ ਮੰਗਲਾਚਰਨ ਨੂੰ ਵਿਸਤਾਰ ਸਹਿਤ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ।

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ:

- b ਅਤੇ c
- a ਅਤੇ c
- b ਅਤੇ d
- a ਅਤੇ d

ਪੀਲੂ ਰਚਿਤ ਕਿੱਸਾ ਮਿਰਜ਼ਾ ਸਾਹਿਬਾਂ ਦੇ ਕਿੱਸੇ ਬਾਰੇ ਕਿਹੜੇ ਕਥਨ ਵੇਧੇਰੇ ਸਹੀ ਹਨ :

- ਪੀਲੂ, ਮਿਰਜ਼ਾ ਸਾਹਿਬਾਂ ਦਾ ਕਿੱਸਾ ਰਚਨ ਵਾਲਾ ਪਹਿਲਾ ਕਿੱਸਾਕਾਰ ਨਹੀਂ ਹੈ।
- ਪੀਲੂ ਨੇ ਮਿਰਜ਼ੇ ਦਾ ਜੋ ਬਿੰਬ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਉਹ ਉਸ ਸਮੇਂ ਦੇ ਕਬੀਲਾਦਾਰੀ ਜੁੱਗ ਦੀ ਪ੍ਰਤੀਨਿਧਤਾ ਕਰਦਾ ਹੈ।
- ਪੀਲੂ ਨੇ ਕਿੱਸੇ ਨੂੰ ਰੌਚਿਕ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਵਾਰਤਾਲਾਪੀ ਸ਼ੈਲੀ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਉਹ ਬਹੁਤੇ ਵਿਸਤਾਰ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਜਾਂਦਾ ਬਲਕਿ ਸੰਖੇਪਤਾ ਤੇ ਸੰਜਮ ਤੋਂ ਕੰਮ ਲੈਂਦਾ ਹੈ।
- ਪੀਲੂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਕਿੱਸੇ ਵਿਚ ਮੰਗਲਾਚਰਨ ਨੂੰ ਵਿਸਤਾਰ ਸਹਿਤ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਹੈ।

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ:

- b ਅਤੇ c
- a ਅਤੇ c
- b ਅਤੇ d
- a ਅਤੇ d

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

116 24066

ਹੇਠ ਲਿਖੀਆਂ ਕਹਾਣੀਆਂ ਅਤੇ ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਪਾਤਰਾਂ ਦਾ ਸਹੀ ਜੁੱਟ ਹੈ :

- ਸਾਂਝ : ਬੰਤੂ - ਜੈਕੂਰ
- ਹਲਵਾਹ : ਸੰਤੀ - ਜੱਗੂ
- ਇਕ ਸਾਧਾਰਣ ਆਦਮੀ : ਜੀਓਣਾ - ਸੱਦਾ ਸਿੰਘ
- ਸਫੈਦ ਪੇਸ਼ : ਸਾਹਬੇ - ਨਿਰੰਜਣ

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ:

- a ਅਤੇ b
- a ਅਤੇ c
- a ਅਤੇ d
- c ਅਤੇ d

ਹੇਠ ਲਿਖੀਆਂ ਕਹਾਣੀਆਂ ਅਤੇ ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਪਾਤਰਾਂ ਦਾ ਸਹੀ ਜੁੱਟ ਹੈ :

- ਸਾਂਝ : ਬੰਤੂ - ਜੈਕੂਰ
- ਹਲਵਾਹ : ਸੰਤੀ - ਜੱਗੂ
- ਇਕ ਸਾਧਾਰਣ ਆਦਮੀ : ਜੀਓਣਾ - ਸੱਦਾ ਸਿੰਘ
- ਸਫੈਦ ਪੇਸ਼ : ਸਾਹਬੇ - ਨਿਰੰਜਣ

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ:

- a ਅਤੇ b
- a ਅਤੇ c
- a ਅਤੇ d
- c ਅਤੇ d

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

Objective Question

117 24067

ਸੂਚੀ-I		ਸੂਚੀ-II	
a.	Lajwanti Rama Krishna	i.	The Sufi Orders in Islam
b.	John A. Subhan	ii.	Punjabi Sufi Poets
c.	J. Spencer Trimingham	iii.	Sufism: Its Saints and Shrines
d.	Gyani Brahma Singh Brahma	iv.	Hazrat Mian Mir and the Sufi Tradition

ਉਪਰੋਕਤ ਦਾ ਸਹੀ ਮਿਲਾਨ ਹੈ :

- a-ii b-iii c-i d-iv
- a-iii b-i c-iv d-ii
- a-ii b-iv c-iii d-i
- a-i b-iii c-iv d-ii

ਸੂਚੀ-I		ਸੂਚੀ-II	
a.	Lajwanti Rama Krishna	i.	The Sufi Orders in Islam
b.	John A. Subhan	ii.	Punjabi Sufi Poets
c.	J. Spencer Trimingham	iii.	Sufism: Its Saints and Shrines
d.	Gyani Brahma Singh Brahma	iv.	Hazrat Mian Mir and the Sufi Tradition

ਉਪਰੋਕਤ ਦਾ ਸਹੀ ਮਿਲਾਨ ਹੈ :

1. a-ii b-iii c-i d-iv
2. a-iii b-i c-iv d-ii
3. a-ii b-iv c-iii d-i
4. a-i b-iii c-iv d-ii

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

118 24068

ਸੂਚੀ-I		ਸੂਚੀ-II	
a.	ਸੋਹਣ ਸਿੰਘ ਸੀਤਲ	i.	ਪੰਜਾਬੀ ਵਾਰਾਂ
b.	ਹਜ਼ਾਰਾ ਸਿੰਘ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰੀ	ii.	ਲੋਕ ਵਾਰਾਂ
c.	ਪਿਆਰਾ ਸਿੰਘ ਪਦਮ	iii.	ਮੇਰੀਆਂ ਢਾਡੀ ਵਾਰਾਂ
d.	ਅਹਿਮਦ ਸਲੀਮ	iv.	ਵਾਰਾਂ ਦੀ ਬਾਦਸ਼ਾਹੀ

ਉਪਰੋਕਤ ਦਾ ਸਹੀ ਮਿਲਾਨ ਹੈ:

1. a-iii b-iv c-i d-ii
2. a-i b-ii c-iv d-iii
3. a-iii b-i c-iv d-ii
4. a- ii b-i c-iv d-iii

ਸੂਚੀ-I		ਸੂਚੀ-II	
a.	ਸੋਹਣ ਸਿੰਘ ਸੀਤਲ	i.	ਪੰਜਾਬੀ ਵਾਰਾਂ
b.	ਹਜ਼ਾਰਾ ਸਿੰਘ ਗੁਰਦਾਸਪੁਰੀ	ii.	ਲੋਕ ਵਾਰਾਂ
c.	ਪਿਆਰਾ ਸਿੰਘ ਪਦਮ	iii.	ਮੇਰੀਆਂ ਢਾਡੀ ਵਾਰਾਂ
d.	ਅਹਿਮਦ ਸਲੀਮ	iv.	ਵਾਰਾਂ ਦੀ ਬਾਦਸ਼ਾਹੀ

ਉਪਰੋਕਤ ਦਾ ਸਹੀ ਮਿਲਾਨ ਹੈ:

1. a-iii b-iv c-i d-ii
2. a-i b-ii c-iv d-iii
3. a-iii b-i c-iv d-ii
4. a- ii b-i c-iv d-iii

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

3
A4
:
4

Objective Question

119 24069

ਹੇਠ ਲਿਖੀਆਂ ਰਚਨਾਵਾਂ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹੋਰ ਪ੍ਰਚਲਤ ਨਾਵਾਂ ਨਾਲ ਸਹੀ ਮਿਲਾਨ ਦਾ ਵਿਕਲਪ ਚੁਣੋ :

ਸੂਚੀ-I		ਸੂਚੀ-II	
a.	ਪੁਰਾਤਨ ਜਨਮਸਾਖੀ	i.	ਗੁਰ ਰਤਨਮਾਲਾ
b.	ਸਿੱਖਾਂ ਦੀ ਭਗਤਮਾਲਾ	ii.	ਗਿਆਨ ਰਤਨਾਵਲੀ
c.	ਸੌ ਸਾਖੀ	iii.	ਵਲੈਤ ਵਾਲੀ ਜਨਮਸਾਖੀ
d.	ਭਾਈ ਮਨੀ ਸਿੰਘ ਵਾਲੀ ਜਨਮਸਾਖੀ	iv.	ਭਗਤ ਰਤਨਾਵਲੀ

ਉਪਰੋਕਤ ਦਾ ਸਹੀ ਮਿਲਾਨ ਹੈ :

1. a-iii b-iv c-i d-ii
2. a-i b-ii c-iv d-iii
3. a-iii b-i c-iv d-ii
4. a- ii b-iv c-i d-iii

ਹੇਠ ਲਿਖੀਆਂ ਰਚਨਾਵਾਂ ਲਈ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹੋਰ ਪ੍ਰਚਲਤ ਨਾਵਾਂ ਨਾਲ ਸਹੀ ਮਿਲਾਨ ਦਾ ਵਿਕਲਪ ਚੁਣੋ :

ਸੂਚੀ-I		ਸੂਚੀ-II	
a.	ਪੁਰਾਤਨ ਜਨਮਸਾਖੀ	i.	ਗੁਰ ਰਤਨਮਾਲਾ
b.	ਸਿੱਖਾਂ ਦੀ ਭਗਤਮਾਲਾ	ii.	ਗਿਆਨ ਰਤਨਾਵਲੀ
c.	ਸੌ ਸਾਖੀ	iii.	ਵਲੈਤ ਵਾਲੀ ਜਨਮਸਾਖੀ
d.	ਭਾਈ ਮਨੀ ਸਿੰਘ ਵਾਲੀ ਜਨਮਸਾਖੀ	iv.	ਭਗਤ ਰਤਨਾਵਲੀ

ਉਪਰੋਕਤ ਦਾ ਸਹੀ ਮਿਲਾਨ ਹੈ :

1. a-iii b-iv c-i d-ii
2. a-i b-ii c-iv d-iii
3. a-iii b-i c-iv d-ii
4. a- ii b-iv c-i d-iii

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

120 24070

ਸੂਚੀ-I		ਸੂਚੀ-II	
a.	ਹਰਕੇਸ਼ ਸਿੰਘ ਕਹਿਲਾ	i.	ਵੇਖੀ ਮਾਣੀ ਦੁਨੀਆ
b.	ਸੋਹਣ ਸਿੰਘ ਸੀਤਲ	ii.	ਯਾਦਾਂ ਦਾ ਸੰਸਾਰ
c.	ਗਿਆਨੀ ਲਾਲ ਸਿੰਘ	iii.	ਮੇਰੀ ਯਾਦ
d.	ਤਾਰਾ ਸਿੰਘ	iv.	ਮੇਰੀ ਜੀਵਨੀ

ਉਪਰੋਕਤ ਦਾ ਸਹੀ ਮਿਲਾਨ ਹੈ:

1. a-iii b-i c-iv d-ii
2. a-ii b-i c-iv d-iii
3. a-i b-iii c-ii d-iv
4. a-ii b-iv c-i d-iii

ਸੂਚੀ-I		ਸੂਚੀ-II	
a.	ਹਰਕੇਸ਼ ਸਿੰਘ ਕਹਿਲਾ	i.	ਵੇਖੀ ਮਾਣੀ ਦੁਨੀਆ
b.	ਸੋਹਣ ਸਿੰਘ ਸੀਤਲ	ii.	ਯਾਦਾਂ ਦਾ ਸੰਸਾਰ
c.	ਗਿਆਨੀ ਲਾਲ ਸਿੰਘ	iii.	ਮੇਰੀ ਯਾਦ
d.	ਤਾਰਾ ਸਿੰਘ	iv.	ਮੇਰੀ ਜੀਵਨੀ

ਉਪਰੋਕਤ ਦਾ ਸਹੀ ਮਿਲਾਨ ਹੈ:

1. a-iii b-i c-iv d-ii
2. a-ii b-i c-iv d-iii
3. a-i b-iii c-ii d-iv
4. a-ii b-iv c-i d-iii

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

121 24071

ਹੇਠ ਲਿਖੀਆਂ ਰਚਨਾਵਾਂ ਦਾ ਇਹਨਾਂ ਦੇ ਸਾਹਿਤ-ਰੂਪਾਂ ਨਾਲ ਸਹੀ ਮਿਲਾਨ ਦਾ ਵਿਕਲਪ ਚੁਣੋ :

ਸੂਚੀ-I		ਸੂਚੀ-II	
a.	ਲਿਖਤਮ ਕਰਮਜੀਤ	i.	ਸਵੈਜੀਵਨੀ
b.	ਸ਼ੜਦੇ ਸਾਜ਼ ਦੀ ਸਰਗਮ	ii.	ਰੋਖਾ-ਚਿੱਤਰ
c.	ਸੱਚੇ ਸੱਚ	iii.	ਚਿੱਠੀਆਂ
d.	ਬੱਦਲਾਂ ਦੇ ਰੰਗ	iv.	ਸਫ਼ਰਨਾਮਾ

ਉਪਰੋਕਤ ਦਾ ਸਹੀ ਮਿਲਾਨ ਹੈ:

1. a-i b-iii c-ii d-iv
2. a-ii b-i c-iv d-iii
3. a-iii b-i c-iv d-ii
4. a-ii b-iv c-iii d-i

ਹੇਠ ਲਿਖੀਆਂ ਰਚਨਾਵਾਂ ਦਾ ਇਹਨਾਂ ਦੇ ਸਾਹਿਤ-ਰੂਪਾਂ ਨਾਲ ਸਹੀ ਮਿਲਾਨ ਦਾ ਵਿਕਲਪ ਚੁਣੋ :

ਸੂਚੀ-I		ਸੂਚੀ-II	
a.	ਲਿਖਤਮ ਕਰਮਜੀਤ	i.	ਸਵੈਜੀਵਨੀ
b.	ਸੜਦੇ ਸਾਜ਼ ਦੀ ਸਰਗਮ	ii.	ਰੋਖਾ-ਚਿੱਤਰ
c.	ਸੱਚੇ ਸੱਚ	iii.	ਚਿੱਠੀਆਂ
d.	ਬੱਦਲਾਂ ਦੇ ਰੰਗ	iv.	ਸਫ਼ਰਨਾਮਾ

ਉਪਰੋਕਤ ਦਾ ਸਹੀ ਮਿਲਾਨ ਹੈ:

1. a-i b-iii c-ii d-iv
2. a-ii b-i c-iv d-iii
3. a-iii b-i c-iv d-ii
4. a-ii b-iv c-iii d-i

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

122 24072

ਸੂਚੀ-I ਨਿਬੰਧ		ਸੂਚੀ-II ਨਿਬੰਧਕਾਰ	
a.	ਜੌਟ ਦਾ ਆਰਟ	i.	ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ
b.	ਲੰਮੀ ਨਦਰ	ii.	ਲਾਲ ਸਿੰਘ ਕਮਲਾ ਅਕਾਲੀ
c.	ਸ਼ਹਿਰ ਦਾ ਨਲਕਾ	iii.	ਪੂਰਨ ਸਿੰਘ
d.	ਵੋਟ ਤੇ ਪਾਲੇਟਿਕਸ	iv.	ਤੋਜਾ ਸਿੰਘ

ਉਪਰੋਕਤ ਦਾ ਸਹੀ ਮਿਲਾਨ ਹੈ:

1. a-ii b-i c-iv d-iii
2. a-iv b-i c-ii d-iii
3. a-i b-iv c-ii d-iii
4. a-iii b-ii c-i d-iv

ਸੂਚੀ-I ਨਿਬੰਧ		ਸੂਚੀ-II ਨਿਬੰਧਕਾਰ	
a.	ਜੌਟ ਦਾ ਆਰਟ	i.	ਬਲਬੀਰ ਸਿੰਘ
b.	ਲੰਮੀ ਨਦਰ	ii.	ਲਾਲ ਸਿੰਘ ਕਮਲਾ ਅਕਾਲੀ
c.	ਸ਼ਹਿਰ ਦਾ ਨਲਕਾ	iii.	ਪੂਰਨ ਸਿੰਘ
d.	ਵੋਟ ਤੇ ਪਾਲੇਟਿਕਸ	iv.	ਤੋਜਾ ਸਿੰਘ

ਉਪਰੋਕਤ ਦਾ ਸਹੀ ਮਿਲਾਨ ਹੈ:

1. a-ii b-i c-iv d-iii
2. a-iv b-i c-ii d-iii
3. a-i b-iv c-ii d-iii
4. a-iii b-ii c-i d-iv

A1
:

1

A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

123 24073

ਸੂਚੀ-I ਅਤੇ ਸੂਚੀ-II ਵਿਚ ਦਰਸਾਏ ਲੇਖਕਾਂ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਜੀਵਨ-ਕਾਲ ਦਾ ਕਿਹੜਾ ਸਹੀ ਮਿਲਾਨ ਹੈ :

ਸੂਚੀ-I		ਸੂਚੀ-II	
a.	ਜਸਵੰਤ ਸਿੰਘ ਨੇਕੀ	i.	1935-2010
b.	ਜਗਤਾਰ	ii.	1925-2015
c.	ਪਾਸ਼	iii.	1934-1985
d.	ਸੋਹਣ ਸਿੰਘ ਮੀਸ਼ਾ	iv.	1950-1988

ਉਪਰੋਕਤ ਦਾ ਸਹੀ ਮਿਲਾਨ ਹੈ :

1. a-iii b-i c-iv d-ii
2. a-ii b-i c-iv d-iii
3. a-i b-ii c-iii d-iv
4. a-iii b-ii c-iv d-i

ਸੂਚੀ-I ਅਤੇ ਸੂਚੀ-II ਵਿਚ ਦਰਸਾਏ ਲੇਖਕਾਂ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਜੀਵਨ-ਕਾਲ ਦਾ ਕਿਹੜਾ ਸਹੀ ਮਿਲਾਨ ਹੈ :

ਸੂਚੀ-I		ਸੂਚੀ-II	
a.	ਜਸਵੰਤ ਸਿੰਘ ਨੇਕੀ	i.	1935-2010
b.	ਜਗਤਾਰ	ii.	1925-2015
c.	ਪਾਸ਼	iii.	1934-1985
d.	ਸੋਹਣ ਸਿੰਘ ਮੀਸ਼ਾ	iv.	1950-1988

ਉਪਰੋਕਤ ਦਾ ਸਹੀ ਮਿਲਾਨ ਹੈ :

1. a-iii b-i c-iv d-ii
2. a-ii b-i c-iv d-iii
3. a-i b-ii c-iii d-iv
4. a-iii b-ii c-iv d-i

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

124 24074

ਸੂਚੀ-I		ਸੂਚੀ-II	
a.	ਰਵਿੰਦਰ ਰਵੀ	i.	ਪ੍ਰਗਤੀਵਾਦੀ
b.	ਜਸਵੰਤ ਸਿੰਘ ਨੇਕੀ	ii.	ਸੁਹਜਵਾਦੀ
c.	ਬਾਵਾ ਬਲਵੰਤ	iii.	ਨਵ-ਰਹੱਸਵਾਦੀ
d.	ਹਰਿਭਜਨ ਸਿੰਘ	iv.	ਪ੍ਰਯੋਗਵਾਦੀ

ਉਪਰੋਕਤ ਸੂਚੀ-I ਅਤੇ ਸੂਚੀ-II ਦਾ ਸਹੀ ਮਿਲਾਨ ਹੈ :

1. a-ii b-i c-iv d-iii
2. a-iii b-i c-iv d-ii
3. a-iv b-iii c-i d-ii
4. a-i b-ii c-iii d-iv

ਸੂਚੀ-I		ਸੂਚੀ-II	
a.	ਰਵਿੰਦਰ ਰਵੀ	i.	ਪ੍ਰਗਤੀਵਾਦੀ
b.	ਜਸਵੰਤ ਸਿੰਘ ਨੇਕੀ	ii.	ਸੁਹਜਵਾਦੀ
c.	ਬਾਵਾ ਬਲਵੰਤ	iii.	ਨਵ-ਰਹੱਸਵਾਦੀ
d.	ਹਰਿਭਜਨ ਸਿੰਘ	iv.	ਪ੍ਰਯੋਗਵਾਦੀ

ਉਪਰੋਕਤ ਸੂਚੀ-I ਅਤੇ ਸੂਚੀ-II ਦਾ ਸਹੀ ਮਿਲਾਨ ਹੈ :

1. a-ii b-i c-iv d-iii
2. a-iii b-i c-iv d-ii
3. a-iv b-iii c-i d-ii
4. a-i b-ii c-iii d-iv

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

125 24075

ਸੂਚੀ-I ਨਾਟਕ		ਸੂਚੀ-II ਨਾਟਕਕਾਰ	
a.	ਵਿਸਮਾਦ ਨਾਦ	i.	ਅਜਮੇਰ ਐਲਖ
b.	ਬਹਿਕਦਾ ਰੋਹ	ii.	ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ ਯੂਮਿਣ
c.	ਟੋਇਆ	iii.	ਮਨਜੀਤਪਾਲ ਕੌਰ
d.	ਸਾਹਿਬਾਂ	iv.	ਗੁਰਸ਼ਰਨ ਸਿੰਘ

ਉਪਰੋਕਤ ਦਾ ਸਹੀ ਮਿਲਾਨ ਹੈ :

1. a-iii b-i c-iv d-ii
2. a-iv b-i c-ii d-iii
3. a-ii b-iii c-iv d-i
4. a-ii b-i c-iv d-iii

ਸੂਚੀ-I ਨਾਟਕ		ਸੂਚੀ-II ਨਾਟਕਕਾਰ	
a.	ਵਿਸਮਾਦ ਨਾਦ	i.	ਅਜਮੇਰ ਔਲਖ
b.	ਬਹਿਕਦਾ ਰੋਹ	ii.	ਕਪੂਰ ਸਿੰਘ ਘੁੰਮਣ
c.	ਟੋਇਆ	iii.	ਮਨਜੀਤਪਾਲ ਕੌਰ
d.	ਸਾਹਿਬਾਂ	iv.	ਗੁਰਸ਼ਰਨ ਸਿੰਘ

ਉਪਰੋਕਤ ਦਾ ਸਹੀ ਮਿਲਾਨ ਹੈ :

1. a-iii b-i c-iv d-ii
2. a-iv b-i c-ii d-iii
3. a-ii b-iii c-iv d-i
4. a-ii b-i c-iv d-iii

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

126 24076

ਸੂਚੀ-I ਦਾ ਸੂਚੀ-II ਨਾਲ ਸਹੀ ਮੇਲ ਕਰੋ:

ਸੂਚੀ-I		ਸੂਚੀ-II	
a.	ਪੰਜਾਬੀ ਵਾਕੰਸ਼-ਚੁਗਤ	i.	ਦੁਨੀ ਚੰਦ
b.	ਰੂਪਾਂਤਰੀ ਵਿਆਕਰਨ	ii.	ਭੁਪਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਖਹਿਰਾ
c.	ਨਵੀਨ ਭਾਸ਼ਾ ਵਿਗਿਆਨ	iii.	ਹਰਕੀਰਤ ਸਿੰਘ
d.	ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਦਾ ਵਿਆਕਰਨ	iv.	ਪਰਮਜੀਤ ਸਿੰਘ ਸਿੱਧੂ

ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਵਿਕਲਪਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਸਹੀ ਜਵਾਬ ਨੂੰ ਚੁਣੋ :

1. a-ii b-iii c-iv d-i
2. a-ii b-i c-iv d-iii
3. a-i b-iv c-ii d-iii
4. a-iv b-iii c-ii d-i

ਸੂਚੀ-I ਦਾ ਸੂਚੀ-II ਨਾਲ ਸਹੀ ਮੇਲ ਕਰੋ:

ਸੂਚੀ-I		ਸੂਚੀ-II	
a.	ਪੰਜਾਬੀ ਵਾਕੰਸ਼-ਚੁਗਤ	i.	ਦੁਨੀ ਚੰਦ
b.	ਰੂਪਾਂਤਰੀ ਵਿਆਕਰਨ	ii.	ਭੁਪਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਖਹਿਰਾ
c.	ਨਵੀਨ ਭਾਸ਼ਾ ਵਿਗਿਆਨ	iii.	ਹਰਕੀਰਤ ਸਿੰਘ
d.	ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਦਾ ਵਿਆਕਰਨ	iv.	ਪਰਮਜੀਤ ਸਿੰਘ ਸਿੱਧੂ

ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਵਿਕਲਪਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਸਹੀ ਜਵਾਬ ਨੂੰ ਚੁਣੋ :

1. a-ii b-iii c-iv d-i
2. a-ii b-i c-iv d-iii
3. a-i b-iv c-ii d-iii
4. a-iv b-iii c-ii d-i

A1
:

1

A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

127 24077

ਪੰਜਾਬੀ ਕਹਾਣੀਕਾਰਾਂ ਨੂੰ ਸਾਹਿਤ ਅਕਾਦਮੀ ਪੁਰਸਕਾਰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਣ ਦਾ ਸਹੀ ਕ੍ਰਮ ਕਿਹੜਾ ਹੈ :

- ਗੁਰਮੁਖ ਸਿੰਘ ਮੁਸਾਫ਼ਿਰ
- ਕੁਲਵੰਤ ਸਿੰਘ ਵਿਰਕ
- ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ ਦੁੱਗਲ
- ਸੁਜਾਨ ਸਿੰਘ

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ:

- a, c, b, d
- b, a, c, d
- d, b, a, c
- c, b, a, d

ਪੰਜਾਬੀ ਕਹਾਣੀਕਾਰਾਂ ਨੂੰ ਸਾਹਿਤ ਅਕਾਦਮੀ ਪੁਰਸਕਾਰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਣ ਦਾ ਸਹੀ ਕ੍ਰਮ ਕਿਹੜਾ ਹੈ :

- ਗੁਰਮੁਖ ਸਿੰਘ ਮੁਸਾਫ਼ਿਰ
- ਕੁਲਵੰਤ ਸਿੰਘ ਵਿਰਕ
- ਕਰਤਾਰ ਸਿੰਘ ਦੁੱਗਲ
- ਸੁਜਾਨ ਸਿੰਘ

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਹੈ:

- a, c, b, d
- b, a, c, d
- d, b, a, c
- c, b, a, d

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

128 24078

ਲੋਕਧਾਰਾ ਤੇ ਸਭਿਆਚਾਰ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਪੁਸਤਕਾਂ ਦਾ ਸਹੀ ਕਾਲ-ਕ੍ਰਮ ਕਿਹੜਾ ਹੈ ?

- ਲੋਕਯਾਨ ਅਤੇ ਮੱਧਕਾਲੀਨ ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਹਿਤ
- ਪੰਜਾਬੀ ਸਭਿਆਚਾਰ: ਇਕ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀਕੋਣ
- ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਹਿਤ ਇਤਿਹਾਸ ਦੀਆਂ ਲੋਕ ਰੂੜੀਆਂ
- ਲੋਕਧਾਰਾ ਪਰੰਪਰਾ ਅਤੇ ਆਧੁਨਿਕਤਾ

ਸਹੀ ਕਾਲ-ਕ੍ਰਮ ਹੈ :

- a c b d
- a b d c
- b c d a
- d a c b

ਲੋਕਧਾਰਾ ਤੇ ਸਭਿਆਚਾਰ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਪੁਸਤਕਾਂ ਦਾ ਸਹੀ ਕਾਲ-ਕ੍ਰਮ ਕਿਹੜਾ ਹੈ ?

- ਲੋਕਯਾਨ ਅਤੇ ਮੱਧਕਾਲੀਨ ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਹਿਤ
- ਪੰਜਾਬੀ ਸਭਿਆਚਾਰ: ਇਕ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀਕੋਣ
- ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਹਿਤ ਇਤਿਹਾਸ ਦੀਆਂ ਲੋਕ ਰੂੜੀਆਂ
- ਲੋਕਧਾਰਾ ਪਰੰਪਰਾ ਅਤੇ ਆਧੁਨਿਕਤਾ

ਸਹੀ ਕਾਲ-ਕ੍ਰਮ ਹੈ :

- a c b d
- a b d c
- b c d a
- d a c b

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

129 24079

ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਵਿਚ ਦਰਜ ਭਗਤ ਬਾਣੀ ਦਾ ਸਹੀ ਕ੍ਰਮ ਕਿਹੜਾ ਹੈ ?

- ਕਬੀਰ
- ਨਾਮਦੇਵ
- ਰਵਿਦਾਸ
- ਰਾਮਾਨੰਦ

ਸਹੀ ਕ੍ਰਮ ਹੈ:

- a, c, b, d
- a, d, b, c
- b, c, d, a
- a, b, c, d

ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਵਿਚ ਦਰਜ ਭਗਤ ਬਾਣੀ ਦਾ ਸਹੀ ਕ੍ਰਮ ਕਿਹੜਾ ਹੈ ?

- a. ਕਬੀਰ
- b. ਨਾਮਦੇਵ
- c. ਰਵਿਦਾਸ
- d. ਰਾਮਾਨੰਦ

ਸਹੀ ਕ੍ਰਮ ਹੈ:

- 1. a, c, b, d
- 2. a, d, b, c
- 3. b, c, d, a
- 4. a, b, c, d

A1

:

1

A2

:

2

A3

:

3

A4

:

4

Objective Question

130/24080

ਡਾ. ਹਰਿਭਜਨ ਸਿੰਘ ਦੀਆਂ ਪੁਸਤਕਾਂ ਦਾ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਵਰ੍ਹੇ ਅਨੁਸਾਰ ਕਿਹੜਾ ਕ੍ਰਮ ਸਹੀ ਹੈ :

- a. ਅਧਿਐਨ ਅਤੇ ਅਧਿਆਪਨ
- b. ਸਾਹਿਤ ਅਧਿਐਨ
- c. ਸਾਹਿਤ ਵਿਗਿਆਨ
- d. ਰੂਪਕੀ

ਸਹੀ ਕ੍ਰਮ ਹੈ :

- 1. a, d, c, b
- 2. d, a, c, b
- 3. a, b, c, d
- 4. b, a, c, d

ਡਾ. ਹਰਿਭਜਨ ਸਿੰਘ ਦੀਆਂ ਪੁਸਤਕਾਂ ਦਾ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਵਰ੍ਹੇ ਅਨੁਸਾਰ ਕਿਹੜਾ ਕ੍ਰਮ ਸਹੀ ਹੈ :

- a. ਅਧਿਐਨ ਅਤੇ ਅਧਿਆਪਨ
- b. ਸਾਹਿਤ ਅਧਿਐਨ
- c. ਸਾਹਿਤ ਵਿਗਿਆਨ
- d. ਰੂਪਕੀ

ਸਹੀ ਕ੍ਰਮ ਹੈ :

- 1. a, d, c, b
- 2. d, a, c, b
- 3. a, b, c, d
- 4. b, a, c, d

A1

:

1

A2

:

2

2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

131 24081

ਫ਼ਖ਼ਰ ਜ਼ਮਾਨ ਦੇ ਨਾਵਲਾਂ ਦਾ ਸਹੀ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਕਾਲ-ਕ੍ਰਮ ਕਿਹੜਾ ਹੈ :

- a. ਸੱਤ ਗਵਾਚੇ ਲੋਕ
- b. ਬੰਦੀਵਾਨ
- c. ਬੇਵਤਨਾ
- d. ਕਮਜ਼ਾਤ

- 1. d, a, b, c
- 2. b, d, a, c
- 3. a, b, c, d
- 4. c, d, a, b

ਫ਼ਖ਼ਰ ਜ਼ਮਾਨ ਦੇ ਨਾਵਲਾਂ ਦਾ ਸਹੀ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਕਾਲ-ਕ੍ਰਮ ਕਿਹੜਾ ਹੈ :

- a. ਸੱਤ ਗਵਾਚੇ ਲੋਕ
- b. ਬੰਦੀਵਾਨ
- c. ਬੇਵਤਨਾ
- d. ਕਮਜ਼ਾਤ

- 1. d, a, b, c
- 2. b, d, a, c
- 3. a, b, c, d
- 4. c, d, a, b

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

132 24082

ਕਥਨ A: ਗੁਰਬਾਣੀ ਕਿਸੇ ਰਵਾਇਤੀ ਜਾਂ ਕਲਾਸੀਕਲ ਮਾਡਲ ਨੂੰ ਸਿਰਜਣਾ ਦਾ ਆਧਾਰ ਨਹੀਂ ਬਣਾਉਂਦੀ ਸਗੋਂ ਧਾਰਮਿਕ ਚੇਤਨਾ ਅਤੇ ਸੰਵੇਦਨਾ ਨੂੰ ਕਾਵਿ ਦੇ ਸੰਗਠਨ ਵਿੱਚ ਢਾਲਣ ਵੱਲ ਰੁਚਿਤ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।

ਕਾਰਨ R: ਇਹ ਮਨੁੱਖੀ ਹੋਂਦ ਦੇ ਮੂਲ ਸਰੋਕਾਰਾਂ ਅਤੇ ਮਸਲਿਆਂ ਨੂੰ ਪਰਾਭੋਤਿਕਤਾ ਅਤੇ ਮਿੱਥ ਦੇ ਹਵਾਲੇ ਨਾਲ ਪੇਸ਼ ਕਰਨ ਵੱਲ ਰੁਚਿਤ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ।

- 1. A ਸਹੀ ਹੈ ਅਤੇ R ਗ਼ਲਤ ਹੈ
- 2. A ਗ਼ਲਤ ਹੈ ਅਤੇ R ਸਹੀ ਹੈ
- 3. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਸਹੀ ਹਨ
- 4. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਗ਼ਲਤ ਹਨ

ਕਥਨ A: ਗੁਰਬਾਣੀ ਕਿਸੇ ਰਵਾਇਤੀ ਜਾਂ ਕਲਾਸੀਕਲ ਮਾਡਲ ਨੂੰ ਸਿਰਜਣਾ ਦਾ ਆਧਾਰ ਨਹੀਂ ਬਣਾਉਂਦੀ ਸਗੋਂ ਧਾਰਮਿਕ ਚੇਤਨਾ ਅਤੇ ਸੰਵੇਦਨਾ ਨੂੰ ਕਾਵਿ ਦੇ ਸੰਗਠਨ ਵਿਚਾਲਣ ਵੱਲ ਰੁਚਿਤ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।

ਕਾਰਨ R: ਇਹ ਮਨੁੱਖੀ ਹੋਂਦ ਦੇ ਮੂਲ ਸਰੋਕਾਰਾਂ ਅਤੇ ਮਸਲਿਆਂ ਨੂੰ ਪਰਾਭੋਤਿਕਤਾ ਅਤੇ ਮਿੱਥ ਦੇ ਹਵਾਲੇ ਨਾਲ ਪੇਸ਼ ਕਰਨ ਵੱਲ ਰੁਚਿਤ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ।

1. A ਸਹੀ ਹੈ ਅਤੇ R ਗ਼ਲਤ ਹੈ
2. A ਗ਼ਲਤ ਹੈ ਅਤੇ R ਸਹੀ ਹੈ
3. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਸਹੀ ਹਨ
4. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਗ਼ਲਤ ਹਨ

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

133 24083

ਕਥਨ A: ਜਿੱਥੇ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਫ਼ੀ ਕਵੀ ਆਪਣੇ ਧਾਰਮਿਕ ਅਨੁਭਵ ਦੇ ਪ੍ਰਗਟਾਵੇ ਲਈ ਪ੍ਰਤੀਕਾਤਮਕ ਅਰਥਾਂ ਵਿਚ ਹੀਰ ਰਾਂਝੇ ਦੇ ਨਾਮ ਨੂੰ ਵਰਤਦੇ ਹਨ, ਉੱਥੇ ਕਿੱਸਾ-ਕਵੀ ਆਪਣੇ ਪ੍ਰੇਮ-ਕਥਾਨਕਾਂ ਨੂੰ ਸੂਫ਼ੀਆਨਾ ਰੂਹਾਨੀ ਅਰਥ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਦੇ ਹਨ।

ਕਾਰਨ R: ਇਹ ਤੱਥ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੋਹਾਂ ਕਾਵਿ ਧਾਰਾਵਾਂ ਵਿਚ ਸਾਂਝ ਦਾ ਸਬੂਤ ਹੈ।

1. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਗ਼ਲਤ ਹਨ।
2. R ਸਹੀ ਹੈ ਪਰ A ਗ਼ਲਤ ਹੈ।
3. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਸਹੀ ਹਨ।
4. A ਸਹੀ ਹੈ ਪਰ R ਗ਼ਲਤ ਹੈ।

ਕਥਨ A: ਜਿੱਥੇ ਪੰਜਾਬੀ ਸੂਫ਼ੀ ਕਵੀ ਆਪਣੇ ਧਾਰਮਿਕ ਅਨੁਭਵ ਦੇ ਪ੍ਰਗਟਾਵੇ ਲਈ ਪ੍ਰਤੀਕਾਤਮਕ ਅਰਥਾਂ ਵਿਚ ਹੀਰ ਰਾਂਝੇ ਦੇ ਨਾਮ ਨੂੰ ਵਰਤਦੇ ਹਨ, ਉੱਥੇ ਕਿੱਸਾ-ਕਵੀ ਆਪਣੇ ਪ੍ਰੇਮ-ਕਥਾਨਕਾਂ ਨੂੰ ਸੂਫ਼ੀਆਨਾ ਰੂਹਾਨੀ ਅਰਥ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਦੇ ਹਨ।

ਕਾਰਨ R: ਇਹ ਤੱਥ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦੋਹਾਂ ਕਾਵਿ ਧਾਰਾਵਾਂ ਵਿਚ ਸਾਂਝ ਦਾ ਸਬੂਤ ਹੈ।

1. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਗ਼ਲਤ ਹਨ।
2. R ਸਹੀ ਹੈ ਪਰ A ਗ਼ਲਤ ਹੈ।
3. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਸਹੀ ਹਨ।
4. A ਸਹੀ ਹੈ ਪਰ R ਗ਼ਲਤ ਹੈ।

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

134 24084

ਕਥਨ A: ਪੰਜਾਬੀ ਕਿੱਸਾ-ਕਾਵਿ ਦੇ ਸੋਮੇ ਅਤੇ ਪ੍ਰੇਰਣਾ-ਸਰੋਤ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਥਾਂਵਾਂ 'ਤੇ ਖਿੱਲਰੇ ਪਏ ਹਨ। ਜੇ ਕਥਾ-ਪ੍ਰਬੰਧ ਦੇ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀਕੋਣ ਤੋਂ ਦੇਖਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਸਾਨੂੰ ਇਸ ਦੇ ਸਰੋਤ ਪ੍ਰਾਚੀਨ ਭਾਰਤੀ, ਯੂਨਾਨੀ ਅਤੇ ਇਰਾਨੀ ਮਿਥਿਹਾਸ ਵਿਚ ਮਿਲ ਸਕਦੇ ਹਨ।

ਕਾਰਨ R: ਯੂਨਾਨ ਅਤੇ ਇਰਾਨ ਵਿਚ ਓਸੇ ਆਰੀਆ ਸਭਿਅਤਾ ਦਾ ਵਿਸਥਾਰ ਹੋਇਆ ਸੀ ਜਿਸ ਦੀ ਇਕ ਸ਼ਾਖਾ ਭਾਰਤ ਵੱਲ ਮੁੜ ਪਈ ਸੀ। ਇਉਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸਾਂਝਾ ਸਭਿਆਚਾਰਕ ਵਿਰਸਾ ਲੋਕ-ਪਰੰਪਰਾ ਰਾਹੀਂ ਸਾਹਿਤ ਸਿਰਜਣਾ ਦਾ ਪ੍ਰੇਰਣਾ ਸਰੋਤ ਬਣਦਾ ਹੈ। ਯੂਨਾਨੀ ਅਤੇ ਇਸਲਾਮੀ ਹਮਲੇ ਨੇ ਤਾਂ ਸਗੋਂ ਇਸ ਸੰਪਰਕ ਨੂੰ ਦੋਬਾਰਾ ਸਥਾਪਿਤ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਸੀ।

1. A ਸਹੀ ਹੈ ਅਤੇ R ਗ਼ਲਤ ਹੈ
2. A ਗ਼ਲਤ ਹੈ ਅਤੇ R ਸਹੀ ਹੈ
3. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਸਹੀ ਹਨ
4. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਗ਼ਲਤ ਹਨ

ਕਥਨ A: ਪੰਜਾਬੀ ਕਿੱਸਾ-ਕਾਵਿ ਦੇ ਸੋਮੇ ਅਤੇ ਪ੍ਰੇਰਣਾ-ਸਰੋਤ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਥਾਂਵਾਂ 'ਤੇ ਖਿੱਲਰੇ ਪਏ ਹਨ। ਜੇ ਕਥਾ-ਪ੍ਰਬੰਧ ਦੇ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀਕੋਣ ਤੋਂ ਦੇਖਿਆ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਸਾਨੂੰ ਇਸ ਦੇ ਸਰੋਤ ਪ੍ਰਾਚੀਨ ਭਾਰਤੀ, ਯੂਨਾਨੀ ਅਤੇ ਇਰਾਨੀ ਮਿਥਿਹਾਸ ਵਿਚ ਮਿਲ ਸਕਦੇ ਹਨ।

ਕਾਰਨ R: ਯੂਨਾਨ ਅਤੇ ਇਰਾਨ ਵਿਚ ਓਸੇ ਆਰੀਆ ਸਭਿਅਤਾ ਦਾ ਵਿਸਥਾਰ ਹੋਇਆ ਸੀ ਜਿਸ ਦੀ ਇਕ ਸ਼ਾਖਾ ਭਾਰਤ ਵੱਲ ਮੁੜ ਪਈ ਸੀ। ਇਉਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਸਾਂਝਾ ਸਭਿਆਚਾਰਕ ਵਿਰਸਾ ਲੋਕ-ਪਰੰਪਰਾ ਰਾਹੀਂ ਸਾਹਿਤ ਸਿਰਜਣਾ ਦਾ ਪ੍ਰੇਰਣਾ ਸਰੋਤ ਬਣਦਾ ਹੈ। ਯੂਨਾਨੀ ਅਤੇ ਇਸਲਾਮੀ ਹਮਲੇ ਨੇ ਤਾਂ ਸਗੋਂ ਇਸ ਸੰਪਰਕ ਨੂੰ ਦੋਬਾਰਾ ਸਥਾਪਿਤ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਸੀ।

1. A ਸਹੀ ਹੈ ਅਤੇ R ਗ਼ਲਤ ਹੈ
2. A ਗ਼ਲਤ ਹੈ ਅਤੇ R ਸਹੀ ਹੈ
3. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਸਹੀ ਹਨ
4. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਗ਼ਲਤ ਹਨ

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

135 24085

ਕਥਨ A: ਸਾਖੀਆਂ, ਜਨਮਸਾਖੀਆਂ ਨਾਲੋਂ ਭਿੰਨ ਰਚਨਾਵਾਂ ਹਨ।

ਕਾਰਨ R: ਸਾਖੀਆਂ ਵਿਚ ਘਟਨਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਤੌਰ ਉੱਤੇ ਕਿਸੇ ਗੁਰੂ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ। ਸਾਖੀ ਵਿਚ ਗੁਰੂ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਕੋਈ ਸਾਧ, ਸੰਤ ਜਾਂ ਸਿੱਖ ਵੀ ਨਾਇਕ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ।

1. A ਸਹੀ ਹੈ ਅਤੇ R ਗ਼ਲਤ ਹੈ
2. A ਗ਼ਲਤ ਹੈ ਅਤੇ R ਸਹੀ ਹੈ
3. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਸਹੀ ਹਨ
4. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਗ਼ਲਤ ਹਨ

ਕਥਨ A: ਸਾਖੀਆਂ, ਜਨਮਸਾਖੀਆਂ ਨਾਲੋਂ ਭਿੰਨ ਰਚਨਾਵਾਂ ਹਨ।

ਕਾਰਨ R: ਸਾਖੀਆਂ ਵਿਚ ਘਟਨਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਤੌਰ ਉੱਤੇ ਕਿਸੇ ਗੁਰੂ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ। ਸਾਖੀ ਵਿਚ ਗੁਰੂ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਕੋਈ ਸਾਧ, ਸੰਤ ਜਾਂ ਸਿੱਖ ਵੀ ਨਾਇਕ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ।

1. A ਸਹੀ ਹੈ ਅਤੇ R ਗ਼ਲਤ ਹੈ
2. A ਗ਼ਲਤ ਹੈ ਅਤੇ R ਸਹੀ ਹੈ
3. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਸਹੀ ਹਨ
4. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਗ਼ਲਤ ਹਨ

A1
:

1

A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

136 24086

ਕਥਨ A: ਭਾਈ ਵੀਰ ਸਿੰਘ ਦੀ ਕਵਿਤਾ ਮੂਲ ਰੂਪ ਵਿਚ ਇਕ ਅਜਿਹੇ ਖ਼ਮੀਰ ਤੋਂ ਉੱਪਜਦੀ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਅੱਧ-ਤਿਆਗੀ ਪੁਰਾਤਨ ਪਰੰਪਰਾ ਦੇ ਤੱਤਾਂ ਵਿਚ ਅੱਧ ਪਛਾਣੇ ਨਵੇਂ ਪ੍ਰੇਰਕਾਂ ਦੀ ਜਾਗ ਲਾਣ ਤੋਂ ਉੱਠਦਾ ਹੈ।
ਕਾਰਨ R: ਕਿਉਂਕਿ ਭਾਈ ਵੀਰ ਸਿੰਘ ਆਧੁਨਿਕ ਕਵੀ ਸੀ ਅਤੇ ਉਸ ਨੇ ਪਰੰਪਰਾ ਦੇ ਪੂਰਨ ਤਿਆਗ ਵਿੱਚੋਂ ਹੀ ਨਵੇਂ ਜੀਵਨ ਨੂੰ ਤਲਾਸ਼ਣ ਦੀ ਜੁਗਤ ਅਪਣਾਈ।

1. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਸਹੀ ਹਨ।
2. A ਗ਼ਲਤ ਹੈ ਅਤੇ R ਸਹੀ ਹੈ।
3. A ਸਹੀ ਹੈ ਅਤੇ R ਗ਼ਲਤ ਹੈ।
4. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਗ਼ਲਤ ਹਨ।

ਕਥਨ A: ਭਾਈ ਵੀਰ ਸਿੰਘ ਦੀ ਕਵਿਤਾ ਮੂਲ ਰੂਪ ਵਿਚ ਇਕ ਅਜਿਹੇ ਖ਼ਮੀਰ ਤੋਂ ਉੱਪਜਦੀ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਅੱਧ-ਤਿਆਗੀ ਪੁਰਾਤਨ ਪਰੰਪਰਾ ਦੇ ਤੱਤਾਂ ਵਿਚ ਅੱਧ ਪਛਾਣੇ ਨਵੇਂ ਪ੍ਰੇਰਕਾਂ ਦੀ ਜਾਗ ਲਾਣ ਤੋਂ ਉੱਠਦਾ ਹੈ।
ਕਾਰਨ R: ਕਿਉਂਕਿ ਭਾਈ ਵੀਰ ਸਿੰਘ ਆਧੁਨਿਕ ਕਵੀ ਸੀ ਅਤੇ ਉਸ ਨੇ ਪਰੰਪਰਾ ਦੇ ਪੂਰਨ ਤਿਆਗ ਵਿੱਚੋਂ ਹੀ ਨਵੇਂ ਜੀਵਨ ਨੂੰ ਤਲਾਸ਼ਣ ਦੀ ਜੁਗਤ ਅਪਣਾਈ।

1. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਸਹੀ ਹਨ।
2. A ਗ਼ਲਤ ਹੈ ਅਤੇ R ਸਹੀ ਹੈ।
3. A ਸਹੀ ਹੈ ਅਤੇ R ਗ਼ਲਤ ਹੈ।
4. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਗ਼ਲਤ ਹਨ।

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

137 24087

ਕਥਨ A: ਸੁਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਨਰੂਲਾ ਦੇ ਨਾਵਲ **ਪਿਉ ਪੁੱਤਰ** ਦੀ ਗੋਂਦ ਬਹੁਤ ਢਿੱਲੀ ਹੈ।
ਕਾਰਨ R: ਚੰਗੀ ਗੋਂਦ ਲਈ ਕਹਾਣੀ ਦਾ ਸਿਰਫ਼ ਰੋਚਕ ਹੋਣਾ ਹੀ ਕਾਫ਼ੀ ਨਹੀਂ, ਸਗੋਂ ਸੁਭਾਵਿਕ ਹੋਣਾ ਵੀ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਅਸਲ ਵਿਚ ਇਹ ਨਾਵਲ ਗੋਂਦ ਦੀ ਪਰੰਪਰਕ ਪਰਿਭਾਸ਼ਾ ਉੱਤੇ ਪੂਰਾ ਨਹੀਂ ਉੱਤਰਦਾ।
ਉਪਰੋਕਤ ਕਥਨਾਂ ਦੀ ਰੋਸ਼ਨੀ ਵਿਚ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਵਿਕਲਪਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਸਹੀ ਉੱਤਰ ਚੁਣੋ:

1. A ਗ਼ਲਤ ਹੈ ਪਰ R ਸਹੀ ਹੈ।
2. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਸਹੀ ਹਨ।
3. A ਸਹੀ ਹੈ ਪਰ R ਗ਼ਲਤ ਹੈ।
4. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਗ਼ਲਤ ਹਨ।

ਕਥਨ A: ਸੁਰਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਨਰੂਲਾ ਦੇ ਨਾਵਲ **ਪਿਉ ਪੁੱਤਰ** ਦੀ ਗੋਦ ਬਹੁਤ ਢਿੱਲੀ ਹੈ।

ਕਾਰਨ R: ਚੰਗੀ ਗੋਦ ਲਈ ਕਹਾਣੀ ਦਾ ਸਿਰਫ਼ ਰੋਚਕ ਹੋਣਾ ਹੀ ਕਾਫ਼ੀ ਨਹੀਂ, ਸਗੋਂ ਸੁਭਾਵਿਕ ਹੋਣਾ ਵੀ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਅਸਲ ਵਿਚ ਇਹ ਨਾਵਲ ਗੋਦ ਦੀ ਪਰੰਪਰਕ ਪਰਿਭਾਸ਼ਾ ਉੱਤੇ ਪੂਰਾ ਨਹੀਂ ਉੱਤਰਦਾ।

ਉਪਰੋਕਤ ਕਥਨਾਂ ਦੀ ਰੋਸ਼ਨੀ ਵਿਚ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਵਿਕਲਪਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਸਹੀ ਉੱਤਰ ਚੁਣੋ:

1. A ਗ਼ਲਤ ਹੈ ਪਰ R ਸਹੀ ਹੈ।
2. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਸਹੀ ਹਨ।
3. A ਸਹੀ ਹੈ ਪਰ R ਗ਼ਲਤ ਹੈ।
4. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਗ਼ਲਤ ਹਨ।

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

138 24088

ਕਥਨ A: ਕਹਾਣੀ ਚਿੰਤਕਾਂ ਦਾ ਮੱਤ ਹੈ ਕਿ ਪਾਠਕ ਨਵੀਂ ਪੰਜਾਬੀ ਕਹਾਣੀ ਤੋਂ ਤ੍ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿਉਂਕਿ ਕਹਾਣੀਆਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਮਾਨਸਿਕ ਪਰਤਾਂ ਨੂੰ ਨਸ਼ਰ ਕਰ ਦਿੰਦੀਆਂ ਹਨ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਹ ਲੁਕਾ ਕੇ ਰੱਖਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ।

ਕਾਰਨ R :ਪਰ ਇਹ ਪੰਜਾਬੀ ਕਹਾਣੀਕਾਰ ਦਾ ਲੋਕ ਹਿਤੈਸ਼ੀ ਪੈਂਤੜਾ ਹੈ ਜੋ ਕਿ ਮਨੁੱਖ ਨੂੰ ਸੈਲਾਬ ਵਿਚ ਰੁੜਨੇ ਬਾਖ਼ਬਰ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ।

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਚੁਣੋ :

1. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਸਹੀ ਹਨ।
2. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਗ਼ਲਤ ਹਨ।
3. A ਗ਼ਲਤ ਹੈ ਪਰ R ਸਹੀ ਹੈ।
4. A ਸਹੀ ਹੈ ਪਰ R ਗ਼ਲਤ ਹੈ।

ਕਥਨ A: ਕਹਾਣੀ ਚਿੰਤਕਾਂ ਦਾ ਮੱਤ ਹੈ ਕਿ ਪਾਠਕ ਨਵੀਂ ਪੰਜਾਬੀ ਕਹਾਣੀ ਤੋਂ ਤ੍ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ ਕਿਉਂਕਿ ਕਹਾਣੀਆਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਮਾਨਸਿਕ ਪਰਤਾਂ ਨੂੰ ਨਸ਼ਰ ਕਰ ਦਿੰਦੀਆਂ ਹਨ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਹ ਲੁਕਾ ਕੇ ਰੱਖਣਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ।

ਕਾਰਨ R :ਪਰ ਇਹ ਪੰਜਾਬੀ ਕਹਾਣੀਕਾਰ ਦਾ ਲੋਕ ਹਿਤੈਸ਼ੀ ਪੈਂਤੜਾ ਹੈ ਜੋ ਕਿ ਮਨੁੱਖ ਨੂੰ ਸੈਲਾਬ ਵਿਚ ਰੁੜਨੇ ਬਾਖ਼ਬਰ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ।

ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਚੁਣੋ :

1. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਸਹੀ ਹਨ।
2. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਗ਼ਲਤ ਹਨ।
3. A ਗ਼ਲਤ ਹੈ ਪਰ R ਸਹੀ ਹੈ।
4. A ਸਹੀ ਹੈ ਪਰ R ਗ਼ਲਤ ਹੈ।

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

139 24089

ਕਥਨ A: ਉੱਚੇ ਪੱਧਰ ਦੀ ਨਾਟਕ ਰਚਨਾ ਲਈ ਉਤਸੁਕਤਾ ਦਾ ਅੰਸ਼ ਬਹੁਤਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਨਹੀਂ।
ਕਾਰਨ R: ਦੁਨੀਆ ਦੇ ਕਈ ਮਹਾਨ ਨਾਟਕਾਂ ਵਿਚ ਉਤਸੁਕਤਾ ਦਾ ਅੰਸ਼ ਸ਼ੁਰੂ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਅੰਤ ਤੱਕ ਵੀ ਵੇਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ।
ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਚੁਣੋ :

1. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਸਹੀ ਹਨ।
2. A ਗ਼ਲਤ ਹੈ ਅਤੇ R ਸਹੀ ਹੈ।
3. A ਸਹੀ ਹੈ ਅਤੇ R ਗ਼ਲਤ ਹੈ।
4. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਗ਼ਲਤ ਹਨ।

ਕਥਨ A: ਉੱਚੇ ਪੱਧਰ ਦੀ ਨਾਟਕ ਰਚਨਾ ਲਈ ਉਤਸੁਕਤਾ ਦਾ ਅੰਸ਼ ਬਹੁਤਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਨਹੀਂ।
ਕਾਰਨ R: ਦੁਨੀਆ ਦੇ ਕਈ ਮਹਾਨ ਨਾਟਕਾਂ ਵਿਚ ਉਤਸੁਕਤਾ ਦਾ ਅੰਸ਼ ਸ਼ੁਰੂ ਤੋਂ ਲੈ ਕੇ ਅੰਤ ਤੱਕ ਵੀ ਵੇਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ।
ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਚੁਣੋ :

1. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਸਹੀ ਹਨ।
2. A ਗ਼ਲਤ ਹੈ ਅਤੇ R ਸਹੀ ਹੈ।
3. A ਸਹੀ ਹੈ ਅਤੇ R ਗ਼ਲਤ ਹੈ।
4. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਗ਼ਲਤ ਹਨ।

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

140 24090

ਕਥਨ A: ਗੁਰਮੁਖੀ ਲਿਪੀ ਦੇ ਕਈ ਚਿੰਨ੍ਹ ਗੁਰੂ ਸਹਿਬਾਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਣ ਦੇ ਪੱਕੇ ਪ੍ਰਮਾਣ ਮਿਲਦੇ ਹਨ।
ਕਾਰਨ R: ਇਸੇ ਕਾਰਨ ਇਸ ਲਿਪੀ ਦਾ ਨਾਮ ਗੁਰਮੁਖੀ ਪ੍ਰਚੱਲਿਤ ਹੋਇਆ।
ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਚੁਣੋ :

1. A ਗ਼ਲਤ ਹੈ ਅਤੇ R ਸਹੀ ਹੈ।
2. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਗ਼ਲਤ ਹਨ।
3. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਸਹੀ ਹਨ।
4. A ਸਹੀ ਹੈ ਪਰ R ਗ਼ਲਤ ਹੈ।

ਕਥਨ A: ਗੁਰਮੁਖੀ ਲਿਪੀ ਦੇ ਕਈ ਚਿੰਨ੍ਹ ਗੁਰੂ ਸਹਿਬਾਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਣ ਦੇ ਪੱਕੇ ਪ੍ਰਮਾਣ ਮਿਲਦੇ ਹਨ।
ਕਾਰਨ R: ਇਸੇ ਕਾਰਨ ਇਸ ਲਿਪੀ ਦਾ ਨਾਮ ਗੁਰਮੁਖੀ ਪ੍ਰਚੱਲਿਤ ਹੋਇਆ।
ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਚੁਣੋ :

1. A ਗ਼ਲਤ ਹੈ ਅਤੇ R ਸਹੀ ਹੈ।
2. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਗ਼ਲਤ ਹਨ।
3. A ਅਤੇ R ਦੋਵੇਂ ਸਹੀ ਹਨ।
4. A ਸਹੀ ਹੈ ਪਰ R ਗ਼ਲਤ ਹੈ।

A1
:

1

A2
:

2

		A3 :	3
			3
		A4 :	4
			4
Objective Question			
141	24091	ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰ੍ਹੇ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਪੁੱਛੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ (91-95) ਦੇ ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਚੁਣੋ : ਮਾਰਕਸਵਾਦੀ ਚਿੰਤਨ ਨੇ ਦਵੰਦਵਾਦੀ ਪਦਾਰਥਵਾਦ ਦੇ ਸਿਧਾਂਤ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਵਿਗਿਆਨਕ ਵਿਸ਼ਵ ਦਰਸ਼ਨ ਦੇ ਮੂਲ ਆਧਾਰ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿੱਚ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਰੂਸ ਦੀ ਕ੍ਰਾਂਤੀ ਦੇ ਵਿਆਪਕ ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਪ੍ਰਭਾਵ ਦੇ ਫਲਸਰੂਪ ਇਹ ਚਿੰਤਨ ਸੁਭਾਵਕ ਹੀ ਭਾਰਤ ਦੇ ਪ੍ਰਗਤੀਸ਼ੀਲ ਸੁਤੰਤਰਤਾ ਸੰਗ੍ਰਾਮ ਦੀ ਸ਼ਕਤੀ ਅਤੇ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਬਣ ਕੇ ਸੁਤੰਤਰਤਾ ਲਈ ਜੁਝਦੇ ਭਾਰਤ ਦੇ ਸਾਂਸਕ੍ਰਿਤਿਕ ਜੀਵਨ ਦੇ ਪ੍ਰਵਾਹ ਨੂੰ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਕਰਨ ਲੱਗ ਪਿਆ ਸੀ। ਅਤੀਤਕਾਲੀਨ ਆਦਰਸ਼ਵਾਦੀ ਮੁੱਲਾਂ ਦੇ ਵਿਗਠਨ ਦੀ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਪਹਿਲੇ ਸੰਸਾਰ ਯੁੱਧ ਨੇ ਹੀ ਬੜੀ ਤੀਬਰਤਾ ਨਾਲ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਸੀ, ਉਸ ਦੀ ਰਹਿੰਦੀ ਕਸਰ ਦੂਜੇ ਸੰਸਾਰ ਯੁੱਧ ਨੇ ਪੂਰੀ ਕਰ ਦਿੱਤੀ। ਚਿਰ-ਸਥਾਪਿਤ ਆਦਰਸ਼ਵਾਦੀ ਕੀਮਤਾਂ ਨਵੀਂ ਇਤਿਹਾਸਕ ਸਥਿਤੀ ਵਿੱਚ ਆਪਣੀ ਸਾਰਥਕਤਾ ਹੰਢਾ ਚੁੱਕੀਆਂ ਸਨ। ਇਸੇ ਸਮੇਂ ਉਹ ਖ਼ਮੀਰ ਪੈਦਾ ਹੋਇਆ ਜਿਸ ਦੇ ਫਲਸਰੂਪ ਆਧੁਨਿਕ ਵਿਚਾਰਧਾਰਾਵਾਂ ਮਧਕਾਲੀਨ ਜੀਵਨ-ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਦੀ ਥਾਂ ਲੈਣ ਲੱਗੀਆਂ। ਮਧਕਾਲੀਨ ਆਦਰਸ਼ਵਾਦੀ ਵਿਸ਼ਵਾਸਾਂ ਅਤੇ ਕੀਮਤਾਂ ਬਾਰੇ ਸ਼ੰਕੇ ਪੈਦਾ ਹੋਣੇ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਗਏ ਸਨ। ਇਸੇ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਅਧੀਨ ਮੋਹਨ ਸਿੰਘ 'ਰੱਬ' ਨਾਂ ਦੀ ਕਵਿਤਾ ਵਿੱਚ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਅਤੇ ਅਵਿਸ਼ਵਾਸ ਦੇ ਤਨਾਉ ਵੱਲ ਸੰਕੇਤ ਕਰਦਾ ਹੋਇਆ, ਮਧਕਾਲੀਨ ਵਿਸ਼ਵਾਸ-ਪ੍ਰਬੰਧ ਉੱਤੇ ਪ੍ਰਭਾਵਸ਼ਾਲੀ ਵਾਰ ਕਰਦਾ ਨਜ਼ਰ ਆਉਂਦਾ ਹੈ। ਮੋਹਨ ਸਿੰਘ ਦੇ ਵਿਪਰੀਤ ਧਨੀ ਰਾਮ ਚਾਤ੍ਰਕ ਪਰੰਪਰਾਗਤ ਜੀਵਨ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਨੂੰ ਹੀ ਅਪਣਾਉਂਦਾ ਹੈ। ਮਾਰਕਸੀ ਚਿੰਤਨ ਦਾ ਮੂਲ ਆਧਾਰ ਹੈ : 1. ਮਾਰਕਸਵਾਦੀ ਚਿੰਤਨ ਵਿੱਚ ਵਿਰੋਧ-ਵਿਕਾਸ ਜਾਂ ਦਵੰਦਵਾਦੀ ਪਦਾਰਥਵਾਦ ਨੂੰ ਪ੍ਰਾਥਮਿਕ ਸਥਾਨ ਹਾਸਿਲ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ। 2. ਮਾਰਕਸਵਾਦੀ ਚਿੰਤਨ ਦਾ ਮੂਲ ਆਧਾਰ ਦਵੰਦਵਾਦੀ ਪਦਾਰਥਵਾਦ ਹੈ। 3. ਦਵੰਦਵਾਦੀ ਪਦਾਰਥਵਾਦ ਨਾਲ ਮਾਰਕਸੀ ਚਿੰਤਨ ਦਾ ਵਿਗਠਨ ਹੋਇਆ। 4. ਦਵੰਦਵਾਦੀ ਪਦਾਰਥਵਾਦ ਸਦਕਾ ਮਾਰਕਸੀ ਚਿੰਤਨ ਵਿਸ਼ਵ ਦਰਸ਼ਨ ਸਥਾਪਿਤ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਿਆ। ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰ੍ਹੇ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਪੁੱਛੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ (91-95) ਦੇ ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਚੁਣੋ : ਮਾਰਕਸਵਾਦੀ ਚਿੰਤਨ ਨੇ ਦਵੰਦਵਾਦੀ ਪਦਾਰਥਵਾਦ ਦੇ ਸਿਧਾਂਤ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਵਿਗਿਆਨਕ ਵਿਸ਼ਵ ਦਰਸ਼ਨ ਦੇ ਮੂਲ ਆਧਾਰ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿੱਚ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਰੂਸ ਦੀ ਕ੍ਰਾਂਤੀ ਦੇ ਵਿਆਪਕ ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਪ੍ਰਭਾਵ ਦੇ ਫਲਸਰੂਪ ਇਹ ਚਿੰਤਨ ਸੁਭਾਵਕ ਹੀ ਭਾਰਤ ਦੇ ਪ੍ਰਗਤੀਸ਼ੀਲ ਸੁਤੰਤਰਤਾ ਸੰਗ੍ਰਾਮ ਦੀ ਸ਼ਕਤੀ ਅਤੇ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਬਣ ਕੇ ਸੁਤੰਤਰਤਾ ਲਈ ਜੁਝਦੇ ਭਾਰਤ ਦੇ ਸਾਂਸਕ੍ਰਿਤਿਕ ਜੀਵਨ ਦੇ ਪ੍ਰਵਾਹ ਨੂੰ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਕਰਨ ਲੱਗ ਪਿਆ ਸੀ। ਅਤੀਤਕਾਲੀਨ ਆਦਰਸ਼ਵਾਦੀ ਮੁੱਲਾਂ ਦੇ ਵਿਗਠਨ ਦੀ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਪਹਿਲੇ ਸੰਸਾਰ ਯੁੱਧ ਨੇ ਹੀ ਬੜੀ ਤੀਬਰਤਾ ਨਾਲ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਸੀ, ਉਸ ਦੀ ਰਹਿੰਦੀ ਕਸਰ ਦੂਜੇ ਸੰਸਾਰ ਯੁੱਧ ਨੇ ਪੂਰੀ ਕਰ ਦਿੱਤੀ। ਚਿਰ-ਸਥਾਪਿਤ ਆਦਰਸ਼ਵਾਦੀ ਕੀਮਤਾਂ ਨਵੀਂ ਇਤਿਹਾਸਕ ਸਥਿਤੀ ਵਿੱਚ ਆਪਣੀ ਸਾਰਥਕਤਾ ਹੰਢਾ ਚੁੱਕੀਆਂ ਸਨ। ਇਸੇ ਸਮੇਂ ਉਹ ਖ਼ਮੀਰ ਪੈਦਾ ਹੋਇਆ ਜਿਸ ਦੇ ਫਲਸਰੂਪ ਆਧੁਨਿਕ ਵਿਚਾਰਧਾਰਾਵਾਂ ਮਧਕਾਲੀਨ ਜੀਵਨ-ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਦੀ ਥਾਂ ਲੈਣ ਲੱਗੀਆਂ। ਮਧਕਾਲੀਨ ਆਦਰਸ਼ਵਾਦੀ ਵਿਸ਼ਵਾਸਾਂ ਅਤੇ ਕੀਮਤਾਂ ਬਾਰੇ ਸ਼ੰਕੇ ਪੈਦਾ ਹੋਣੇ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਗਏ ਸਨ। ਇਸੇ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਅਧੀਨ ਮੋਹਨ ਸਿੰਘ 'ਰੱਬ' ਨਾਂ ਦੀ ਕਵਿਤਾ ਵਿੱਚ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਅਤੇ ਅਵਿਸ਼ਵਾਸ ਦੇ ਤਨਾਉ ਵੱਲ ਸੰਕੇਤ ਕਰਦਾ ਹੋਇਆ, ਮਧਕਾਲੀਨ ਵਿਸ਼ਵਾਸ-ਪ੍ਰਬੰਧ ਉੱਤੇ ਪ੍ਰਭਾਵਸ਼ਾਲੀ ਵਾਰ ਕਰਦਾ ਨਜ਼ਰ ਆਉਂਦਾ ਹੈ। ਮੋਹਨ ਸਿੰਘ ਦੇ ਵਿਪਰੀਤ ਧਨੀ ਰਾਮ ਚਾਤ੍ਰਕ ਪਰੰਪਰਾਗਤ ਜੀਵਨ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਨੂੰ ਹੀ ਅਪਣਾਉਂਦਾ ਹੈ। ਮਾਰਕਸੀ ਚਿੰਤਨ ਦਾ ਮੂਲ ਆਧਾਰ ਹੈ : 1. ਮਾਰਕਸਵਾਦੀ ਚਿੰਤਨ ਵਿੱਚ ਵਿਰੋਧ-ਵਿਕਾਸ ਜਾਂ ਦਵੰਦਵਾਦੀ ਪਦਾਰਥਵਾਦ ਨੂੰ ਪ੍ਰਾਥਮਿਕ ਸਥਾਨ ਹਾਸਿਲ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ। 2. ਮਾਰਕਸਵਾਦੀ ਚਿੰਤਨ ਦਾ ਮੂਲ ਆਧਾਰ ਦਵੰਦਵਾਦੀ ਪਦਾਰਥਵਾਦ ਹੈ। 3. ਦਵੰਦਵਾਦੀ ਪਦਾਰਥਵਾਦ ਨਾਲ ਮਾਰਕਸੀ ਚਿੰਤਨ ਦਾ ਵਿਗਠਨ ਹੋਇਆ। 4. ਦਵੰਦਵਾਦੀ ਪਦਾਰਥਵਾਦ ਸਦਕਾ ਮਾਰਕਸੀ ਚਿੰਤਨ ਵਿਸ਼ਵ ਦਰਸ਼ਨ ਸਥਾਪਿਤ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਿਆ।	
		A1 :	1
			1
		A2 :	2
			2
		A3 :	3
			3
		A4 :	4
			4
Objective Question			
142	24092		

ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰ੍ਹੇ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਪੁੱਛੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ (91-95) ਦੇ ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਚੁਣੋ :

ਮਾਰਕਸਵਾਦੀ ਚਿੰਤਨ ਨੇ ਦਵੰਦਵਾਦੀ ਪਦਾਰਥਵਾਦ ਦੇ ਸਿਧਾਂਤ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਵਿਗਿਆਨਕ ਵਿਸ਼ਵ ਦਰਸ਼ਨ ਦੇ ਮੂਲ ਆਧਾਰ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਰੂਸ ਦੀ ਕ੍ਰਾਂਤੀ ਦੇ ਵਿਆਪਕ ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਪ੍ਰਭਾਵ ਦੇ ਫਲਸਰੂਪ ਇਹ ਚਿੰਤਨ ਸੁਭਾਵਕ ਹੀ ਭਾਰਤ ਦੇ ਪ੍ਰਗਤੀਸ਼ੀਲ ਸੁਤੰਤਰਤਾ ਸੰਗ੍ਰਾਮ ਦੀ ਸ਼ਕਤੀ ਅਤੇ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਬਣ ਕੇ ਸੁਤੰਤਰਤਾ ਲਈ ਜੁੜਦੇ ਭਾਰਤ ਦੇ ਸਾਂਸਕ੍ਰਿਤਿਕ ਜੀਵਨ ਦੇ ਪ੍ਰਵਾਹ ਨੂੰ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਕਰਨ ਲੱਗ ਪਿਆ ਸੀ। ਅਤੀਤਕਾਲੀਨ ਆਦਰਸ਼ਵਾਦੀ ਮੁੱਲਾਂ ਦੇ ਵਿਗਠਨ ਦੀ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਪਹਿਲੇ ਸੰਸਾਰ ਯੁੱਧ ਨੇ ਹੀ ਬੜੀ ਤੀਬਰਤਾ ਨਾਲ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਸੀ, ਉਸ ਦੀ ਰਹਿੰਦੀ ਕਸਰ ਦੂਜੇ ਸੰਸਾਰ ਯੁੱਧ ਨੇ ਪੂਰੀ ਕਰ ਦਿੱਤੀ। ਚਿਰ-ਸਥਾਪਿਤ ਆਦਰਸ਼ਵਾਦੀ ਕੀਮਤਾਂ ਨਵੀਂ ਇਤਿਹਾਸਕ ਸਥਿਤੀ ਵਿਚ ਆਪਣੀ ਸਾਰਥਕਤਾ ਹੀਛਾ ਚੁੱਕੀਆਂ ਸਨ। ਇਸੇ ਸਮੇਂ ਉਹ ਖ਼ਮੀਰ ਪੈਦਾ ਹੋਇਆ ਜਿਸ ਦੇ ਫਲਸਰੂਪ ਆਧੁਨਿਕ ਵਿਚਾਰਧਾਰਾਵਾਂ ਮਧਕਾਲੀਨ ਜੀਵਨ-ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਦੀ ਥਾਂ ਲੈਣ ਲੱਗੀਆਂ। ਮਧਕਾਲੀਨ ਆਦਰਸ਼ਵਾਦੀ ਵਿਸ਼ਵਾਸਾਂ ਅਤੇ ਕੀਮਤਾਂ ਬਾਰੇ ਸ਼ੰਕੇ ਪੈਦਾ ਹੋਣੇ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਗਏ ਸਨ। ਇਸੇ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਅਧੀਨ ਮੋਹਨ ਸਿੰਘ 'ਰੱਬ' ਨਾਂ ਦੀ ਕਵਿਤਾ ਵਿਚ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਅਤੇ ਅਵਿਸ਼ਵਾਸ ਦੇ ਤਨਾਉ ਵੱਲ ਸੰਕੇਤ ਕਰਦਾ ਹੋਇਆ, ਮਧਕਾਲੀਨ ਵਿਸ਼ਵਾਸ-ਪ੍ਰਬੰਧ ਉੱਤੇ ਪ੍ਰਭਾਵਸ਼ਾਲੀ ਵਾਰ ਕਰਦਾ ਨਜ਼ਰ ਆਉਂਦਾ ਹੈ। ਮੋਹਨ ਸਿੰਘ ਦੇ ਵਿਪਰੀਤ ਧਨੀ ਰਾਮ ਚਾਤ੍ਰਕ ਪਰੰਪਰਾਗਤ ਜੀਵਨ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਨੂੰ ਹੀ ਅਪਣਾਉਂਦਾ ਹੈ।

ਰੂਸ ਦੀ ਕ੍ਰਾਂਤੀ ਦਾ ਭਾਰਤੀ ਸੁਤੰਤਰਤਾ ਸੰਗ੍ਰਾਮ ਉੱਤੇ ਪ੍ਰਭਾਵ :

1. ਰੂਸ ਦੀ ਕ੍ਰਾਂਤੀ ਦਾ ਭਾਰਤੀ ਸੁਤੰਤਰਤਾ ਸੰਗ੍ਰਾਮ ਉੱਪਰ ਕੋਈ ਅਸਰ ਨਹੀਂ ਪਿਆ।
2. ਰੂਸ ਦੀ ਕ੍ਰਾਂਤੀ ਦਾ ਭਾਰਤੀ ਸੁਤੰਤਰਤਾ ਸੰਗ੍ਰਾਮ ਉੱਪਰ ਅਸਿੱਧਾ ਅਸਰ ਪਿਆ।
3. ਭਾਰਤੀ ਸੁਤੰਤਰਤਾ ਸੰਗ੍ਰਾਮ ਕੇਵਲ ਆਪਣੇ ਸਾਂਸਕ੍ਰਿਤਿਕ ਵਿਰਸੇ 'ਤੇ ਆਧਾਰਿਤ ਰਿਹਾ।
4. ਰੂਸ ਦੀ ਕ੍ਰਾਂਤੀ ਦਾ ਅਸਰ ਰੂਸ ਦੀਆਂ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਸੀਮਾਵਾਂ ਤੱਕ ਸੀਮਿਤ ਰਿਹਾ।

ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰ੍ਹੇ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਪੁੱਛੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ (91-95) ਦੇ ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਚੁਣੋ :

ਮਾਰਕਸਵਾਦੀ ਚਿੰਤਨ ਨੇ ਦਵੰਦਵਾਦੀ ਪਦਾਰਥਵਾਦ ਦੇ ਸਿਧਾਂਤ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਵਿਗਿਆਨਕ ਵਿਸ਼ਵ ਦਰਸ਼ਨ ਦੇ ਮੂਲ ਆਧਾਰ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਰੂਸ ਦੀ ਕ੍ਰਾਂਤੀ ਦੇ ਵਿਆਪਕ ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਪ੍ਰਭਾਵ ਦੇ ਫਲਸਰੂਪ ਇਹ ਚਿੰਤਨ ਸੁਭਾਵਕ ਹੀ ਭਾਰਤ ਦੇ ਪ੍ਰਗਤੀਸ਼ੀਲ ਸੁਤੰਤਰਤਾ ਸੰਗ੍ਰਾਮ ਦੀ ਸ਼ਕਤੀ ਅਤੇ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਬਣ ਕੇ ਸੁਤੰਤਰਤਾ ਲਈ ਜੁੜਦੇ ਭਾਰਤ ਦੇ ਸਾਂਸਕ੍ਰਿਤਿਕ ਜੀਵਨ ਦੇ ਪ੍ਰਵਾਹ ਨੂੰ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਕਰਨ ਲੱਗ ਪਿਆ ਸੀ। ਅਤੀਤਕਾਲੀਨ ਆਦਰਸ਼ਵਾਦੀ ਮੁੱਲਾਂ ਦੇ ਵਿਗਠਨ ਦੀ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਪਹਿਲੇ ਸੰਸਾਰ ਯੁੱਧ ਨੇ ਹੀ ਬੜੀ ਤੀਬਰਤਾ ਨਾਲ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਸੀ, ਉਸ ਦੀ ਰਹਿੰਦੀ ਕਸਰ ਦੂਜੇ ਸੰਸਾਰ ਯੁੱਧ ਨੇ ਪੂਰੀ ਕਰ ਦਿੱਤੀ। ਚਿਰ-ਸਥਾਪਿਤ ਆਦਰਸ਼ਵਾਦੀ ਕੀਮਤਾਂ ਨਵੀਂ ਇਤਿਹਾਸਕ ਸਥਿਤੀ ਵਿਚ ਆਪਣੀ ਸਾਰਥਕਤਾ ਹੀਛਾ ਚੁੱਕੀਆਂ ਸਨ। ਇਸੇ ਸਮੇਂ ਉਹ ਖ਼ਮੀਰ ਪੈਦਾ ਹੋਇਆ ਜਿਸ ਦੇ ਫਲਸਰੂਪ ਆਧੁਨਿਕ ਵਿਚਾਰਧਾਰਾਵਾਂ ਮਧਕਾਲੀਨ ਜੀਵਨ-ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਦੀ ਥਾਂ ਲੈਣ ਲੱਗੀਆਂ। ਮਧਕਾਲੀਨ ਆਦਰਸ਼ਵਾਦੀ ਵਿਸ਼ਵਾਸਾਂ ਅਤੇ ਕੀਮਤਾਂ ਬਾਰੇ ਸ਼ੰਕੇ ਪੈਦਾ ਹੋਣੇ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਗਏ ਸਨ। ਇਸੇ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਅਧੀਨ ਮੋਹਨ ਸਿੰਘ 'ਰੱਬ' ਨਾਂ ਦੀ ਕਵਿਤਾ ਵਿਚ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਅਤੇ ਅਵਿਸ਼ਵਾਸ ਦੇ ਤਨਾਉ ਵੱਲ ਸੰਕੇਤ ਕਰਦਾ ਹੋਇਆ, ਮਧਕਾਲੀਨ ਵਿਸ਼ਵਾਸ-ਪ੍ਰਬੰਧ ਉੱਤੇ ਪ੍ਰਭਾਵਸ਼ਾਲੀ ਵਾਰ ਕਰਦਾ ਨਜ਼ਰ ਆਉਂਦਾ ਹੈ। ਮੋਹਨ ਸਿੰਘ ਦੇ ਵਿਪਰੀਤ ਧਨੀ ਰਾਮ ਚਾਤ੍ਰਕ ਪਰੰਪਰਾਗਤ ਜੀਵਨ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਨੂੰ ਹੀ ਅਪਣਾਉਂਦਾ ਹੈ।

ਰੂਸ ਦੀ ਕ੍ਰਾਂਤੀ ਦਾ ਭਾਰਤੀ ਸੁਤੰਤਰਤਾ ਸੰਗ੍ਰਾਮ ਉੱਤੇ ਪ੍ਰਭਾਵ :

1. ਰੂਸ ਦੀ ਕ੍ਰਾਂਤੀ ਦਾ ਭਾਰਤੀ ਸੁਤੰਤਰਤਾ ਸੰਗ੍ਰਾਮ ਉੱਪਰ ਕੋਈ ਅਸਰ ਨਹੀਂ ਪਿਆ।
2. ਰੂਸ ਦੀ ਕ੍ਰਾਂਤੀ ਦਾ ਭਾਰਤੀ ਸੁਤੰਤਰਤਾ ਸੰਗ੍ਰਾਮ ਉੱਪਰ ਅਸਿੱਧਾ ਅਸਰ ਪਿਆ।
3. ਭਾਰਤੀ ਸੁਤੰਤਰਤਾ ਸੰਗ੍ਰਾਮ ਕੇਵਲ ਆਪਣੇ ਸਾਂਸਕ੍ਰਿਤਿਕ ਵਿਰਸੇ 'ਤੇ ਆਧਾਰਿਤ ਰਿਹਾ।
4. ਰੂਸ ਦੀ ਕ੍ਰਾਂਤੀ ਦਾ ਅਸਰ ਰੂਸ ਦੀਆਂ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਸੀਮਾਵਾਂ ਤੱਕ ਸੀਮਿਤ ਰਿਹਾ।

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

Objective Question

143 24093

ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰ੍ਹੇ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਪੁੱਛੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ (91-95) ਦੇ ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਚੁਣੋ :

ਮਾਰਕਸਵਾਦੀ ਚਿੰਤਨ ਨੇ ਦਵੰਦਵਾਦੀ ਪਦਾਰਥਵਾਦ ਦੇ ਸਿਧਾਂਤ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਵਿਗਿਆਨਕ ਵਿਸ਼ਵ ਦਰਸ਼ਨ ਦੇ ਮੂਲ ਆਧਾਰ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਰੂਸ ਦੀ ਕ੍ਰਾਂਤੀ ਦੇ ਵਿਆਪਕ ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਪ੍ਰਭਾਵ ਦੇ ਫਲਸਰੂਪ ਇਹ ਚਿੰਤਨ ਸੁਭਾਵਕ ਹੀ ਭਾਰਤ ਦੇ ਪ੍ਰਗਤੀਸ਼ੀਲ ਸੁਤੰਤਰਤਾ ਸੰਗ੍ਰਾਮ ਦੀ ਸ਼ਕਤੀ ਅਤੇ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਬਣ ਕੇ ਸੁਤੰਤਰਤਾ ਲਈ ਚੁਝਦੇ ਭਾਰਤ ਦੇ ਸਾਂਸਕ੍ਰਿਤਿਕ ਜੀਵਨ ਦੇ ਪ੍ਰਵਾਹ ਨੂੰ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਕਰਨ ਲੱਗ ਪਿਆ ਸੀ। ਅਤੀਤਕਾਲੀਨ ਆਦਰਸ਼ਵਾਦੀ ਮੁੱਲਾਂ ਦੇ ਵਿਗਠਨ ਦੀ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਪਹਿਲੇ ਸੰਸਾਰ ਯੁੱਧ ਨੇ ਹੀ ਬੜੀ ਤੀਬਰਤਾ ਨਾਲ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਸੀ, ਉਸ ਦੀ ਰਹਿੰਦੀ ਕਸਰ ਦੂਜੇ ਸੰਸਾਰ ਯੁੱਧ ਨੇ ਪੂਰੀ ਕਰ ਦਿੱਤੀ। ਚਿਰ-ਸਥਾਪਿਤ ਆਦਰਸ਼ਵਾਦੀ ਕੀਮਤਾਂ ਨਵੀਂ ਇਤਿਹਾਸਕ ਸਥਿਤੀ ਵਿਚ ਆਪਣੀ ਸਾਰਥਕਤਾ ਹੰਢਾ ਚੁੱਕੀਆਂ ਸਨ। ਇਸੇ ਸਮੇਂ ਉਹ ਖ਼ਮੀਰ ਪੈਦਾ ਹੋਇਆ ਜਿਸ ਦੇ ਫਲਸਰੂਪ ਆਧੁਨਿਕ ਵਿਚਾਰਧਾਰਾਵਾਂ ਮਧਕਾਲੀਨ ਜੀਵਨ-ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਦੀ ਥਾਂ ਲੈਣ ਲੱਗੀਆਂ। ਮਧਕਾਲੀਨ ਆਦਰਸ਼ਵਾਦੀ ਵਿਸ਼ਵਾਸਾਂ ਅਤੇ ਕੀਮਤਾਂ ਬਾਰੇ ਸ਼ੰਕੇ ਪੈਦਾ ਹੋਣੇ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਗਏ ਸਨ। ਇਸੇ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਅਧੀਨ ਮੋਹਨ ਸਿੰਘ 'ਰੱਬ' ਨਾਂ ਦੀ ਕਵਿਤਾ ਵਿਚ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਅਤੇ ਅਵਿਸ਼ਵਾਸ ਦੇ ਤਨਾਉ ਵੱਲ ਸੰਕੇਤ ਕਰਦਾ ਹੋਇਆ, ਮਧਕਾਲੀਨ ਵਿਸ਼ਵਾਸ-ਪ੍ਰਬੰਧ ਉੱਤੇ ਪ੍ਰਭਾਵਸ਼ਾਲੀ ਵਾਰ ਕਰਦਾ ਨਜ਼ਰ ਆਉਂਦਾ ਹੈ। ਮੋਹਨ ਸਿੰਘ ਦੇ ਵਿਪਰੀਤ ਧਨੀ ਰਾਮ ਚਾਤ੍ਰਕ ਪਰੰਪਰਾਗਤ ਜੀਵਨ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਨੂੰ ਹੀ ਅਪਣਾਉਂਦਾ ਹੈ।

ਸੰਸਾਰ ਯੁੱਧ ਦਾ ਭਾਰਤੀ ਕਦਰਾਂ-ਕੀਮਤਾਂ 'ਤੇ ਪ੍ਰਭਾਵ :

1. ਆਦਰਸ਼ਕ ਕਦਰਾਂ-ਕੀਮਤਾਂ ਦਾ ਵਿਗਠਨ।
2. ਭਾਰਤ ਸਾਂਸਕ੍ਰਿਤਿਕ ਕਦਰਾਂ-ਕੀਮਤਾਂ ਨਾਲ ਪੱਕੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬੱਝਾ ਰਿਹਾ।
3. ਪਰੰਪਰਾਗਤ ਕਦਰਾਂ-ਕੀਮਤਾਂ ਪ੍ਰਤੀ ਉਮਾਹ।
4. ਨਵੀਂ ਸਥਿਤੀ ਵਿਚ ਆਦਰਸ਼ਵਾਦੀ ਕਦਰਾਂ-ਕੀਮਤਾਂ ਅਹਿਮ ਰੋਲ ਅਦਾ ਕਰ ਰਹੀਆਂ ਸਨ।

ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰ੍ਹੇ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਪੁੱਛੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ (91-95) ਦੇ ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਚੁਣੋ :

ਮਾਰਕਸਵਾਦੀ ਚਿੰਤਨ ਨੇ ਦਵੰਦਵਾਦੀ ਪਦਾਰਥਵਾਦ ਦੇ ਸਿਧਾਂਤ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਵਿਗਿਆਨਕ ਵਿਸ਼ਵ ਦਰਸ਼ਨ ਦੇ ਮੂਲ ਆਧਾਰ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਰੂਸ ਦੀ ਕ੍ਰਾਂਤੀ ਦੇ ਵਿਆਪਕ ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਪ੍ਰਭਾਵ ਦੇ ਫਲਸਰੂਪ ਇਹ ਚਿੰਤਨ ਸੁਭਾਵਕ ਹੀ ਭਾਰਤ ਦੇ ਪ੍ਰਗਤੀਸ਼ੀਲ ਸੁਤੰਤਰਤਾ ਸੰਗ੍ਰਾਮ ਦੀ ਸ਼ਕਤੀ ਅਤੇ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਬਣ ਕੇ ਸੁਤੰਤਰਤਾ ਲਈ ਚੁਝਦੇ ਭਾਰਤ ਦੇ ਸਾਂਸਕ੍ਰਿਤਿਕ ਜੀਵਨ ਦੇ ਪ੍ਰਵਾਹ ਨੂੰ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਕਰਨ ਲੱਗ ਪਿਆ ਸੀ। ਅਤੀਤਕਾਲੀਨ ਆਦਰਸ਼ਵਾਦੀ ਮੁੱਲਾਂ ਦੇ ਵਿਗਠਨ ਦੀ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਪਹਿਲੇ ਸੰਸਾਰ ਯੁੱਧ ਨੇ ਹੀ ਬੜੀ ਤੀਬਰਤਾ ਨਾਲ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਸੀ, ਉਸ ਦੀ ਰਹਿੰਦੀ ਕਸਰ ਦੂਜੇ ਸੰਸਾਰ ਯੁੱਧ ਨੇ ਪੂਰੀ ਕਰ ਦਿੱਤੀ। ਚਿਰ-ਸਥਾਪਿਤ ਆਦਰਸ਼ਵਾਦੀ ਕੀਮਤਾਂ ਨਵੀਂ ਇਤਿਹਾਸਕ ਸਥਿਤੀ ਵਿਚ ਆਪਣੀ ਸਾਰਥਕਤਾ ਹੰਢਾ ਚੁੱਕੀਆਂ ਸਨ। ਇਸੇ ਸਮੇਂ ਉਹ ਖ਼ਮੀਰ ਪੈਦਾ ਹੋਇਆ ਜਿਸ ਦੇ ਫਲਸਰੂਪ ਆਧੁਨਿਕ ਵਿਚਾਰਧਾਰਾਵਾਂ ਮਧਕਾਲੀਨ ਜੀਵਨ-ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਦੀ ਥਾਂ ਲੈਣ ਲੱਗੀਆਂ। ਮਧਕਾਲੀਨ ਆਦਰਸ਼ਵਾਦੀ ਵਿਸ਼ਵਾਸਾਂ ਅਤੇ ਕੀਮਤਾਂ ਬਾਰੇ ਸ਼ੰਕੇ ਪੈਦਾ ਹੋਣੇ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਗਏ ਸਨ। ਇਸੇ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਅਧੀਨ ਮੋਹਨ ਸਿੰਘ 'ਰੱਬ' ਨਾਂ ਦੀ ਕਵਿਤਾ ਵਿਚ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਅਤੇ ਅਵਿਸ਼ਵਾਸ ਦੇ ਤਨਾਉ ਵੱਲ ਸੰਕੇਤ ਕਰਦਾ ਹੋਇਆ, ਮਧਕਾਲੀਨ ਵਿਸ਼ਵਾਸ-ਪ੍ਰਬੰਧ ਉੱਤੇ ਪ੍ਰਭਾਵਸ਼ਾਲੀ ਵਾਰ ਕਰਦਾ ਨਜ਼ਰ ਆਉਂਦਾ ਹੈ। ਮੋਹਨ ਸਿੰਘ ਦੇ ਵਿਪਰੀਤ ਧਨੀ ਰਾਮ ਚਾਤ੍ਰਕ ਪਰੰਪਰਾਗਤ ਜੀਵਨ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਨੂੰ ਹੀ ਅਪਣਾਉਂਦਾ ਹੈ।

ਸੰਸਾਰ ਯੁੱਧ ਦਾ ਭਾਰਤੀ ਕਦਰਾਂ-ਕੀਮਤਾਂ 'ਤੇ ਪ੍ਰਭਾਵ :

1. ਆਦਰਸ਼ਕ ਕਦਰਾਂ-ਕੀਮਤਾਂ ਦਾ ਵਿਗਠਨ।
2. ਭਾਰਤ ਸਾਂਸਕ੍ਰਿਤਿਕ ਕਦਰਾਂ-ਕੀਮਤਾਂ ਨਾਲ ਪੱਕੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬੱਝਾ ਰਿਹਾ।
3. ਪਰੰਪਰਾਗਤ ਕਦਰਾਂ-ਕੀਮਤਾਂ ਪ੍ਰਤੀ ਉਮਾਹ।
4. ਨਵੀਂ ਸਥਿਤੀ ਵਿਚ ਆਦਰਸ਼ਵਾਦੀ ਕਦਰਾਂ-ਕੀਮਤਾਂ ਅਹਿਮ ਰੋਲ ਅਦਾ ਕਰ ਰਹੀਆਂ ਸਨ।

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

144 24094

ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰ੍ਹੇ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਪੁੱਛੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ (91-95) ਦੇ ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਚੁਣੋ :

ਮਾਰਕਸਵਾਦੀ ਚਿੰਤਨ ਨੇ ਦਵੰਦਵਾਦੀ ਪਦਾਰਥਵਾਦ ਦੇ ਸਿਧਾਂਤ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਵਿਗਿਆਨਕ ਵਿਸ਼ਵ ਦਰਸ਼ਨ ਦੇ ਮੂਲ ਆਧਾਰ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਰੂਸ ਦੀ ਕ੍ਰਾਂਤੀ ਦੇ ਵਿਆਪਕ ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਪ੍ਰਭਾਵ ਦੇ ਫਲਸਰੂਪ ਇਹ ਚਿੰਤਨ ਸੁਭਾਵਕ ਹੀ ਭਾਰਤ ਦੇ ਪ੍ਰਗਤੀਸ਼ੀਲ ਸੁਤੰਤਰਤਾ ਸੰਗ੍ਰਾਮ ਦੀ ਸ਼ਕਤੀ ਅਤੇ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਬਣ ਕੇ ਸੁਤੰਤਰਤਾ ਲਈ ਜੁੜਦੇ ਭਾਰਤ ਦੇ ਸਾਂਸਕ੍ਰਿਤਿਕ ਜੀਵਨ ਦੇ ਪ੍ਰਵਾਹ ਨੂੰ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਕਰਨ ਲੱਗ ਪਿਆ ਸੀ। ਅਤੀਤਕਾਲੀਨ ਆਦਰਸ਼ਵਾਦੀ ਮੁੱਲਾਂ ਦੇ ਵਿਗਠਨ ਦੀ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਪਹਿਲੇ ਸੰਸਾਰ ਯੁੱਧ ਨੇ ਹੀ ਬੜੀ ਤੀਬਰਤਾ ਨਾਲ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਸੀ, ਉਸ ਦੀ ਰਹਿੰਦੀ ਕਸਰ ਦੂਜੇ ਸੰਸਾਰ ਯੁੱਧ ਨੇ ਪੂਰੀ ਕਰ ਦਿੱਤੀ। ਚਿਰ-ਸਥਾਪਿਤ ਆਦਰਸ਼ਵਾਦੀ ਕੀਮਤਾਂ ਨਵੀਂ ਇਤਿਹਾਸਕ ਸਥਿਤੀ ਵਿਚ ਆਪਣੀ ਸਾਰਥਕਤਾ ਹੰਢਾ ਚੁੱਕੀਆਂ ਸਨ। ਇਸੇ ਸਮੇਂ ਉਹ ਖ਼ਮੀਰ ਪੈਦਾ ਹੋਇਆ ਜਿਸ ਦੇ ਫਲਸਰੂਪ ਆਧੁਨਿਕ ਵਿਚਾਰਧਾਰਾਵਾਂ ਮਧਕਾਲੀਨ ਜੀਵਨ-ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਦੀ ਥਾਂ ਲੈਣ ਲੱਗੀਆਂ। ਮਧਕਾਲੀਨ ਆਦਰਸ਼ਵਾਦੀ ਵਿਸ਼ਵਾਸਾਂ ਅਤੇ ਕੀਮਤਾਂ ਬਾਰੇ ਸ਼ੰਕੇ ਪੈਦਾ ਹੋਣੇ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਗਏ ਸਨ। ਇਸੇ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਅਧੀਨ ਮੋਹਨ ਸਿੰਘ 'ਰੱਬ' ਨਾਂ ਦੀ ਕਵਿਤਾ ਵਿਚ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਅਤੇ ਅਵਿਸ਼ਵਾਸ ਦੇ ਤਨਾਉ ਵੱਲ ਸੰਕੇਤ ਕਰਦਾ ਹੋਇਆ, ਮਧਕਾਲੀਨ ਵਿਸ਼ਵਾਸ-ਪ੍ਰਬੰਧ ਉੱਤੇ ਪ੍ਰਭਾਵਸ਼ਾਲੀ ਵਾਰ ਕਰਦਾ ਨਜ਼ਰ ਆਉਂਦਾ ਹੈ। ਮੋਹਨ ਸਿੰਘ ਦੇ ਵਿਪਰੀਤ ਧਨੀ ਰਾਮ ਚਾਤ੍ਰਕ ਪਰੰਪਰਾਗਤ ਜੀਵਨ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਨੂੰ ਹੀ ਅਪਣਾਉਂਦਾ ਹੈ।

ਮਾਰਕਸੀ ਚਿੰਤਨ ਦਾ ਭਾਰਤੀ ਜੀਵਨ-ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ 'ਤੇ ਪ੍ਰਭਾਵ :

1. ਮੱਧਕਾਲੀ ਚਿੰਤਨ ਦਾ ਗ਼ਲਬਾ ਪੰਜਾਬੀ ਜੀਵਨ ਉੱਪਰ ਭਾਰੂ ਰਿਹਾ।
2. ਮਾਰਕਸੀ ਚਿੰਤਨ ਨਾਲ ਭਾਰਤ ਵਿਚ ਆਧੁਨਿਕ ਜੀਵਨ-ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਦਾ ਆਗ਼ਾਜ਼ ਹੋਇਆ।
3. ਰੂਸੀ ਕ੍ਰਾਂਤੀ ਦੀ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਅਧੀਨ ਮੋਹਨ ਸਿੰਘ ਨੇ ਮੱਧਕਾਲੀ ਜੀਵਨ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਦਾ ਵਿਸਤਾਰ ਕੀਤਾ।
4. ਮੱਧਕਾਲੀ ਚੇਤਨਾ ਨੂੰ ਮਾਰਕਸੀ ਚਿੰਤਨ ਨੇ ਪਰਪੱਕ ਕੀਤਾ।

ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰ੍ਹੇ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਪੁੱਛੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ (91-95) ਦੇ ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਚੁਣੋ :

ਮਾਰਕਸਵਾਦੀ ਚਿੰਤਨ ਨੇ ਦਵੰਦਵਾਦੀ ਪਦਾਰਥਵਾਦ ਦੇ ਸਿਧਾਂਤ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਵਿਗਿਆਨਕ ਵਿਸ਼ਵ ਦਰਸ਼ਨ ਦੇ ਮੂਲ ਆਧਾਰ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਰੂਸ ਦੀ ਕ੍ਰਾਂਤੀ ਦੇ ਵਿਆਪਕ ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਪ੍ਰਭਾਵ ਦੇ ਫਲਸਰੂਪ ਇਹ ਚਿੰਤਨ ਸੁਭਾਵਕ ਹੀ ਭਾਰਤ ਦੇ ਪ੍ਰਗਤੀਸ਼ੀਲ ਸੁਤੰਤਰਤਾ ਸੰਗ੍ਰਾਮ ਦੀ ਸ਼ਕਤੀ ਅਤੇ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਬਣ ਕੇ ਸੁਤੰਤਰਤਾ ਲਈ ਜੁੜਦੇ ਭਾਰਤ ਦੇ ਸਾਂਸਕ੍ਰਿਤਿਕ ਜੀਵਨ ਦੇ ਪ੍ਰਵਾਹ ਨੂੰ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਕਰਨ ਲੱਗ ਪਿਆ ਸੀ। ਅਤੀਤਕਾਲੀਨ ਆਦਰਸ਼ਵਾਦੀ ਮੁੱਲਾਂ ਦੇ ਵਿਗਠਨ ਦੀ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਪਹਿਲੇ ਸੰਸਾਰ ਯੁੱਧ ਨੇ ਹੀ ਬੜੀ ਤੀਬਰਤਾ ਨਾਲ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਸੀ, ਉਸ ਦੀ ਰਹਿੰਦੀ ਕਸਰ ਦੂਜੇ ਸੰਸਾਰ ਯੁੱਧ ਨੇ ਪੂਰੀ ਕਰ ਦਿੱਤੀ। ਚਿਰ-ਸਥਾਪਿਤ ਆਦਰਸ਼ਵਾਦੀ ਕੀਮਤਾਂ ਨਵੀਂ ਇਤਿਹਾਸਕ ਸਥਿਤੀ ਵਿਚ ਆਪਣੀ ਸਾਰਥਕਤਾ ਹੰਢਾ ਚੁੱਕੀਆਂ ਸਨ। ਇਸੇ ਸਮੇਂ ਉਹ ਖ਼ਮੀਰ ਪੈਦਾ ਹੋਇਆ ਜਿਸ ਦੇ ਫਲਸਰੂਪ ਆਧੁਨਿਕ ਵਿਚਾਰਧਾਰਾਵਾਂ ਮਧਕਾਲੀਨ ਜੀਵਨ-ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਦੀ ਥਾਂ ਲੈਣ ਲੱਗੀਆਂ। ਮਧਕਾਲੀਨ ਆਦਰਸ਼ਵਾਦੀ ਵਿਸ਼ਵਾਸਾਂ ਅਤੇ ਕੀਮਤਾਂ ਬਾਰੇ ਸ਼ੰਕੇ ਪੈਦਾ ਹੋਣੇ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਗਏ ਸਨ। ਇਸੇ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਅਧੀਨ ਮੋਹਨ ਸਿੰਘ 'ਰੱਬ' ਨਾਂ ਦੀ ਕਵਿਤਾ ਵਿਚ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਅਤੇ ਅਵਿਸ਼ਵਾਸ ਦੇ ਤਨਾਉ ਵੱਲ ਸੰਕੇਤ ਕਰਦਾ ਹੋਇਆ, ਮਧਕਾਲੀਨ ਵਿਸ਼ਵਾਸ-ਪ੍ਰਬੰਧ ਉੱਤੇ ਪ੍ਰਭਾਵਸ਼ਾਲੀ ਵਾਰ ਕਰਦਾ ਨਜ਼ਰ ਆਉਂਦਾ ਹੈ। ਮੋਹਨ ਸਿੰਘ ਦੇ ਵਿਪਰੀਤ ਧਨੀ ਰਾਮ ਚਾਤ੍ਰਕ ਪਰੰਪਰਾਗਤ ਜੀਵਨ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਨੂੰ ਹੀ ਅਪਣਾਉਂਦਾ ਹੈ।

ਮਾਰਕਸੀ ਚਿੰਤਨ ਦਾ ਭਾਰਤੀ ਜੀਵਨ-ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ 'ਤੇ ਪ੍ਰਭਾਵ :

1. ਮੱਧਕਾਲੀ ਚਿੰਤਨ ਦਾ ਗ਼ਲਬਾ ਪੰਜਾਬੀ ਜੀਵਨ ਉੱਪਰ ਭਾਰੂ ਰਿਹਾ।
2. ਮਾਰਕਸੀ ਚਿੰਤਨ ਨਾਲ ਭਾਰਤ ਵਿਚ ਆਧੁਨਿਕ ਜੀਵਨ-ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਦਾ ਆਗ਼ਾਜ਼ ਹੋਇਆ।
3. ਰੂਸੀ ਕ੍ਰਾਂਤੀ ਦੀ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਅਧੀਨ ਮੋਹਨ ਸਿੰਘ ਨੇ ਮੱਧਕਾਲੀ ਜੀਵਨ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਦਾ ਵਿਸਤਾਰ ਕੀਤਾ।
4. ਮੱਧਕਾਲੀ ਚੇਤਨਾ ਨੂੰ ਮਾਰਕਸੀ ਚਿੰਤਨ ਨੇ ਪਰਪੱਕ ਕੀਤਾ।

A1
:

1

A2
:

2

2

A3
:

3

3

A4
:

4

4

Objective Question

145 24095

ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰ੍ਹੇ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਪੁੱਛੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ (91-95) ਦੇ ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਚੁਣੋ :

ਮਾਰਕਸਵਾਦੀ ਚਿੰਤਨ ਨੇ ਦਵੰਦਵਾਦੀ ਪਦਾਰਥਵਾਦ ਦੇ ਸਿਧਾਂਤ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਵਿਗਿਆਨਕ ਵਿਸ਼ਵ ਦਰਸ਼ਨ ਦੇ ਮੂਲ ਆਧਾਰ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿੱਚ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਰੂਸ ਦੀ ਕ੍ਰਾਂਤੀ ਦੇ ਵਿਆਪਕ ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਪ੍ਰਭਾਵ ਦੇ ਫਲਸਰੂਪ ਇਹ ਚਿੰਤਨ ਸੁਭਾਵਕ ਹੀ ਭਾਰਤ ਦੇ ਪ੍ਰਗਤੀਸ਼ੀਲ ਸੁਤੰਤਰਤਾ ਸੰਗ੍ਰਾਮ ਦੀ ਸ਼ਕਤੀ ਅਤੇ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਬਣ ਕੇ ਸੁਤੰਤਰਤਾ ਲਈ ਜੁੜਦੇ ਭਾਰਤ ਦੇ ਸਾਂਸਕ੍ਰਿਤਿਕ ਜੀਵਨ ਦੇ ਪ੍ਰਵਾਹ ਨੂੰ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਕਰਨ ਲੱਗ ਪਿਆ ਸੀ। ਅਤੀਤਕਾਲੀਨ ਆਦਰਸ਼ਵਾਦੀ ਮੁੱਲਾਂ ਦੇ ਵਿਗਠਨ ਦੀ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਪਹਿਲੇ ਸੰਸਾਰ ਯੁੱਧ ਨੇ ਹੀ ਬੜੀ ਤੀਬਰਤਾ ਨਾਲ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਸੀ, ਉਸ ਦੀ ਰਹਿੰਦੀ ਕਸਰ ਦੂਜੇ ਸੰਸਾਰ ਯੁੱਧ ਨੇ ਪੂਰੀ ਕਰ ਦਿੱਤੀ। ਚਿਰ-ਸਥਾਪਿਤ ਆਦਰਸ਼ਵਾਦੀ ਕੀਮਤਾਂ ਨਵੀਂ ਇਤਿਹਾਸਕ ਸਥਿਤੀ ਵਿੱਚ ਆਪਣੀ ਸਾਰਥਕਤਾ ਹੀਛਾ ਚੁੱਕੀਆਂ ਸਨ। ਇਸੇ ਸਮੇਂ ਉਹ ਖ਼ਮੀਰ ਪੈਦਾ ਹੋਇਆ ਜਿਸ ਦੇ ਫਲਸਰੂਪ ਆਧੁਨਿਕ ਵਿਚਾਰਧਾਰਾਵਾਂ ਮਧਕਾਲੀਨ ਜੀਵਨ-ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਦੀ ਥਾਂ ਲੈਣ ਲੱਗੀਆਂ। ਮਧਕਾਲੀਨ ਆਦਰਸ਼ਵਾਦੀ ਵਿਸ਼ਵਾਸਾਂ ਅਤੇ ਕੀਮਤਾਂ ਬਾਰੇ ਸ਼ੰਕੇ ਪੈਦਾ ਹੋਣੇ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਗਏ ਸਨ। ਇਸੇ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਅਧੀਨ ਮੋਹਨ ਸਿੰਘ 'ਰੱਬ' ਨਾਂ ਦੀ ਕਵਿਤਾ ਵਿੱਚ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਅਤੇ ਅਵਿਸ਼ਵਾਸ ਦੇ ਤਨਾਉ ਵੱਲ ਸੰਕੇਤ ਕਰਦਾ ਹੋਇਆ, ਮਧਕਾਲੀਨ ਵਿਸ਼ਵਾਸ-ਪ੍ਰਬੰਧ ਉੱਤੇ ਪ੍ਰਭਾਵਸ਼ਾਲੀ ਵਾਰ ਕਰਦਾ ਨਜ਼ਰ ਆਉਂਦਾ ਹੈ। ਮੋਹਨ ਸਿੰਘ ਦੇ ਵਿਪਰੀਤ ਧਨੀ ਰਾਮ ਚਾਤ੍ਰਿਕ ਪਰੰਪਰਾਗਤ ਜੀਵਨ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਨੂੰ ਹੀ ਅਪਣਾਉਂਦਾ ਹੈ।

ਧਨੀ ਰਾਮ ਚਾਤ੍ਰਿਕ ਦੀ ਜੀਵਨ-ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ :

1. ਧਨੀ ਰਾਮ ਚਾਤ੍ਰਿਕ ਪਰੰਪਰਾਗਤ ਅਤੇ ਆਧੁਨਿਕ ਜੀਵਨ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਦੇ ਤਣਾਓ ਵਿੱਚ ਵਿਚਰਦਾ ਹੈ।
2. ਧਨੀ ਰਾਮ ਚਾਤ੍ਰਿਕ ਪਰੰਪਰਾਗਤ ਜੀਵਨ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਨੂੰ ਵਿਸਤਾਰਦਾ ਹੈ।
3. ਧਨੀ ਰਾਮ ਚਾਤ੍ਰਿਕ ਆਧੁਨਿਕ ਜੀਵਨ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਦਾ ਵੀ ਕਵੀ ਹੈ।
4. ਧਨੀ ਰਾਮ ਚਾਤ੍ਰਿਕ ਅੰਸ਼ਿਕ ਰੂਪ ਵਿੱਚ ਪਰੰਪਰਾਗਤ ਜੀਵਨ ਸ਼ੈਲੀ ਨੂੰ ਅਖਤਿਆਰ ਕਰਦਾ ਹੈ।

ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰ੍ਹੇ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਪੁੱਛੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ (91-95) ਦੇ ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਚੁਣੋ :

ਮਾਰਕਸਵਾਦੀ ਚਿੰਤਨ ਨੇ ਦਵੰਦਵਾਦੀ ਪਦਾਰਥਵਾਦ ਦੇ ਸਿਧਾਂਤ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਵਿਗਿਆਨਕ ਵਿਸ਼ਵ ਦਰਸ਼ਨ ਦੇ ਮੂਲ ਆਧਾਰ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿੱਚ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਸੀ। ਰੂਸ ਦੀ ਕ੍ਰਾਂਤੀ ਦੇ ਵਿਆਪਕ ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਪ੍ਰਭਾਵ ਦੇ ਫਲਸਰੂਪ ਇਹ ਚਿੰਤਨ ਸੁਭਾਵਕ ਹੀ ਭਾਰਤ ਦੇ ਪ੍ਰਗਤੀਸ਼ੀਲ ਸੁਤੰਤਰਤਾ ਸੰਗ੍ਰਾਮ ਦੀ ਸ਼ਕਤੀ ਅਤੇ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਬਣ ਕੇ ਸੁਤੰਤਰਤਾ ਲਈ ਜੁੜਦੇ ਭਾਰਤ ਦੇ ਸਾਂਸਕ੍ਰਿਤਿਕ ਜੀਵਨ ਦੇ ਪ੍ਰਵਾਹ ਨੂੰ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਕਰਨ ਲੱਗ ਪਿਆ ਸੀ। ਅਤੀਤਕਾਲੀਨ ਆਦਰਸ਼ਵਾਦੀ ਮੁੱਲਾਂ ਦੇ ਵਿਗਠਨ ਦੀ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਪਹਿਲੇ ਸੰਸਾਰ ਯੁੱਧ ਨੇ ਹੀ ਬੜੀ ਤੀਬਰਤਾ ਨਾਲ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਸੀ, ਉਸ ਦੀ ਰਹਿੰਦੀ ਕਸਰ ਦੂਜੇ ਸੰਸਾਰ ਯੁੱਧ ਨੇ ਪੂਰੀ ਕਰ ਦਿੱਤੀ। ਚਿਰ-ਸਥਾਪਿਤ ਆਦਰਸ਼ਵਾਦੀ ਕੀਮਤਾਂ ਨਵੀਂ ਇਤਿਹਾਸਕ ਸਥਿਤੀ ਵਿੱਚ ਆਪਣੀ ਸਾਰਥਕਤਾ ਹੀਛਾ ਚੁੱਕੀਆਂ ਸਨ। ਇਸੇ ਸਮੇਂ ਉਹ ਖ਼ਮੀਰ ਪੈਦਾ ਹੋਇਆ ਜਿਸ ਦੇ ਫਲਸਰੂਪ ਆਧੁਨਿਕ ਵਿਚਾਰਧਾਰਾਵਾਂ ਮਧਕਾਲੀਨ ਜੀਵਨ-ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਦੀ ਥਾਂ ਲੈਣ ਲੱਗੀਆਂ। ਮਧਕਾਲੀਨ ਆਦਰਸ਼ਵਾਦੀ ਵਿਸ਼ਵਾਸਾਂ ਅਤੇ ਕੀਮਤਾਂ ਬਾਰੇ ਸ਼ੰਕੇ ਪੈਦਾ ਹੋਣੇ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਗਏ ਸਨ। ਇਸੇ ਪ੍ਰੇਰਨਾ ਅਧੀਨ ਮੋਹਨ ਸਿੰਘ 'ਰੱਬ' ਨਾਂ ਦੀ ਕਵਿਤਾ ਵਿੱਚ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਅਤੇ ਅਵਿਸ਼ਵਾਸ ਦੇ ਤਨਾਉ ਵੱਲ ਸੰਕੇਤ ਕਰਦਾ ਹੋਇਆ, ਮਧਕਾਲੀਨ ਵਿਸ਼ਵਾਸ-ਪ੍ਰਬੰਧ ਉੱਤੇ ਪ੍ਰਭਾਵਸ਼ਾਲੀ ਵਾਰ ਕਰਦਾ ਨਜ਼ਰ ਆਉਂਦਾ ਹੈ। ਮੋਹਨ ਸਿੰਘ ਦੇ ਵਿਪਰੀਤ ਧਨੀ ਰਾਮ ਚਾਤ੍ਰਿਕ ਪਰੰਪਰਾਗਤ ਜੀਵਨ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਨੂੰ ਹੀ ਅਪਣਾਉਂਦਾ ਹੈ।

ਧਨੀ ਰਾਮ ਚਾਤ੍ਰਿਕ ਦੀ ਜੀਵਨ-ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ :

1. ਧਨੀ ਰਾਮ ਚਾਤ੍ਰਿਕ ਪਰੰਪਰਾਗਤ ਅਤੇ ਆਧੁਨਿਕ ਜੀਵਨ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਦੇ ਤਣਾਓ ਵਿੱਚ ਵਿਚਰਦਾ ਹੈ।
2. ਧਨੀ ਰਾਮ ਚਾਤ੍ਰਿਕ ਪਰੰਪਰਾਗਤ ਜੀਵਨ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਨੂੰ ਵਿਸਤਾਰਦਾ ਹੈ।
3. ਧਨੀ ਰਾਮ ਚਾਤ੍ਰਿਕ ਆਧੁਨਿਕ ਜੀਵਨ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀ ਦਾ ਵੀ ਕਵੀ ਹੈ।
4. ਧਨੀ ਰਾਮ ਚਾਤ੍ਰਿਕ ਅੰਸ਼ਿਕ ਰੂਪ ਵਿੱਚ ਪਰੰਪਰਾਗਤ ਜੀਵਨ ਸ਼ੈਲੀ ਨੂੰ ਅਖਤਿਆਰ ਕਰਦਾ ਹੈ।

A1 1

:

1

A2 2

:

2

A3 3

:

3

A4 4

:

4

Objective Question

146 24096

ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰ੍ਹੇ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਪੁੱਛੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ (96-100) ਦੇ ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਚੁਣੋ :

ਰੂਸੀ ਰੂਪਵਾਦ ਦਾ ਅਧਿਐਨ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਸੁਚੇਤ ਜਾਂ ਅਚੇਤ ਤੌਰ 'ਤੇ ਅਸਤਿਤਵ, ਅਨੁਭਵ ਅਤੇ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਉੱਪਰ ਬਲ ਦਿੰਦੇ ਹੋਏ ਜਾਪਦੇ ਹਨ। ਉਹ ਨਿੱਤ ਜੀਵਨ ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਕਾਵਿ ਭਾਸ਼ਾ ਨੂੰ ਇੱਕ ਦੂਜੇ ਤੋਂ ਨਿਖੇੜਦੇ ਹਨ। ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਅਭਿਆਸ ਜਾਂ ਆਦਤ ਤੋਂ ਪੈਦਾ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਮਕਾਨਕੀ ਸਵੈਚਾਲਨ (automatization) ਦਾ ਵਿਰੋਧ ਹੈ। ਆਦਤ ਵੱਸ ਅਸੀਂ ਬਹੁਤੇ ਕੰਮ ਅਚੇਤ ਹੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਅਤੇ ਕਈ ਵਾਰ ਭੁੱਲ ਜਾਂਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਫਲਾਣਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਵੀ ਸੀ ਕਿ ਨਹੀਂ। ਕਲਾਤਮਕ ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਸਾਡੇ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਨੂੰ ਨਵੇਂ ਸਿਰਿਓਂ ਤਰੇਤਾਜ਼ਾ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਇਸੇ ਹੀ ਵਿਚਾਰ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਅਮਰੀਕੀ ਫ਼ਿਲਾਸਫ਼ਰ ਸੂਸਨ ਕੇ. ਲੈਂਗਰ ਨੇ ਵਿਸਤਾਰਿਆ। ਕਲਾ-ਮੂਰਤ ਨੂੰ ਫ਼ਾਲ ਪ੍ਰਸੰਗਾਂ ਤੋਂ ਕੱਟ ਕੇ ਨਿਰੇਲ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਲਈ ਪੇਸ਼ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਸਿੱਟਾ ਇਹ ਨਿਕਲਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੇ ਵਿਚ ਉਸ ਸੰਬੰਧੀ ਤੀਬਰ ਚੇਤਨਾ ਦਾ ਅਹਿਸਾਸ ਜਾਗਦਾ ਹੈ। ਵਾਸਤਵਿਕਤਾ, ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਰਾਹੀਂ ਤੀਬਰ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਜਗਾਉਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਗੱਲ ਸਾਹਿਤ ਦੇ ਸਾਰੇ ਰੂਪਾਂ ਉੱਪਰ ਲਾਗੂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਗੱਲ ਨਾਲ ਸਾਹਿਤ ਅਤੇ ਵਾਸਤਵਿਕਤਾ ਦੇ ਗੂੜ੍ਹੇ ਸੰਬੰਧ ਦਾ ਨਿਰਣਾ ਵੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਵਿਲੱਖਣ ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ ਦੀ ਸਮੱਸਿਆ ਵੀ ਹੱਲ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।

ਨਿੱਤ ਜੀਵਨ ਦੀ ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਕਾਵਿ-ਭਾਸ਼ਾ ਦਾ ਸੰਬੰਧ :

1. ਨਿੱਤ ਜੀਵਨ ਦੀ ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਕਾਵਿ-ਭਾਸ਼ਾ ਇਕਹਿਰੀ ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ ਦੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।
2. ਨਿੱਤ ਜੀਵਨ ਦੀ ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਕਾਵਿ-ਭਾਸ਼ਾ ਇੱਕ ਦੂਸਰੇ ਤੋਂ ਵੱਖਰੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।
3. ਨਿੱਤ ਜੀਵਨ ਦੀ ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਕਾਵਿ-ਭਾਸ਼ਾ ਦਾ ਆਪਸ ਵਿਚ ਨਿਕਟ ਸੰਬੰਧ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।
4. ਨਿੱਤ ਜੀਵਨ ਦੀ ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਕਾਵਿ-ਭਾਸ਼ਾ ਇੱਕ ਦੂਸਰੇ ਤੋਂ ਬਦਲਦੀ ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ ਵਾਲੀਆਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ।

ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰ੍ਹੇ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਪੁੱਛੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ (96-100) ਦੇ ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਚੁਣੋ :

ਰੂਸੀ ਰੂਪਵਾਦ ਦਾ ਅਧਿਐਨ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਸੁਚੇਤ ਜਾਂ ਅਚੇਤ ਤੌਰ 'ਤੇ ਅਸਤਿਤਵ, ਅਨੁਭਵ ਅਤੇ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਉੱਪਰ ਬਲ ਦਿੰਦੇ ਹੋਏ ਜਾਪਦੇ ਹਨ। ਉਹ ਨਿੱਤ ਜੀਵਨ ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਕਾਵਿ ਭਾਸ਼ਾ ਨੂੰ ਇੱਕ ਦੂਜੇ ਤੋਂ ਨਿਖੇੜਦੇ ਹਨ। ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਅਭਿਆਸ ਜਾਂ ਆਦਤ ਤੋਂ ਪੈਦਾ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਮਕਾਨਕੀ ਸਵੈਚਾਲਨ (automatization) ਦਾ ਵਿਰੋਧ ਹੈ। ਆਦਤ ਵੱਸ ਅਸੀਂ ਬਹੁਤੇ ਕੰਮ ਅਚੇਤ ਹੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਅਤੇ ਕਈ ਵਾਰ ਭੁੱਲ ਜਾਂਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਫਲਾਣਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਵੀ ਸੀ ਕਿ ਨਹੀਂ। ਕਲਾਤਮਕ ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਸਾਡੇ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਨੂੰ ਨਵੇਂ ਸਿਰਿਓਂ ਤਰੇਤਾਜ਼ਾ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਇਸੇ ਹੀ ਵਿਚਾਰ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਅਮਰੀਕੀ ਫ਼ਿਲਾਸਫ਼ਰ ਸੂਸਨ ਕੇ. ਲੈਂਗਰ ਨੇ ਵਿਸਤਾਰਿਆ। ਕਲਾ-ਮੂਰਤ ਨੂੰ ਫ਼ਾਲ ਪ੍ਰਸੰਗਾਂ ਤੋਂ ਕੱਟ ਕੇ ਨਿਰੇਲ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਲਈ ਪੇਸ਼ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਸਿੱਟਾ ਇਹ ਨਿਕਲਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੇ ਵਿਚ ਉਸ ਸੰਬੰਧੀ ਤੀਬਰ ਚੇਤਨਾ ਦਾ ਅਹਿਸਾਸ ਜਾਗਦਾ ਹੈ। ਵਾਸਤਵਿਕਤਾ, ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਰਾਹੀਂ ਤੀਬਰ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਜਗਾਉਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਗੱਲ ਸਾਹਿਤ ਦੇ ਸਾਰੇ ਰੂਪਾਂ ਉੱਪਰ ਲਾਗੂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਗੱਲ ਨਾਲ ਸਾਹਿਤ ਅਤੇ ਵਾਸਤਵਿਕਤਾ ਦੇ ਗੂੜ੍ਹੇ ਸੰਬੰਧ ਦਾ ਨਿਰਣਾ ਵੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਵਿਲੱਖਣ ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ ਦੀ ਸਮੱਸਿਆ ਵੀ ਹੱਲ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।

ਨਿੱਤ ਜੀਵਨ ਦੀ ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਕਾਵਿ-ਭਾਸ਼ਾ ਦਾ ਸੰਬੰਧ :

1. ਨਿੱਤ ਜੀਵਨ ਦੀ ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਕਾਵਿ-ਭਾਸ਼ਾ ਇਕਹਿਰੀ ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ ਦੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।
2. ਨਿੱਤ ਜੀਵਨ ਦੀ ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਕਾਵਿ-ਭਾਸ਼ਾ ਇੱਕ ਦੂਸਰੇ ਤੋਂ ਵੱਖਰੀ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।
3. ਨਿੱਤ ਜੀਵਨ ਦੀ ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਕਾਵਿ-ਭਾਸ਼ਾ ਦਾ ਆਪਸ ਵਿਚ ਨਿਕਟ ਸੰਬੰਧ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।
4. ਨਿੱਤ ਜੀਵਨ ਦੀ ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਕਾਵਿ-ਭਾਸ਼ਾ ਇੱਕ ਦੂਸਰੇ ਤੋਂ ਬਦਲਦੀ ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ ਵਾਲੀਆਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ।

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

147 24097

ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰ੍ਹੇ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਪੁੱਛੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ (96-100) ਦੇ ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਚੁਣੋ :

ਰੂਸੀ ਰੂਪਵਾਦ ਦਾ ਅਧਿਐਨ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਸੁਚੇਤ ਜਾਂ ਅਚੇਤ ਤੌਰ 'ਤੇ ਅਸਤਿਤਵ, ਅਨੁਭਵ ਅਤੇ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਉੱਪਰ ਬਲ ਦਿੰਦੇ ਹੋਏ ਜਾਪਦੇ ਹਨ। ਉਹ ਨਿੱਤ ਜੀਵਨ ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਕਾਵਿ ਭਾਸ਼ਾ ਨੂੰ ਇੱਕ ਦੂਜੇ ਤੋਂ ਨਿਖੇੜਦੇ ਹਨ। ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਅਭਿਆਸ ਜਾਂ ਆਦਤ ਤੋਂ ਪੈਦਾ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਮਕਾਨਕੀ ਸਵੈਚਾਲਨ (automatization) ਦਾ ਵਿਰੋਧ ਹੈ। ਆਦਤ ਵੱਸ ਅਸੀਂ ਬਹੁਤੇ ਕੰਮ ਅਚੇਤ ਹੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਅਤੇ ਕਈ ਵਾਰ ਭੁੱਲ ਜਾਂਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਫਲਾਣਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਵੀ ਸੀ ਕਿ ਨਹੀਂ। ਕਲਾਤਮਕ ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਸਾਡੇ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਨੂੰ ਨਵੇਂ ਸਿਰਿਓਂ ਤਰੇਤਾਜ਼ਾ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਇਸੇ ਹੀ ਵਿਚਾਰ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਅਮਰੀਕੀ ਫ਼ਿਲਾਸਫ਼ਰ ਸੂਸਨ ਕੇ. ਲੈਂਗਰ ਨੇ ਵਿਸਤਾਰਿਆ। ਕਲਾ-ਮੂਰਤ ਨੂੰ ਫ਼ਾਲ ਪ੍ਰਸੰਗਾਂ ਤੋਂ ਕੱਟ ਕੇ ਨਿਰੇਲ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਲਈ ਪੇਸ਼ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਸਿੱਟਾ ਇਹ ਨਿਕਲਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੇ ਵਿਚ ਉਸ ਸੰਬੰਧੀ ਤੀਬਰ ਚੇਤਨਾ ਦਾ ਅਹਿਸਾਸ ਜਾਗਦਾ ਹੈ। ਵਾਸਤਵਿਕਤਾ, ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਰਾਹੀਂ ਤੀਬਰ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਜਗਾਉਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਗੱਲ ਸਾਹਿਤ ਦੇ ਸਾਰੇ ਰੂਪਾਂ ਉੱਪਰ ਲਾਗੂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਗੱਲ ਨਾਲ ਸਾਹਿਤ ਅਤੇ ਵਾਸਤਵਿਕਤਾ ਦੇ ਗੂੜ੍ਹੇ ਸੰਬੰਧ ਦਾ ਨਿਰਣਾ ਵੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਵਿਲੱਖਣ ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ ਦੀ ਸਮੱਸਿਆ ਵੀ ਹੱਲ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।

ਸਾਹਿਤ ਵਿਚ ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਦੀ ਭੂਮਿਕਾ:

1. ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਜੀਵਨ ਦੇ ਮਕਾਨਕੀ ਸਵੈਚਾਲਨ ਨੂੰ ਪਰਖੱਕ ਕਰਦਾ ਹੈ।
2. ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਅਭਿਆਸੀ ਰੁਟੀਨ ਨੂੰ ਤੋੜ ਕੇ ਨਵੀਨਤਾ ਸਹਿਤ ਪੇਸ਼ ਕਰਦਾ ਹੈ।
3. ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਨਾਲ ਸਾਹਿਤ ਵਿਚ ਉਲ-ਜਲੂਲਤਾ ਪੈਦਾ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।
4. ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਦਾ ਕਾਰਜ ਸਾਹਿਤ ਵਿਰੋਧੀ ਅਤੇ ਇਸਦਾ ਅਭਿਆਸ ਨਾਲ ਗੂੜ੍ਹਾ ਨਾਤਾ ਹੈ।

ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰ੍ਹੇ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਪੁੱਛੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ (96-100) ਦੇ ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਚੁਣੋ :

ਰੂਸੀ ਰੂਪਵਾਦ ਦਾ ਅਧਿਐਨ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਸੁਚੇਤ ਜਾਂ ਅਚੇਤ ਤੌਰ 'ਤੇ ਅਸਤਿਤਵ, ਅਨੁਭਵ ਅਤੇ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਉੱਪਰ ਬਲ ਦਿੰਦੇ ਹੋਏ ਜਾਪਦੇ ਹਨ। ਉਹ ਨਿੱਤ ਜੀਵਨ ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਕਾਵਿ ਭਾਸ਼ਾ ਨੂੰ ਇੱਕ ਦੂਜੇ ਤੋਂ ਨਿਖੇੜਦੇ ਹਨ। ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਅਭਿਆਸ ਜਾਂ ਆਦਤ ਤੋਂ ਪੈਦਾ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਮਕਾਨਕੀ ਸਵੈਚਾਲਨ (automatization) ਦਾ ਵਿਰੋਧ ਹੈ। ਆਦਤ ਵੱਸ ਅਸੀਂ ਬਹੁਤੇ ਕੰਮ ਅਚੇਤ ਹੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਅਤੇ ਕਈ ਵਾਰ ਭੁੱਲ ਜਾਂਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਫਲਾਣਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਵੀ ਸੀ ਕਿ ਨਹੀਂ। ਕਲਾਤਮਕ ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਸਾਡੇ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਨੂੰ ਨਵੇਂ ਸਿਰਿਓਂ ਤਰੇਤਾਜ਼ਾ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਇਸੇ ਹੀ ਵਿਚਾਰ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਅਮਰੀਕੀ ਫ਼ਿਲਾਸਫ਼ਰ ਸੂਸਨ ਕੇ. ਲੈਂਗਰ ਨੇ ਵਿਸਤਾਰਿਆ। ਕਲਾ-ਮੂਰਤ ਨੂੰ ਫ਼ਾਲ ਪ੍ਰਸੰਗਾਂ ਤੋਂ ਕੱਟ ਕੇ ਨਿਰੇਲ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਲਈ ਪੇਸ਼ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਸਿੱਟਾ ਇਹ ਨਿਕਲਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੇ ਵਿਚ ਉਸ ਸੰਬੰਧੀ ਤੀਬਰ ਚੇਤਨਾ ਦਾ ਅਹਿਸਾਸ ਜਾਗਦਾ ਹੈ। ਵਾਸਤਵਿਕਤਾ, ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਰਾਹੀਂ ਤੀਬਰ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਜਗਾਉਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਗੱਲ ਸਾਹਿਤ ਦੇ ਸਾਰੇ ਰੂਪਾਂ ਉੱਪਰ ਲਾਗੂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਗੱਲ ਨਾਲ ਸਾਹਿਤ ਅਤੇ ਵਾਸਤਵਿਕਤਾ ਦੇ ਗੂੜ੍ਹੇ ਸੰਬੰਧ ਦਾ ਨਿਰਣਾ ਵੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਵਿਲੱਖਣ ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ ਦੀ ਸਮੱਸਿਆ ਵੀ ਹੱਲ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।

ਸਾਹਿਤ ਵਿਚ ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਦੀ ਭੂਮਿਕਾ:

1. ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਜੀਵਨ ਦੇ ਮਕਾਨਕੀ ਸਵੈਚਾਲਨ ਨੂੰ ਪਰਖੱਕ ਕਰਦਾ ਹੈ।
2. ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਅਭਿਆਸੀ ਰੁਟੀਨ ਨੂੰ ਤੋੜ ਕੇ ਨਵੀਨਤਾ ਸਹਿਤ ਪੇਸ਼ ਕਰਦਾ ਹੈ।
3. ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਨਾਲ ਸਾਹਿਤ ਵਿਚ ਉਲ-ਜਲੂਲਤਾ ਪੈਦਾ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।
4. ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਦਾ ਕਾਰਜ ਸਾਹਿਤ ਵਿਰੋਧੀ ਅਤੇ ਇਸਦਾ ਅਭਿਆਸ ਨਾਲ ਗੂੜ੍ਹਾ ਨਾਤਾ ਹੈ।

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

148 24098

ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰ੍ਹੇ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਪੁੱਛੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ (96-100) ਦੇ ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਚੁਣੋ :

ਰੂਸੀ ਰੂਪਵਾਦ ਦਾ ਅਧਿਐਨ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਸੁਚੇਤ ਜਾਂ ਅਚੇਤ ਤੌਰ 'ਤੇ ਅਸਤਿਤਵ, ਅਨੁਭਵ ਅਤੇ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਉੱਪਰ ਬਲ ਦਿੰਦੇ ਹੋਏ ਜਾਪਦੇ ਹਨ। ਉਹ ਨਿੱਤ ਜੀਵਨ ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਕਾਵਿ ਭਾਸ਼ਾ ਨੂੰ ਇੱਕ ਦੂਜੇ ਤੋਂ ਨਿਖੇੜਦੇ ਹਨ। ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਅਭਿਆਸ ਜਾਂ ਆਦਤ ਤੋਂ ਪੈਦਾ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਮਕਾਨਕੀ ਸਵੈਚਾਲਨ (automatization) ਦਾ ਵਿਰੋਧ ਹੈ। ਆਦਤ ਵੱਸ ਅਸੀਂ ਬਹੁਤੇ ਕੰਮ ਅਚੇਤ ਹੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਅਤੇ ਕਈ ਵਾਰ ਭੁੱਲ ਜਾਂਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਫਲਾਣਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਵੀ ਸੀ ਕਿ ਨਹੀਂ। ਕਲਾਤਮਕ ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਸਾਡੇ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਨੂੰ ਨਵੇਂ ਸਿਰਿਓਂ ਤਰੇਤਾਜ਼ਾ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਇਸੇ ਹੀ ਵਿਚਾਰ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਅਮਰੀਕੀ ਫ਼ਿਲਾਸਫ਼ਰ ਸੂਸਨ ਕੇ. ਲੈਂਗਰ ਨੇ ਵਿਸਤਾਰਿਆ। ਕਲਾ-ਮੂਰਤ ਨੂੰ ਫ਼ਾਲ ਪ੍ਰਸੰਗਾਂ ਤੋਂ ਕੱਟ ਕੇ ਨਿਰੇਲ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਲਈ ਪੇਸ਼ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਸਿੱਟਾ ਇਹ ਨਿਕਲਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੇ ਵਿਚ ਉਸ ਸੰਬੰਧੀ ਤੀਬਰ ਚੇਤਨਾ ਦਾ ਅਹਿਸਾਸ ਜਾਗਦਾ ਹੈ। ਵਾਸਤਵਿਕਤਾ, ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਰਾਹੀਂ ਤੀਬਰ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਜਗਾਉਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਗੱਲ ਸਾਹਿਤ ਦੇ ਸਾਰੇ ਰੂਪਾਂ ਉੱਪਰ ਲਾਗੂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਗੱਲ ਨਾਲ ਸਾਹਿਤ ਅਤੇ ਵਾਸਤਵਿਕਤਾ ਦੇ ਗੂੜ੍ਹੇ ਸੰਬੰਧ ਦਾ ਨਿਰਣਾ ਵੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਵਿਲੱਖਣ ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ ਦੀ ਸਮੱਸਿਆ ਵੀ ਹੱਲ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।

ਕਲਾਤਮਕ ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਦਾ ਪ੍ਰਕਾਰਜ ਹੈ:

1. ਕਲਾਤਮਕ ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਮਨੁੱਖੀ ਸੁਭਾਅ ਅਤੇ ਸੁਹਜ-ਸੁਆਦ ਨੂੰ ਸੱਜਰਿਆਂ ਕਰਦਾ ਹੈ।
2. ਕਲਾਤਮਕ ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਪਾਠਕ ਨੂੰ ਸਾਹਿਤ ਵੱਲੋਂ ਬੇਮੁੱਖ ਕਰ ਦਿੰਦਾ ਹੈ।
3. ਕਲਾਤਮਕ ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਨਾਲ ਸਾਹਿਤ ਵਿਚ ਸੰਚਾਰ ਦੀ ਸਮੱਸਿਆ ਉਤਪੰਨ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।
4. ਕਲਾਤਮਕ ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਮਨੁੱਖੀ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ।

ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰ੍ਹੇ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਪੁੱਛੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ (96-100) ਦੇ ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਚੁਣੋ :

ਰੂਸੀ ਰੂਪਵਾਦ ਦਾ ਅਧਿਐਨ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਸੁਚੇਤ ਜਾਂ ਅਚੇਤ ਤੌਰ 'ਤੇ ਅਸਤਿਤਵ, ਅਨੁਭਵ ਅਤੇ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਉੱਪਰ ਬਲ ਦਿੰਦੇ ਹੋਏ ਜਾਪਦੇ ਹਨ। ਉਹ ਨਿੱਤ ਜੀਵਨ ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਕਾਵਿ ਭਾਸ਼ਾ ਨੂੰ ਇੱਕ ਦੂਜੇ ਤੋਂ ਨਿਖੇੜਦੇ ਹਨ। ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਅਭਿਆਸ ਜਾਂ ਆਦਤ ਤੋਂ ਪੈਦਾ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਮਕਾਨਕੀ ਸਵੈਚਾਲਨ (automatization) ਦਾ ਵਿਰੋਧ ਹੈ। ਆਦਤ ਵੱਸ ਅਸੀਂ ਬਹੁਤੇ ਕੰਮ ਅਚੇਤ ਹੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਅਤੇ ਕਈ ਵਾਰ ਭੁੱਲ ਜਾਂਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਫਲਾਣਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਵੀ ਸੀ ਕਿ ਨਹੀਂ। ਕਲਾਤਮਕ ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਸਾਡੇ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਨੂੰ ਨਵੇਂ ਸਿਰਿਓਂ ਤਰੇਤਾਜ਼ਾ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਇਸੇ ਹੀ ਵਿਚਾਰ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਅਮਰੀਕੀ ਫ਼ਿਲਾਸਫ਼ਰ ਸੂਸਨ ਕੇ. ਲੈਂਗਰ ਨੇ ਵਿਸਤਾਰਿਆ। ਕਲਾ-ਮੂਰਤ ਨੂੰ ਫ਼ਾਲ ਪ੍ਰਸੰਗਾਂ ਤੋਂ ਕੱਟ ਕੇ ਨਿਰੇਲ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਲਈ ਪੇਸ਼ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਸਿੱਟਾ ਇਹ ਨਿਕਲਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੇ ਵਿਚ ਉਸ ਸੰਬੰਧੀ ਤੀਬਰ ਚੇਤਨਾ ਦਾ ਅਹਿਸਾਸ ਜਾਗਦਾ ਹੈ। ਵਾਸਤਵਿਕਤਾ, ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਰਾਹੀਂ ਤੀਬਰ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਜਗਾਉਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਗੱਲ ਸਾਹਿਤ ਦੇ ਸਾਰੇ ਰੂਪਾਂ ਉੱਪਰ ਲਾਗੂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਗੱਲ ਨਾਲ ਸਾਹਿਤ ਅਤੇ ਵਾਸਤਵਿਕਤਾ ਦੇ ਗੂੜ੍ਹੇ ਸੰਬੰਧ ਦਾ ਨਿਰਣਾ ਵੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਵਿਲੱਖਣ ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ ਦੀ ਸਮੱਸਿਆ ਵੀ ਹੱਲ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।

ਕਲਾਤਮਕ ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਦਾ ਪ੍ਰਕਾਰਜ ਹੈ:

1. ਕਲਾਤਮਕ ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਮਨੁੱਖੀ ਸੁਭਾਅ ਅਤੇ ਸੁਹਜ-ਸੁਆਦ ਨੂੰ ਸੱਜਰਿਆਂ ਕਰਦਾ ਹੈ।
2. ਕਲਾਤਮਕ ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਪਾਠਕ ਨੂੰ ਸਾਹਿਤ ਵੱਲੋਂ ਬੇਮੁੱਖ ਕਰ ਦਿੰਦਾ ਹੈ।
3. ਕਲਾਤਮਕ ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਨਾਲ ਸਾਹਿਤ ਵਿਚ ਸੰਚਾਰ ਦੀ ਸਮੱਸਿਆ ਉਤਪੰਨ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।
4. ਕਲਾਤਮਕ ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਮਨੁੱਖੀ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਵਿਚ ਵਾਧਾ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ।

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

149/24099

ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰ੍ਹੇ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਪੁੱਛੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ (96-100) ਦੇ ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਚੁਣੋ :

ਰੂਸੀ ਰੂਪਵਾਦ ਦਾ ਅਧਿਐਨ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਸੁਚੇਤ ਜਾਂ ਅਚੇਤ ਤੌਰ 'ਤੇ ਅਸਤਿਤਵ, ਅਨੁਭਵ ਅਤੇ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਉੱਪਰ ਬਲ ਦਿੰਦੇ ਹੋਏ ਜਾਪਦੇ ਹਨ। ਉਹ ਨਿੱਤ ਜੀਵਨ ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਕਾਵਿ ਭਾਸ਼ਾ ਨੂੰ ਇੱਕ ਦੂਜੇ ਤੋਂ ਨਿਖੇੜਦੇ ਹਨ। ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਅਭਿਆਸ ਜਾਂ ਆਦਤ ਤੋਂ ਪੈਦਾ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਮਕਾਨਕੀ ਸਵੈਚਾਲਨ (automatization) ਦਾ ਵਿਰੋਧ ਹੈ। ਆਦਤ ਵੱਸ ਅਸੀਂ ਬਹੁਤੇ ਕੰਮ ਅਚੇਤ ਹੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਅਤੇ ਕਈ ਵਾਰ ਭੁੱਲ ਜਾਂਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਫਲਾਣਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਵੀ ਸੀ ਕਿ ਨਹੀਂ। ਕਲਾਤਮਕ ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਸਾਡੇ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਨੂੰ ਨਵੇਂ ਸਿਰਿਓਂ ਤਰੇਤਾਜ਼ਾ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਇਸੇ ਹੀ ਵਿਚਾਰ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਅਮਰੀਕੀ ਫ਼ਿਲਾਸਫ਼ਰ ਸੁਸਨ ਕੇ. ਲੈਂਗਰ ਨੇ ਵਿਸਤਾਰਿਆ। ਕਲਾ-ਮੂਰਤ ਨੂੰ ਫ਼ਾਲ ਪ੍ਰਸੰਗਾਂ ਤੋਂ ਕੱਟ ਕੇ ਨਿਰੋਲ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਲਈ ਪੇਸ਼ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਸਿੱਟਾ ਇਹ ਨਿਕਲਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੇ ਵਿਚ ਉਸ ਸੰਬੰਧੀ ਤੀਬਰ ਚੇਤਨਾ ਦਾ ਅਹਿਸਾਸ ਜਾਗਦਾ ਹੈ। ਵਾਸਤਵਿਕਤਾ, ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਰਾਹੀਂ ਤੀਬਰ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਜਗਾਉਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਗੱਲ ਸਾਹਿਤ ਦੇ ਸਾਰੇ ਰੂਪਾਂ ਉੱਪਰ ਲਾਗੂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਗੱਲ ਨਾਲ ਸਾਹਿਤ ਅਤੇ ਵਾਸਤਵਿਕਤਾ ਦੇ ਗੂੜ੍ਹੇ ਸੰਬੰਧ ਦਾ ਨਿਰਣਾ ਵੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਵਿਲੱਖਣ ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ ਦੀ ਸਮੱਸਿਆ ਵੀ ਹੱਲ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।

ਕਲਾਤਮਕ ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਦਾ ਵਿਸਤਾਰ:

1. ਕਲਾਤਮਕ ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਦਾ ਵਿਰੋਧ ਸਾਰੇ ਵਿਸ਼ਵ ਵਿਚ ਹੋਇਆ।
2. ਕਲਾਤਮਕ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਨਾਲ ਸਾਹਿਤ ਵਿਧਾਗਤ ਰੂੜੀਆਂ ਨੂੰ ਪਰਖੱਕ ਕਰਦਾ ਹੈ।
3. ਕਲਾਤਮਕ ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਨੂੰ ਵਿਸਤਾਰਨ ਵਿਚ ਸੁਸਨ ਕੇ. ਲੈਂਗਰ ਨੇ ਅਹਿਮ ਭੂਮਿਕਾ ਨਿਭਾਈ।
4. ਕਲਾਤਮਕ ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਨੇ ਸਾਹਿਤਕ-ਸ਼ੈਲੀ ਨੂੰ ਵੱਡੀ ਠੋਸ ਪਹੁੰਚਾਈ।

ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰ੍ਹੇ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਪੁੱਛੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ (96-100) ਦੇ ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਚੁਣੋ :

ਰੂਸੀ ਰੂਪਵਾਦ ਦਾ ਅਧਿਐਨ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਸੁਚੇਤ ਜਾਂ ਅਚੇਤ ਤੌਰ 'ਤੇ ਅਸਤਿਤਵ, ਅਨੁਭਵ ਅਤੇ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਉੱਪਰ ਬਲ ਦਿੰਦੇ ਹੋਏ ਜਾਪਦੇ ਹਨ। ਉਹ ਨਿੱਤ ਜੀਵਨ ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਕਾਵਿ ਭਾਸ਼ਾ ਨੂੰ ਇੱਕ ਦੂਜੇ ਤੋਂ ਨਿਖੇੜਦੇ ਹਨ। ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਅਭਿਆਸ ਜਾਂ ਆਦਤ ਤੋਂ ਪੈਦਾ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਮਕਾਨਕੀ ਸਵੈਚਾਲਨ (automatization) ਦਾ ਵਿਰੋਧ ਹੈ। ਆਦਤ ਵੱਸ ਅਸੀਂ ਬਹੁਤੇ ਕੰਮ ਅਚੇਤ ਹੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਅਤੇ ਕਈ ਵਾਰ ਭੁੱਲ ਜਾਂਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਫਲਾਣਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਵੀ ਸੀ ਕਿ ਨਹੀਂ। ਕਲਾਤਮਕ ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਸਾਡੇ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਨੂੰ ਨਵੇਂ ਸਿਰਿਓਂ ਤਰੇਤਾਜ਼ਾ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਇਸੇ ਹੀ ਵਿਚਾਰ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਅਮਰੀਕੀ ਫ਼ਿਲਾਸਫ਼ਰ ਸੁਸਨ ਕੇ. ਲੈਂਗਰ ਨੇ ਵਿਸਤਾਰਿਆ। ਕਲਾ-ਮੂਰਤ ਨੂੰ ਫ਼ਾਲ ਪ੍ਰਸੰਗਾਂ ਤੋਂ ਕੱਟ ਕੇ ਨਿਰੋਲ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਲਈ ਪੇਸ਼ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਸਿੱਟਾ ਇਹ ਨਿਕਲਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੇ ਵਿਚ ਉਸ ਸੰਬੰਧੀ ਤੀਬਰ ਚੇਤਨਾ ਦਾ ਅਹਿਸਾਸ ਜਾਗਦਾ ਹੈ। ਵਾਸਤਵਿਕਤਾ, ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਰਾਹੀਂ ਤੀਬਰ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਜਗਾਉਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਗੱਲ ਸਾਹਿਤ ਦੇ ਸਾਰੇ ਰੂਪਾਂ ਉੱਪਰ ਲਾਗੂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਗੱਲ ਨਾਲ ਸਾਹਿਤ ਅਤੇ ਵਾਸਤਵਿਕਤਾ ਦੇ ਗੂੜ੍ਹੇ ਸੰਬੰਧ ਦਾ ਨਿਰਣਾ ਵੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਵਿਲੱਖਣ ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ ਦੀ ਸਮੱਸਿਆ ਵੀ ਹੱਲ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।

ਕਲਾਤਮਕ ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਦਾ ਵਿਸਤਾਰ:

1. ਕਲਾਤਮਕ ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਦਾ ਵਿਰੋਧ ਸਾਰੇ ਵਿਸ਼ਵ ਵਿਚ ਹੋਇਆ।
2. ਕਲਾਤਮਕ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਨਾਲ ਸਾਹਿਤ ਵਿਧਾਗਤ ਰੂੜੀਆਂ ਨੂੰ ਪਰਖੱਕ ਕਰਦਾ ਹੈ।
3. ਕਲਾਤਮਕ ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਨੂੰ ਵਿਸਤਾਰਨ ਵਿਚ ਸੁਸਨ ਕੇ. ਲੈਂਗਰ ਨੇ ਅਹਿਮ ਭੂਮਿਕਾ ਨਿਭਾਈ।
4. ਕਲਾਤਮਕ ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਨੇ ਸਾਹਿਤਕ-ਸ਼ੈਲੀ ਨੂੰ ਵੱਡੀ ਠੋਸ ਪਹੁੰਚਾਈ।

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

A4 4
:

4

Objective Question

150 24100

ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰ੍ਹੇ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਪੁੱਛੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ (96-100) ਦੇ ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਚੁਣੋ :

ਰੂਸੀ ਰੂਪਵਾਦ ਦਾ ਅਧਿਐਨ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਸੁਚੇਤ ਜਾਂ ਅਚੇਤ ਤੌਰ 'ਤੇ ਅਸਤਿਤਵ, ਅਨੁਭਵ ਅਤੇ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਉੱਪਰ ਬਲ ਦਿੰਦੇ ਹੋਏ ਜਾਪਦੇ ਹਨ। ਉਹ ਨਿੱਤ ਜੀਵਨ ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਕਾਵਿ ਭਾਸ਼ਾ ਨੂੰ ਇੱਕ ਦੂਜੇ ਤੋਂ ਨਿਖੇੜਦੇ ਹਨ। ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਅਭਿਆਸ ਜਾਂ ਆਦਤ ਤੋਂ ਪੈਦਾ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਮਕਾਨਕੀ ਸਵੈਚਾਲਨ (automatization) ਦਾ ਵਿਰੋਧ ਹੈ। ਆਦਤ ਵੱਸ ਅਸੀਂ ਬਹੁਤੇ ਕੰਮ ਅਚੇਤ ਹੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਅਤੇ ਕਈ ਵਾਰ ਭੁੱਲ ਜਾਂਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਫਲਾਣਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਵੀ ਸੀ ਕਿ ਨਹੀਂ। ਕਲਾਤਮਕ ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਸਾਡੇ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਨੂੰ ਨਵੇਂ ਸਿਰਿਓਂ ਤਰੇਤਾਜ਼ਾ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਇਸੇ ਹੀ ਵਿਚਾਰ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਅਮਰੀਕੀ ਫ਼ਿਲਾਸਫ਼ਰ ਸੂਸਨ ਕੇ. ਲੈਂਗਰ ਨੇ ਵਿਸਤਾਰਿਆ। ਕਲਾ-ਮੂਰਤ ਨੂੰ ਫ਼ਾਲ ਪ੍ਰਸੰਗਾਂ ਤੋਂ ਕੱਟ ਕੇ ਨਿਰੋਲ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਲਈ ਪੇਸ਼ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਸਿੱਟਾ ਇਹ ਨਿਕਲਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੇ ਵਿਚ ਉਸ ਸੰਬੰਧੀ ਤੀਬਰ ਚੇਤਨਾ ਦਾ ਅਹਿਸਾਸ ਜਾਗਦਾ ਹੈ। ਵਾਸਤਵਿਕਤਾ, ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਰਾਹੀਂ ਤੀਬਰ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਜਗਾਉਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਗੱਲ ਸਾਹਿਤ ਦੇ ਸਾਰੇ ਰੂਪਾਂ ਉੱਪਰ ਲਾਗੂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਗੱਲ ਨਾਲ ਸਾਹਿਤ ਅਤੇ ਵਾਸਤਵਿਕਤਾ ਦੇ ਗੂੜ੍ਹੇ ਸੰਬੰਧ ਦਾ ਨਿਰਣਾ ਵੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਵਿਲੱਖਣ ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ ਦੀ ਸਮੱਸਿਆ ਵੀ ਹੱਲ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।

ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਦੀ ਜੁਗਤ ਹੈ:

1. ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਦੀ ਵਿਧੀ ਨਾਲ ਜੀਵਨ ਦੀ ਵਾਸਤਵਿਕਤਾ ਪ੍ਰਭਾਵਮਈ ਰੂਪ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।
2. ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਦੀ ਵਿਧੀ ਸਾਹਿਤ ਨੂੰ ਸਾਹਿਤਕਤਾ ਤੋਂ ਦੂਰ ਲੈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।
3. ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਦੀ ਵਿਧੀ ਨਾਲ ਸਾਹਿਤ-ਕਿਰਤ ਆਪਣਾ ਸੁਨੇਹਾ ਸਹੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਹੀਂ ਸੰਚਾਰ ਸਕਦੀ।
4. ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਦੀ ਵਿਧੀ ਕੇਵਲ ਪ੍ਰਯੋਗ ਮਾਤਰ ਹੈ।

ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰ੍ਹੇ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਪੁੱਛੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ (96-100) ਦੇ ਸਹੀ ਵਿਕਲਪ ਚੁਣੋ :

ਰੂਸੀ ਰੂਪਵਾਦ ਦਾ ਅਧਿਐਨ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਸੁਚੇਤ ਜਾਂ ਅਚੇਤ ਤੌਰ 'ਤੇ ਅਸਤਿਤਵ, ਅਨੁਭਵ ਅਤੇ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਉੱਪਰ ਬਲ ਦਿੰਦੇ ਹੋਏ ਜਾਪਦੇ ਹਨ। ਉਹ ਨਿੱਤ ਜੀਵਨ ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਕਾਵਿ ਭਾਸ਼ਾ ਨੂੰ ਇੱਕ ਦੂਜੇ ਤੋਂ ਨਿਖੇੜਦੇ ਹਨ। ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਅਭਿਆਸ ਜਾਂ ਆਦਤ ਤੋਂ ਪੈਦਾ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਮਕਾਨਕੀ ਸਵੈਚਾਲਨ (automatization) ਦਾ ਵਿਰੋਧ ਹੈ। ਆਦਤ ਵੱਸ ਅਸੀਂ ਬਹੁਤੇ ਕੰਮ ਅਚੇਤ ਹੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਅਤੇ ਕਈ ਵਾਰ ਭੁੱਲ ਜਾਂਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਅਸੀਂ ਫਲਾਣਾ ਕੰਮ ਕੀਤਾ ਵੀ ਸੀ ਕਿ ਨਹੀਂ। ਕਲਾਤਮਕ ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਸਾਡੇ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਨੂੰ ਨਵੇਂ ਸਿਰਿਓਂ ਤਰੇਤਾਜ਼ਾ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਇਸੇ ਹੀ ਵਿਚਾਰ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਅਮਰੀਕੀ ਫ਼ਿਲਾਸਫ਼ਰ ਸੂਸਨ ਕੇ. ਲੈਂਗਰ ਨੇ ਵਿਸਤਾਰਿਆ। ਕਲਾ-ਮੂਰਤ ਨੂੰ ਫ਼ਾਲ ਪ੍ਰਸੰਗਾਂ ਤੋਂ ਕੱਟ ਕੇ ਨਿਰੋਲ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਲਈ ਪੇਸ਼ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਸਿੱਟਾ ਇਹ ਨਿਕਲਦਾ ਹੈ ਕਿ ਸਾਡੇ ਵਿਚ ਉਸ ਸੰਬੰਧੀ ਤੀਬਰ ਚੇਤਨਾ ਦਾ ਅਹਿਸਾਸ ਜਾਗਦਾ ਹੈ। ਵਾਸਤਵਿਕਤਾ, ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਰਾਹੀਂ ਤੀਬਰ ਪ੍ਰਤੱਖਣ ਜਗਾਉਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਗੱਲ ਸਾਹਿਤ ਦੇ ਸਾਰੇ ਰੂਪਾਂ ਉੱਪਰ ਲਾਗੂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਗੱਲ ਨਾਲ ਸਾਹਿਤ ਅਤੇ ਵਾਸਤਵਿਕਤਾ ਦੇ ਗੂੜ੍ਹੇ ਸੰਬੰਧ ਦਾ ਨਿਰਣਾ ਵੀ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਵਿਲੱਖਣ ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ ਦੀ ਸਮੱਸਿਆ ਵੀ ਹੱਲ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।

ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਦੀ ਜੁਗਤ ਹੈ:

1. ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਦੀ ਵਿਧੀ ਨਾਲ ਜੀਵਨ ਦੀ ਵਾਸਤਵਿਕਤਾ ਪ੍ਰਭਾਵਮਈ ਰੂਪ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।
2. ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਦੀ ਵਿਧੀ ਸਾਹਿਤ ਨੂੰ ਸਾਹਿਤਕਤਾ ਤੋਂ ਦੂਰ ਲੈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।
3. ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਦੀ ਵਿਧੀ ਨਾਲ ਸਾਹਿਤ-ਕਿਰਤ ਆਪਣਾ ਸੁਨੇਹਾ ਸਹੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਹੀਂ ਸੰਚਾਰ ਸਕਦੀ।
4. ਅਜਨਬੀਕਰਨ ਦੀ ਵਿਧੀ ਕੇਵਲ ਪ੍ਰਯੋਗ ਮਾਤਰ ਹੈ।

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4